आज का मौसम 33.0° अधिकतम तापमान 24.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.03 सूर्यास्त 05.50

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

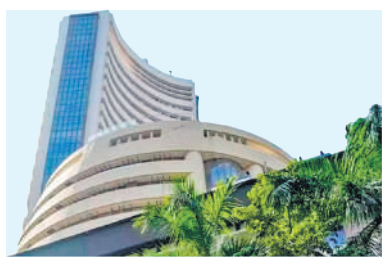

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

आश्विन शुक्ल पक्ष चतुर्दशी 12:24 उपरांत पूर्णिमा विक्रम संवत 2082

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025, वर्ष 35, अंक 248, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

दार्जिलिंग में भूस्खलन, 20 की मौत

उत्तर बंगाल में सड़कें-पुल ध्वस्त, 12 घंटों में 300 मिलीमीटर बारिश, सिक्किम से संपर्क टूटा

दार्जिलिंग, एजेंसी

पश्चिम बंगाल और सिक्किम में लगातार हो रही भारी बारिश ने तबाही मचा दी है। उत्तरी बंगाल में दार्जिलिंग में कई भूस्खलन हुए जिससे कम से कम 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हो गए। दार्जिलिंग जिले के मिरिक में लैंडस्लाइड से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई है। कई जगह पुल टूट गए और सड़कों पर मलबा जम गया जिससे यातायात पूरी तरह बाधित है। सिक्किम से संपर्क टूट गया है।

एनडीआरएफ और जिला प्रशासन की रिपोर्ट के अनुसार, सरसली, जसबीरगांव, मिरिक बस्ती, धार गांव (मेची), नागराकाटा और मिरिक झील क्षेत्र से लोगों के मारे जाने की खबर है। दार्जिलिंग उपमंडल अधिकारी ने बताया कि पुलिस, स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रतिक्रिया टीम की मदद से बचाव और राहत अभियान जारी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। वह 6 अक्टूबर को उत्तर बंगाल का दौरा करेंगी और क्षेत्र की स्थिति का आकलन करेंगी, जहां बड़ी संख्या में पर्यटक भी प्रभावित हुए हैं। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने स्थिति को चिंताजनक बताया और रिपोर्ट का हवाला देते हुए मृतकों की संख्या 20 बताई। गुहा ने कहा यह संख्या बढ़ भी सकती है। भूस्खलन के कारण मिरिक-सुखियापोखरी सड़क सहित प्रमुख मार्गों पर यातायात बाधित हो गया जबकि कई पहाड़ी बस्तियों की संचार लाइनें टूट गईं। यहां 12 घंटों में 300 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई, जिससे कम से कम सात जगहों पर भयंकर बाढ़ और भूस्खलन हुआ। उन्होंने इस स्थिति की तुलना पिछले महीने त्योहारों के मौसम में कोलकाता में आई भीषण बाढ़ से की।

दार्जिलिंग में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन के बाद राहत कार्य में जुटी प्रशासनिक टीम।

नेपाल और प. बंगाल को हरसंभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग में जानमाल की हानि से बहुत दु:ख हुआ है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना है। हम प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वहीं नेपाल में भारी बारिश के कारण हुई जान-माल की क्षति पर रविवार को दुख जताते हुए मोदी ने कहा कि एक मित्र पड़ोसी एवं सबसे पहले मदद देने वाले देश के रूप में भारत हर प्रकार की आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

नेपाल में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ में 51 की मौत

काठमांडू। पूर्वी नेपाल में विभिन्न स्थानों पर मूसलाधार बारिश के कारण भूस्खलन और बाढ़ आई, जिसके कारण रविवार सुबह तक कम से कम 51 लोगों की मौत हो गई। कोशी प्रांत में इल्लम जिले के विभिन्न स्थानों पर कम से कम 37 लोगों की मौत हुई है। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए) ने बताया कि इन 37 लोगों में से देउमाई और माईजोगमाई नगरपालिका क्षेत्रों में आठ- आठ लोगों की मौत हुई, इल्लम नगरपालिका और संदकपुर ग्रामीण नगरपालिका में छह-छह, मंगसेबुंग में तीन और फाकफोकथुम गांव में एक व्यक्ति की मौत हुई है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण उदयपुर में दो और पंचथार में एक व्यक्ति की मौत हो गई। रौतहट में बिजली गिरने से तीन और खोतांग जिले में दो की मौत हो गई। इस बीच, पंचथार जिले में भारी बारिश के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त होने के कारण हुई एक दुर्घटना में छह लोगों की मौत हो गई। रसुवा जिले के लांगटांग संरक्षण क्षेत्र में उफनती नदी में बह जाने से कम से कम चार लोग लापता हो गए।

फील्ड में वही अधिकारी तैनात करें, जिनकी साफ छवि हो : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज्य कर विभाग की समीक्षा बैठक में सीएम ने दी सख्त चेतावनी, व्यापारियों-उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत बर्दाश्त नहीं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि राज्य कर विभाग में तैनाती का आधार अब केवल 'परफॉर्मेंस' होगा। फील्ड में वही अधिकारी तैनात किए जाएं, जिनकी छवि साफ हो और जो लक्ष्य प्राप्ति के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हों।

उन्होंने चेतावनी दी कि लापरवाह या संदिग्ध छवि वाले अधिकारी किसी भी स्थिति में फील्ड पोस्टिंग के पात्र नहीं होंगे। मुख्यमंत्री रविवार को राज्य कर विभाग की राजस्व प्राप्तियों की अद्यतन स्थिति की समीक्षा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी जोनल अधिकारियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी के नेक्स्ट जेनरेशन रिफॉर्म के बाद बाजार में तेजी आई है और आने वाले महीनों में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने निर्देश दिए कि धनतेरस और दीपावली पर अनावश्यक छापेमारी या जांच से बचा जाए। व्यापारियों या उद्यमियों के उत्पीड़न की शिकायत कहीं से नहीं आनी चाहिए। योगी ने निर्देश दिए कि वरिष्ठ अधिकारी स्वयं बाजार में जाकर मार्केट मैपिंग करें, व्यापारियों से संवाद बढ़ाएं और उनकी अपेक्षाओं को समझें। उन्होंने जीएसटी पंजीकरण बढ़ाने और समय से रिटर्न फाइल कराने पर विशेष बल दिया। योगी ने कहा कि करदाता-मित्रवत वातावरण बनाकर ही स्थायी राजस्व वृद्धि हासिल की जा सकती है।

परफॉर्मेंस से तय होगी जवाबदेही : मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि सितंबर तक राज्य कर विभाग को 55,000 करोड़ की प्राप्ति हुई है, जिसमें 40,000 करोड़ जीएसटी और 15,000 करोड़ वैट/नॉन-जीएसटी से हैं। गत वित्तीय वर्ष की समान अवधि में 55,136.29 करोड़ की प्राप्ति हुई थी। चालू वित्तीय वर्ष के लिए विभाग को 1.75 लाख करोड़ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले 18,700 करोड़ अधिक है। योगी ने निर्देश दिए कि राजस्व संग्रह में परफॉर्मेंस से जवाबदेही तय होगी।

फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस

बैठक में फर्जी फर्मों और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के मामलों की समीक्षा की गई। विभाग ने अब तक 104 फर्मों में 873 .48 करोड़ के फर्जी आईटीसी की पहचान की है। योगी ने इसे गंभीरता से लेते हुए कहा कि फर्जीवाड़े पर जीरो टॉलरेंस होगा। दोषियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। राजस्व संग्रह में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, ईमानदारी सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री ने सभी जोनल अधिकारियों से कहा कि 50 प्रतिशत से कम राजस्व संग्रह वाले खंडों की स्थिति का कारण स्पष्ट करें और सुधार की कार्ययोजना तत्काल तैयार करें। उन्होंने 50 प्रतिशत से अधिक संग्रह वाले बरेली, झांसी और कानपुर प्रथम जोन को संतोषजनक बताया, साथ ही असंतोषजनक प्रदर्शन करने वालों की जवाबदेही तय करने के निर्देश दिए।

ब्रीफ न्यूज

पूर्व सीजेआई पर गलत टिप्पणी, एडमिन पर केस

हैदराबाद। भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) एनवी रमण के नाम पर कुछ टिप्पणियां कथित तौर पर गलत तरीके से पोस्ट करने के आरोप में एक फेसबुक पेज के एडमिन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पूर्व प्रधान न्यायाधीश के निजी सचिव द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर हैदराबाद पुलिस की साइबर अपराध शाखा द्वारा बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता ने कहा कि 30 सितंबर को डाली गई पोस्ट में कथित तौर पर मानहानिकारक सामग्री और भड़काऊ सांप्रदायिक टिप्पणियां थीं। पुलिस ने बताया कि इस संबंध में जांच जारी है।

हवा में था एअर इंडिया का विमान, खुल गया आरएटी, कराई इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई, एजेंसी

- अमृतसर-बर्मिंघम उड़ान में मच गई अफरा-तफरी

अमृतसर से बर्मिंघम जा रही एअर इंडिया की उड़ान संख्या एआई117 की इमरजेंसी लैंडिंग बर्मिंघम हवाई अड्डे पर कराई गई है। उड़ान के दौरान विमान की रैम एअर टर्बाइन (आरएटी) अचानक से खुल गई। जिसके बाद विमान को उतारा गया और जांच के लिए ग्राउंड किया गया। आरएटी दोनों इंजन के काम करना बंद करने या पूर्ण इलेक्ट्रॉनिक या हाइड्रोलिक विफलता की स्थिति में अपने आप सक्रिय हो जाता है। यह आपातकालीन ऊर्जा उत्पन्न करने के लिए हवा की गति का उपयोग करता है।

हालांकि, विमानन कंपनी ने विमान में सवार लोगों की संख्या सहित विशिष्ट विवरण साझा नहीं किए। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि इस वर्ष जून में एअर इंडिया बोइंग 787 विमान दुर्घटना के कई संभावित कारणों में इंजन या हाइड्रोलिक/इलेक्ट्रिकल विफलता या सॉफ्टवेयर की खराबी को भी शामिल किया जा रहा है। बोइंग 787-8 विमान 12 जून को लंदन गैटविक के लिए एआई 171 संख्या वाली उड़ान संचालित कर रहा था। वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएआईबी) इस दुर्घटना की जांच कर रहा है।

डीजीसीए से जांच करने को कहा

मुंबई। पायलटों के संगठन द फेडरेशन ऑफ इंडियन पायलट्स (एफआईपी) ने डीजीसीए से देश में सभी बोइंग 787 विमानों की विद्युत प्रणाली की गहन जांच करने का आग्रह किया। संगठन ने डीजीसीए को एक पत्र लिखा है, जिसमें अमृतसर से बर्मिंघम के लिए संचालित बोइंग 787 विमान का भी जिक्र है।

बिहार चुनाव की 17 नई पहल देश को दिखाएगी राह : ज्ञानेश

पटना, एजेंसी

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार
- बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा जल्द

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है और इससे पहले राज्य में चुनाव संपन्न करा लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि जल्द ही चुनाव की तिथि की घोषणा की जाएगी। कुमार ने यह भी कहा कि आगामी चुनाव में लागू की जाने वाली 17 नई पहलें न केवल बिहार बल्कि पूरे देश के लिए मार्गदर्शक सिद्ध होंगी। यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कुमार ने कहा कि बिहार चुनाव को छठ महापर्व की तरह, लोकतंत्र के महापर्व के रूप में मनाया जाएगा।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि बिहार ने वैशाली से लोकतंत्र को जन्म दिया है और अब बिहार से ही चुनाव सुधार की नई दिशा देश को मिलेगी। उन्होंने बताया कि एसआईआर के तहत अपात्र मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं, जबकि योग्य मतदाता नामांकन की समाप्ति से दस दिन पहले तक फॉर्म-6 या फॉर्म-7 भरकर अपना नाम दर्ज करा सकते हैं। कुमार ने बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया पूरी होने पर संतोष व्यक्त करते हुए दावा किया कि इससे 22 वर्षों के बाद मतदाता सूची का शुद्धिकरण संभव हो सका है। उन्होंने कहा कि एसआईआर करवाना निर्वाचन आयोग का विशेषाधिकार है। नई पहलों में कुछ चुनाव पूर्व लागू होंगी, जबकि कुछ मतदान के दिन प्रभावी रहेंगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुरूप आधार कार्ड को पहचान पत्र के रूप में स्वीकार किया है, लेकिन यह नागरिकता का प्रमाण नहीं है। आयुक्त ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे प्रत्येक केंद्र पर अपने एजेंट की नियुक्ति सुनिश्चित करें और वे फॉर्म 17सी तक मतदान प्रक्रिया के दौरान उपस्थित रहें।

सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत होगी वेबकास्टिंग

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बताया, बूथ से 100 मीटर की दूरी तक प्रत्याशी अपने एजेंट को तैनात कर सकेंगे ताकि मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे। इसके अतिरिक्त बिहार के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत 'वेबकास्टिंग' की जाएगी, जिससे मतदान की पूरी प्रक्रिया पर वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में किए गए सुधारों का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि अब ईवीएम पर उम्मीदवारों की रंगीन तस्वीरें दिखाई देंगी और क्रमांक (सीरियल नंबर) बड़े अक्षरों में होगा, जिससे मतदाताओं को पहचान में आसानी हो। उन्होंने कहा कि यह कदम मतदाता सुविधा और पारदर्शिता दोनों के लिहाज से महत्वपूर्ण है।

बरेली बवाल : फरार उपद्रवियों पर 15-15 हजार का इनाम

बरेली। शहर में हुए बवाल-फायरिंग के प्रकरण में फरार चल रहे सात उपद्रवियों पर एसएसपी अनुराग आर्य ने रविवार की रात 15- 15 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया है। इनाम घोषित सभी आरोपी बवाल के बाद दर्ज किए मुकदमों में नामजद हैं। इसमें से तीन आरोपियों की बारादरी थाने में हिस्ट्रीशीट भी खुली हुई है। एसएसपी ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमों का गठन भी कर दिया है।

शहर में 26 सितंबर को जुमे की नमाज के बाद बवाल हो गया था। इस्लामिया मैदान की तरफ से जा रहे लोगों को पुलिस ने खलील तिराहे के पास रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिस पर पथराव कर दिया था। घटना का मास्टरमाइंड आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां को बनाया गया था। इस मामले में पुलिस की तरफ से 10 मुकदमे दर्ज किए थे। 125 लोगों को नामजद करने के अलावा करीब 3 हजार अज्ञात लोगों को शामिल किया गया है।

भारत निर्मित किफायती टीबी परीक्षण किट को मिली मान्यता

नई दिल्ली। तपेदिक के खिलाफ भारत की लड़ाई को बढ़ावा देते हुए आईसीएमआर ने स्वदेशी रूप से विकसित दो नई परीक्षण किट को मान्यता दी है जो बेहद किफायती और रोग का जल्द पता लगाने का विकल्प प्रदान कर सकती हैं।

तपेदिक (टीबी) का उन्मूलन मुख्य रूप से जल्द से जल्द और सटीक रूप से पता लगाने की क्षमता पर निर्भर करता है ताकि रोगियों का उपचार शुरू किया जा सके और सामुदायिक संचरण को रोका जा सके। आईसीएमआर ने कहा कि टीबी परीक्षण के लिए हाल ही में मान्यता प्राप्त किट में 'क्वांटिप्लस एमटीबी फास्ट डिटेक्शन किट' भी शामिल है, जिसे तेलंगाना स्थित ह्यूवेल लाइफसाइंसेज द्वारा विकसित किया गया है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

वाल्मीकि जयंती के लिए 75 लाख रुपये आवंटित

सरकार ने हर जिले में रामायण पाठ, दीपदान और सांस्कृतिक आयोजन के दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

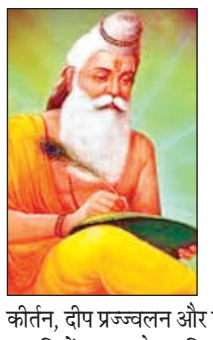

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 7 अक्टूबर को प्रदेशभर में महर्षि वाल्मीकि जयंती श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जाएगी। शासन ने 75 लाख रुपये की धनराशि आवंटित करते हुए सभी जिलाधिकारियों को आदेश दिया है कि यह कार्यक्रम न केवल धार्मिक परंपरा के रूप में, बल्कि सामाजिक समरसता, समानता और सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक उत्सव के रूप में आयोजित किया जाए।

सभी मंदिरों, आश्रमों और वाल्मीकि स्थलों पर रामायण पाठ, भजन-कीर्तन, दीप प्रज्ज्वलन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों और सामाजिक संगठनों की सहभागिता सुनिश्चित करने पर बल दिया है। साथ ही, प्रत्येक जिले में साफ-सफाई, प्रकाश, ध्वनि, सुरक्षा और पेयजल जैसी व्यवस्थाओं के लिए विशेष निर्देश जारी किए गए हैं।

शासन ने सभी जिलों को दिया बजट : महर्षि वाल्मीकि जयंती समारोहों के लिए प्रति जिला एक लाख का बजट जारी किया गया है। कुल 75 लाख की स्वीकृति के साथ शासन ने स्पष्ट किया है कि यह राशि दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, मंच साज-सज्जा और जनसहभागिता संबंधी कार्यों पर व्यय की जाएगी। संस्कृति विभाग को निधि के पारदर्शी उपयोग और ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारियों को आयोजन की फोटो, वीडियो और रिपोर्ट शासन पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

चित्रकूट के लालापुर में होगा राज्य स्तरीय आयोजन

राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम चित्रकूट के लालापुर में आयोजित होगा, जिसे महर्षि वाल्मीकि की तपोस्थली माना जाता है। यहां कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 11 बजे दीप प्रज्ज्वलन से होगी। इसके बाद रामायण पाठ, पूजन-अर्चन, भजन और लव-कुश प्रसंग की झांकी प्रस्तुत की जाएगी। आयोजन में प्रसिद्ध कलाकार दयाराम रैकवाड़ और उनकी टीम सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेगी। अन्य प्रमुख स्थलों बिठूर (कानपुर), श्रावस्ती, अयोध्या, प्रयागराज और राजापुर (चित्रकूट) में भी भव्य आयोजन होंगे। जिला प्रशासन, संस्कृति, सूचना और पर्यटन विभागों को संयुक्त रूप से इन कार्यक्रमों के समन्वय की जिम्मेदारी दी गई है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यपाल को पुस्तक 'विवेकानंद और मोदी-दो युगपुरुष, जिन्होंने भारत की दशा व दिशा बदली' भेंट की।

बंदी भगाने की कोशिश दो सिपाही गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गाजियाबाद के कविनगर थाने में जेल प्रशासन ने दर्ज कराई रिपोर्ट

अमृत विचार : गाजियाबाद के डासना जेल से शनिवार को बंदी को भगाने की कोशिश करने वाले दो सिपाहियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उनके खिलाफ कविनगर थाने में पुलिस लाइन के प्रतिसार निरीक्षक ने रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। आरोपियों की कोशिश जेल अधीक्षक की सतर्कता से नाकाम हो गई।

गाजियाबाद पुलिस लाइन में तैनात सिपाही राहुल कुमार और सचिन की ड्यूटी कैदियों को पेशी के लिए हवालात और कोर्ट में ले जाने की थी। उस दिन छह कैदियों की कोर्ट में पेशी थी। पर, राहुल और सचिन बिजेंद्र को गौतमबुद्धनगर ले जाने की जिद करने लगे। पांच अन्य कैदियों को साथ न ले जाने की बात से साजिश का संदेह हुआ। इस पर जेल अधीक्षक ने पुलिस लाइन में इसकी सूचना दी। जांच में सामने आया कि दोनों सिपाही निजी वाहन से आये हैं। इस पर पुलिस को सूचना दी गई। इसी बीच सिपाही सचिन वहां से भाग निकला। कविनगर थाने की टीम ने राहुल को हिरासत में ले लिया। वहीं कुछ देर बाद सचिन को भी गिरफ्तार किया गया। डासना जेल में बंद मेरठ निवासी बिजेंद्र के खिलाफ ईडी ने जालसाजी की रिपोर्ट दर्ज की है।

न्यूज ब्रीफ

आरएसएस ने मनाया शताब्दी वर्ष किया पथ संचलन

कुंडा, प्रतापगढ़। अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की ओर से कुंडा खंड के मौली मंडल स्थित बाबूगंज तुलसी इंटर कॉलेज में विजयदशमी उत्सव पर शस्त्र पूजन किया गया। उसके बाद बाबूगंज बजार में पथ संचलन किया गया। पथ संचलन तुलसी इंटर कॉलेज से बाबूगंज बाजार होते हुए मझिलगांव तक किया गया। इस मौके पर जिला बौद्धिक प्रमुख मधुकर ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना के शताब्दी वर्ष पूर्ण होने पर मां भारती की सेवा को परम ध्येय मानकर कार्य करना व शाखा विस्तार आदि प्रमुख विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर खंड संचालक भानू, जिला प्रचारक सूरज, जिला सह शारीरिक शिक्षण प्रमुख अनिल, खंड कार्यवाह कुंडा चंद्रभान, सह खंड कार्यवाह मोहित, सौरभ,मंडल प्रमुख ध्यान चंद्र, सागर,पंकज, रोहित,शीतला प्रसाद,राघवेंद्र, अनूप आदि शामिल हुए।

प्रदेशभर की आशा कर्मियों का प्रदर्शन आज

अमृत विचार, लखनऊ : उत्तर प्रदेश आशा वर्कर्स यूनियन जो कि ऑल इंडिया सेंट्रल काउंसिल ऑफ ट्रेड यूनियंस (ऐक्टू) से सम्बद्ध है, के आह्वान पर सोमवार को इको गार्डन में प्रदेशभर की हजारों आशा और संगिनी कार्यकर्ता अपनी लंबित मांगों के समर्थन में धरना देंगी। इस प्रदर्शन में ऐक्टू के राज्य सचिव अनिल वर्मा, भाकपा (माले) के राधे श्याम मौर्या, कॉमरेड रमेश सेंगर, मिड डे मील यूनियन की कमला गौतम, स्कीम वर्कर्स फेडरेशन की अनीता वर्मा, तथा दलित चिंतक देव कुमार कबीर भी शामिल होंगे। आशा कार्यकर्ताओं की प्रमुख मांगों में मानदेय में बढ़ोतरी, स्थायी रोजगार का दर्जा और सामाजिक सुरक्षा शामिल है। यूनियन ने चेतावनी दी है कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

सामाजिक न्याय सम्मेलन करेगी कांग्रेस

अमृत विचार, लखनऊ : कांग्रेस पार्टी उत्तर प्रदेश में सामाजिक न्याय के मुद्दे को और गर्माने की रणनीति बनाई है। पार्टी पिछड़ा वर्ग के समुदायों को एकजुट करने की मंशा के साथ प्रदेशभर सामाजिक न्याय सम्मेलन आयोजित करेगी। अभियान की शुरुआत लखनऊ से होगी। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि सामाजिक न्याय और सभी जातियों को सम्मान व अधिकार दिलाने पर पार्टी का फोकस है। इन सम्मेलनों के जरिए पार्टी न केवल पिछड़े वर्गों को एकजुट करेगी, बल्कि यह भी विश्वास दिलाएगी कि हम संसद में उनकी आवाज उठा रहे हैं।

बारबाडोस सम्मेलन में शामिल होंगे महाना

अमृत विचार, लखनऊ : विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना 5 से 12 अक्टूबर तक ब्रिजटाउन (बारबाडोस) में आयोजित होने वाले 68वें राष्ट्रमंडल संसदीय सम्मेलन (सीपीसी) में उत्तर प्रदेश विधानसभा का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सम्मेलन राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) की 180 शाखाओं की सबसे बड़ी वार्षिक बैठक है, जिसमें विश्वभर के संसद अध्यक्ष और प्रतिनिधि लोकतंत्र, सुशासन एवं वैश्विक सहयोग जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कर रहे हैं। इस प्रतिनिधिमंडल में महाना सहित विभिन्न राज्यों की विधानसभाओं के पीठासीन अधिकारी शामिल हैं। सतीश महाना को बारबाडोस रवाना होने से पूर्व शिकागो में प्रवासी भारतीयों की ओर से सम्मानित किया गया।

प्रदेश में भी कफ सिरप की बिक्री पर लगी रोक

राज्य औषधि प्रशासन ने लिया फैसला, एकत्र किए जाएंगे सैंपल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बच्चों के लिए उपयोग किए जाने वाले कोल्ड्रिफ कफ सिरप पर प्रतिबन्ध के बाद राज्य सरकार ने भी इसे गंभीरता से लिया है। राज्य के खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) ने सभी जिलों में औषधि निरीक्षकों को पत्र जारी कर प्रदेश भर में मिलावटी कफ सिरप की बिक्री पर रोक लगा दी है।

राज्य औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त ने रविवार को जारी आदेश में सहायक आयुक्त (औषधि) दिनेश कुमार तिवारी ने स्पष्ट किया है कि मीडिया और विभिन्न रिपोर्टों के माध्यम से यह सामने आया कि सर्दी-खांसी के इलाज में उपयोग होने वाले कुछ सिरप छोटी उम्र के बच्चों की जान ले रहे हैं। इन सिरपों में मिलावट या गुणवत्ता की कमी की आशंका जताई गई है।

आदेश में स्पष्ट किया गया है कि, श्रेसन फार्मास्युटिकल मैन्यू फैक्चर, बंगलौर द्वारा निर्मित कोल्ड्रिफ सिरप बैच नंबर एसआर-13, मई 2025 में पाए गए डायथायलेन ग्लाइकोल नामक मिश्रण हानिकारक है। दिनेश कुमार तिवारी ने सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया है कि वे मेडिकल स्टोरों, थोक दवा विक्रेताओं एवं निर्माण इकाइयों पर जाकर कफ सिरप के नमूने संकलित करें और प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजें। जब तक सिरप की परीक्षण रिपोर्ट उपलब्ध नहीं होती, तब तक इनकी बिक्री पर रोक लगाने के आदेश दिए गए हैं।

संदिग्ध उत्पादों की होगी पहचान

शासन ने औषधि निरीक्षकों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वे दुकानों पर रखे कफ सिरप के बैच नंबर, निर्माता कंपनी और वितरण नेटवर्क की जानकारी संकलित करें, जिससे संदिग्ध उत्पादों की पहचान की जा सके। इतना ही नहीं, संकलित कफ सिरप के नमूनों का विवरण गूगल शीट पर देखा जाए, साथ ही सुनिश्चित किया जाए कि सैंपल प्रदेश में कई बार न लिया गया हो। सैंपल जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला में परीक्षण के लिए भेजा जाए, उक्त आदेश का कड़ाई से अनुपालन किया जाए।

बच्चों को कफ सिरप देना सुरक्षित नहीं

डॉ.राम मनोहर लोहिया संस्थान में पीडियाट्रिक गैस्ट्रोइंट्रोलाजिस्ट डॉ.पीयूष उपाध्याय ने बताया कि पांच वर्ष तक के बच्चों को कफ सिरप देना सुरक्षित नहीं होता है। इसमें मौजूद डेक्सट्रोमेथोर्फेन बच्चों में सांस की दिक्कत, चक्कर, उल्टी और बेहोशी की संभावना को बढ़ाता है। अवंती बाई महिला चिकित्सालय लखनऊ के वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.सलमान खान का कहना है कि बिना डॉक्टर की सलाह के बच्चों को दवा नहीं देनी चाहिए, जबकि अमूमन देखा गया है कि अस्पताल में आने से पहले बच्चे सिरप का सेवन कर चुके होते हैं। डॉक्टरों को तो सिरप लिखने से बचना ही है, बल्कि अभिवावकों में भी जागरूकता होनी चाहिए।

किडनी फेल होने, मौत की घटनाएं आईं सामने

मध्य प्रदेश की एक लैब रिपोर्ट में कोल्ड्रिफ नामक कफ सिरप में डाइएथिलीन ग्लाइकॉल नामक जहरीले रसायन की मौजूदगी का खुलासा हुआ है, जो इंसानों के लिए बेहद खतरनाक माना जाता है। इस केमिकल के सेवन से मध्य प्रदेश और राजस्थान में अब तक 11 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सतर्क रहने की सलाह दी है। मंत्रालय ने कहा है कि दो साल से छोटे बच्चों को किसी भी प्रकार का कफ सिरप नहीं दिया जाना चाहिए, जबकि पांच साल से कम उम्र के बच्चों को केवल डॉक्टर की सलाह पर ही यह दवा दी जाए।

8 तक कई जिलों में बारिश का अनुमान

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में मौसम का मिजाज बता रहा है कि चंद ही दिनों में पड़ने वाली दिवाली के त्योहार तक मॉनसून जाड़े की दस्तक देकर ही लौटेगा। दरअसल, पश्चिमी विक्षोभ के चलते आने वाले दिनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड समेत कई राज्यों में झमाझम बारिश होगी। इस दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश के इलाकों में भारी बारिश व ओले गिरने की भी आशंका है। उत्तर प्रदेश में अक्टूबर की शुरुआत के साथ ही बारिश का सिलसिला है। मौसम विभाग ने 8 अक्टूबर तक प्रदेश के कई जिलों में बारिश का अनुमान जताया है। पूर्वी यूपी में जहां भारी बारिश का अलर्ट है, वहीं आने वाले दिनों में तेज हवाओं की भी चेतावनी है। पश्चिमी यूपी में भी भारी बारिश की संभावना है और 6 अक्टूबर को ओलावृष्टि हो सकती है।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ, निकाली जागरूकता रैली

संवाददाता, प्रतापगढ़

सीएमओ कार्यालय से निकली जागरूकता रैली।

अमृत विचार : पांच से 31 अक्टूबर तक संचालित किए जाने वाले विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान का शुभारंभ रविवार को सीएमओ कार्यालय से जन-जागरूकता रैली निकालकर किया गया। रैली को अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एएन राय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जन जागरूकता रैली चौक घंटाघर, बाबागंज, पंजाबी मार्केट होते हुए राजा प्रताप बहादुर अस्पताल में समाप्त हुई। रैली से पूर्व संचारी रोगों पर सीधा प्रहार करने के लिए अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कार्यालय सभागार में उपस्थित कार्यालय के अधिकारियों, कर्मचारियों, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी को शपथ दिलाई। डा. एएन राय ने कहा कि इस अभियान के दौरान नगर पालिका व नगर पंचायत तथा पंचायतीराज विभाग द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में नालियों की सफाई, जल निकासी व झाड़ियों की कटाई आदि कार्य किया जाएगा। 11 से 31 अक्टूबर 2025 तक दस्तक अभियान चलेगा, इसमें आशा एवं आंगनबाडी कार्यकर्ता घर-घर दस्तक देकर विभिन्न रोगों के लक्षणयुक्त व्यक्तियों को चिह्नित कर इलाज के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजने की व्यवस्था करेंगी। कुपोषित बच्चों की पहचान कर एनआरसी भेजा जाएगा। इस मौके पर डिप्टी सीएमओ डॉ. संदीप सक्सेना, सहायक प्रतिरक्षण अधिकारी महेश सिंह, चंद्रचूड सिंह, डा. अंजलि, आकाश शुक्ला आदि रहे।

डिप्टी एसपी बने 82 अफसरों को मिली तैनाती

रविवार को शासन ने जारी की सूची, एक माह पूर्व इंस्पेक्टर हुए थे प्रोन्नत

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : इंस्पेक्टर से डिप्टी एसपी बने 82 अधिकारियों को रविवार को शासन ने तैनाती दे दी है। एक माह पूर्व पदोन्नत हुए इन अधिकारियों के कार्यक्षेत्र तय कर दिये गये। जारी सूची के अनुसार, विनोद कुमार दुबे को सहायक सेनानायक 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र, राकेश कुमार शर्मा को पुलिस उपाधीक्षक एसीओ सेक्टर लखनऊ में तैनाती दी गई है।

वहीं, भैया संतोष कुमार सिंह को डिप्टी एसपी कौशांबी, विकास राय को अयोध्या, सुनील कुमार सिंह को सुल्तानपुर, शेषधर पांडेय को प्रयागराज कमिश्नरेट में एसीपी, धर्मेंद्र कुमार यादव को सीतापुर का पुलिस उपाधीक्षक बनाया गया है।

इसी तरह मुकेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक मैनपुरी, जिज्ञासा पाराशर को पुलिस उपाधीक्षक ईओडब्ल्यू मुख्यालय, उमाशंकर यादव को पुलिस उपाधीक्षक सीआईडी गोरखपुर, रामकृष्ण द्विवेदी को मैनपुरी और कुशलपाल सिंह को इटावा, भरत कुमार गौतम को पुलिस उपाधीक्षक गाजीपुर, बृजेश कुमार को पुलिस उपाधीक्षक सीतापुर बनाया गया है।

नवरत्न एसीपी लखनऊ व राजेश दीक्षित सीओ जीआरपी

शासन से जारी सूची के अनुसार नवरत्न गौतम को एसीपी लखनऊ कमिश्नरेट, शैलेन्द्र सिंह को पुलिस उपाधीक्षक ईओडब्ल्यू वाराणसी और वीरेंद्र कुमार सिंह को कुशीनगर, रविन्द्र कुमार सिंह को एएनटीएफ प्रयागराज, सुरेश कुमार मिश्र को एलआईयू गोंडा, दया शंकर द्विवेदी को मंडलाधिकारी बरेली, विवेक वार्ष्णेय को एलआईयू अयोध्या और रमेश चंद्र यादव को सहायक सेनानायक 10वीं वाहिनी पीएसी बाराबंकी बनाया गया है। इसी तरह आनंद कुमार ओझा को एसीपी कानपुर, दिनेश कुमार पांडेय को मुख्यमंत्री सुरक्षा, पवन कुमार बहराइच, हारून राशिद को सहायक सेनानायक यूपी विशेष परिक्षेत्र सुरक्षा वाहिनी लखनऊ बनाया गया है। अजय कुमार सिंह को सहायक सेनानायक 6वीं वाहिनी एसएसएफ अयोध्या, विपिन कुमार पांडेय को पुलिस उपाधीक्षक यातायात निदेशालय, राजेश कुमार सिंह को एसीपी वाराणसी कमिश्नरेट और मीनाक्षी शर्मा प्रथम को सहायक सेनानायक 8वीं वाहिनी पीएसी बरेली बनाया गया है।

इंस्पेक्टर जयचंद भारती 50 हजार का इनामिया घोषित

संवाददाता, प्रतापगढ़। अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र के बिहारगंज बाजार के गोलीकांड के मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मस्सन से अपने आवास पर पैकेट लेने के मामले में भ्रष्टाचार का केस दर्ज होने के बाद फरार तत्कालीन कोतवाल जयचंद भारती अब 50 हजार का इनामी हो गया है। उस पर एसपी कौशाम्बी के 25 हजार इनाम घोषित करने के बाद आईजी ने इसे 50 हजार कर दिया है।

नगर कोतवाली क्षेत्र के बिहारगंज बाजार में 16 जून को चचेरे भाइयों को गोली मारे जाने के बाद तत्कालीन शहर कोतवाल जयचंद भारती दूसरे दिन ही निलंबित कर दिया गया था। बाद में पता चला कि जयचंद ने मुख्य आरोपी हिस्ट्रीशीटर मस्सन से गोलीकांड से एक दिन पहले अपने आवास पर पैकेट लिया था। यही नहीं गोलीकांड से पहले तीन बार उससे फोन पर बात भी की थी। सीसीटीवी फुटेज में आरोप सही मिलने पर आईजी के आदेश पर शहर कोतवाल नीरज यादव ने जयचंद के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज कराया था। हालांकि, केस दर्ज होने से पहले ही जयचंद पुलिस लाइन से फरार हो गया था। मामले की विवेचना कर रहे कौशाम्बी के मंझनपुर सीओ शिवांक सिंह ने मस्सन और उसके भाई को भी भ्रष्टाचार के केस में आरोपी बनाया। निलंबित कोतवाल जयचंद भारती की पिछले दिनों भ्रष्टाचार निरोधक कोर्ट ने अग्रिम जमानत खारिज कर दी तो एसपी कौशाम्बी राजेश कुमार ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित कर दिया था। अब आईजी प्रयागराज अजय कुमार मिश्र ने इनाम की राशि बढ़ाकर 50 हजार कर दी है।

छूटे छात्रों को छात्रवृत्ति का अंतिम मौका

10 से 14 अक्टूबर तक लॉक करना होगा मास्टर डाटा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग ने वर्ष 2024-25 के लिए दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना की ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की समय-सारिणी जारी कर दी है। इस योजना के तहत अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, सामान्य तथा अल्पसंख्यक वर्ग के ऐसे छात्र जिन्हें गत वर्ष छात्रवृत्ति नहीं मिल पाई थी, उन्हें आवेदन का अंतिम अवसर प्रदान किया गया है।

इसके अनुसार, शैक्षणिक संस्थानों द्वारा मास्टर डेटा लॉक करने की प्रक्रिया 10 से 14 अक्टूबर तक पूरी की जाएगी। इसके बाद विश्वविद्यालय, एफिलेटिंग एजेंसी द्वारा मास्टर डाटा का सत्यापन किया जाएगा। 26 अक्टूबर तक जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा सीटों और शुल्क का सत्यापन करते हुए लॉक किया जाएगा।

27-31 अक्टूबर तक होंगे ऑनलाइन आवेदन

वर्ष 2025-26 के लिए ऑनलाइन आवेदन और रजिस्ट्रेशन की अवधि 27 से 31 अक्टूबर तक निर्धारित है। छात्रों को आवेदन पत्र का प्रिंट निकालकर संस्थान में 1 नवम्बर तक जमा करना होगा। संस्थान द्वारा ऑनलाइन सत्यापन 2 नवम्बर तक और विश्वविद्यालयों, एफिलेटिंग एजेंसी द्वारा डाटा सत्यापन 3 से 6 नवम्बर तक किया जाएगा।

त्रुटि सुधार का भी मिलेगा अवसर

छात्रों को आवेदन में त्रुटि सुधार के लिए 8 से 11 नवम्बर तक अवसर दिया जाएगा। संशोधित आवेदन को 12 नवम्बर तक संस्थान द्वारा अग्रसारित किया जाएगा। 25 नवम्बर तक जिले स्तर पर डाटा सत्यापन एवं विभागीय अधिकारियों द्वारा डिजिटल सिग्नेचर लॉकिंग की जाएगी।

उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 4जी सेवा देगा बीएसएनएल

अमित कुमार पाण्डेय, लखनऊ

अमृत विचार : उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में अब केवल सेना के जवान ही नहीं, बल्कि बीएसएनएल भी उग्रवाद के खात्मे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रहा है। देश की इस प्रमुख सरकारी दूरसंचार कंपनी ने वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में 2जी मोबाइल सेवा को 4जी में अपग्रेड करने की दिशा में तेजी से काम शुरू कर दिया है। इस परियोजना का उद्देश्य न केवल बेहतर संचार सुविधा देना है, बल्कि सुरक्षा बलों को भी स्थानीय स्तर पर सूचना जुटाने में सहयोग प्रदान करना है।

इस परियोजना के तहत कुल 78 साइटों को 4जी नेटवर्क में अपग्रेड किया जा रहा है। इनमें से 25 साइटों पर काम पूरा हो चुका है, जबकि शेष 53 साइटों पर कार्य प्रगति पर है। इन सभी साइटों पर स्वदेशी तकनीक से बने उपकरणों का इस्तेमाल किया जा रहा है जिससे 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को भी मजबूती मिल रही है।

सेना को मिलेगा संचार में लाभ : उग्रवाद प्रभावित इलाकों में जब संचार व्यवस्था मजबूत होगी, तो वहां तैनात सुरक्षाबलों को स्थानीय स्तर पर सूचनाएं जुटाने में मदद मिलेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में आम लोगों से प्राप्त जानकारी को संकलित करने और आवश्यकतानुसार त्वरित कार्रवाई करने में भी यह नेटवर्क बेहद सहायक सिद्ध होगा।

सूचना

मैं **नितिन राज श्रीवास्तव पुत्र श्री प्रमोद कुमार श्रीवास्तव निवासी**– 538 ख /2 /65, **रूपपुर खदरा लखनऊ** सूचित हो कि कुछ दस्तावेजों में मेरा नाम नितिन राज अंकित हैं एवं कुछ दस्तावेजों में नाम नितिन राज श्रीवास्तव अंकित है। जबकि नितिन राज एवं नितिन राज श्रीवास्तव एक ही व्यक्ति के नाम हैं। अतः भविष्य में मुझे नितिन राज श्रीवास्तव के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

चुनावी रण | सपा, कांग्रेस, बसपा के नेताओं को सौंपा गया प्रचार का जिम्मा

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर यूपी में भी सरगर्मी तेज

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भाजपा से मंत्रियों तो कांग्रेस से अजय राय और अविनाश को मिली जिम्मेदारी

अमृत विचार : उत्तर प्रदेश के राजनीतिक हलकों में बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हैं। सभी राजनीतिक पार्टियों के नेता बिहार दौरा कर अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर रहे हैं। चाहे सत्तासीन भाजपा हो, उसका सहयोगी दल सुभासपा या फिर सपा, कांग्रेस और बसपा जैसे विपक्षी दल, सभी ने फिलहाल बिहार पर फोकस कर रखा है।

इसी कड़ी में बसपा तो बिहार में उम्मीदवारों की सूची जारी करने वाली पहली पार्टी बनी। दरअसल, बीते चुनाव में खासकर उत्तर प्रदेश से सटे हुए इलाके में पार्टी का अच्छा प्रदर्शन रहा था, इसलिए उन विधानसभा सीटों पर उम्मीदवार की घोषणा पहले ही कर दी गई। बसपा को विधानसभा चुनाव 2020 में एक सीट पर जीत मिली भी थी। बीते दिनों कैबिनेट मंत्री और एनडीए सहयोगी ओम प्रकाश राजभर ने भी बिहार की सियासत में दिलचस्पी दिखाते हुए घोषणा की थी कि सुभासपा चुनाव में एनडीए के साथ मिलकर मैदान में उतरेगी। इस बीच कांग्रेस ने अपने नेताओं को उप्र. से पहले बिहार की चुनावी परीक्षा में उतार दिया है। पार्टी ने बिहार विधान सभा चुनावों में यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय समेत कई को जिम्मेदारी सौंपी है।

इधर, उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव लगातार बैठकों और चर्चाओं के जरिए बिहार चुनाव के मद्देनजर संगठन से फीडबैक ले रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, सपा पहले बिहार चुनाव में होमवर्क करेगी और वहां विधानसभा चुनाव के समाप्त होते ही पार्टी कई सीटों पर उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर सकती है।

सत्तासीन भाजपा के दिग्गज भी सक्रिय

उत्तर प्रदेश भाजपा ने बिहार विधान सभा चुनाव में उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश चुनाव सह प्रभारी बनाने के साथ ही राज्य के बड़े नेताओं की फौज भी चुनाव मैदान में उतार दी है। ऐसे में यूपी के दिग्गज भाजपाई अब बिहार की जनता को साधेंगे। इनमें संगठन के साथ ही योगी सरकार के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, खाद्य एवं रसद राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, गन्ना विकास राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार और पार्टी के सांसद व विधायक भी शामिल हैं। सभी को एक या दो लोक सभा क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन लोक सभा क्षेत्रों के अंतर्गत आने वाले विधान सभा क्षेत्रों में ये प्रचार करेंगे।

आवश्यकता है

बी0ए0 एवं बी0एससी0 में अध्यापन हेतु योग्य प्राध्यापकों की–
कला वर्ग– हिन्दी, अंग्रेजी, गृह विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, समाजशास्त्र एवं भूगोल। **विज्ञान वर्ग–** भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणि विज्ञान एवं गणित।
योग्यता– सम्बन्धित विषय में पी0एचडी0 अथवा नेट (NET)
वेतनमान– डॉ0 रा0म0लो0 अवध विश्वविद्यालय– अयोध्या के मानकानुसार।
इच्छुक अभ्यर्थी विज्ञापन के 15 दिनों के अन्दर अपने समस्त शैक्षिक प्रमाणपत्रों एवं 2 पासपोर्ट साइज फोटो सहित आवेदन स्वयं उपस्थित होकर अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा महाविद्यालय के कार्यालय में भेज सकते हैं।
प्रबन्धक– पं0 रामराज मिश्र
महाविद्यालय, शुकुल बाजार–अमेठी
मो0नं0: 9415963689, 8429926957

अंगने लाल महिला महाविद्यालय शाहपुर-अटिया, कोथावां, हरदोई

आवश्यकता है

प्राचार्य हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत, समाज शास्त्र गृह विज्ञान शिक्षा शास्त्र, इतिहास प्रत्येक पद हेतु 1 की आवश्यकता है।
योग्यता एवं वेतन नियमानुसार
नोट –बायोडाटा ANOOPAWARSTHI @ GMAIL.COM पर या 6391711333 पर Watsup करें।
प्रबंधक

खलसापुर में जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष, 15 घायल

सिरौलीगौसपुर, बाराबंकी

अमृत विचार : बदोसरांय थाना क्षेत्र के खलसापुर गांव में रविवार को एक पारिवारिक जमीनी विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। दोनों पक्षों में जमकर लाठी-डंडे चले, जिससे करीब 15 लोग घायल हो गए, इनमें महिलाएं, बच्चे और पुरुष शामिल हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बदोसरांय कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत रविवार सुबह हुई।

बताया जाता है कि ग्राम खलसापुर निवासी अखिलेश सोनी अपने घर की एक पुश्तैनी दीवार तोड़ रहे थे। इस पर पड़ोसी परिवार के लोगों ने आपत्ति जताई। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई और देखते ही देखते मारपीट शुरू हो गई। संघर्ष में एक युवक के पैर में फ्रैक्चर हो गया, जबकि कई लोगों के सिर व शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। घायलों में चार वर्षीय बच्ची काजल भी शामिल है। अन्य घायलों में सूरज (35), राजकुमार (50), संतोष (28), राजेश (44), गीता (50), दिव्यांशी (22), नेहा (32), अनूप (28), अखिलेश (35), रवि (18), गोलू, विमला, किरण, मंजू हैं। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में भर्ती कराया। कोतवाली प्रभारी अजीत कुमार विद्यार्थी ने बताया कि घायलों का इलाज चल रहा है। अभी किसी भी पक्ष की ओर से तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती संघर्ष में घायल लोग। अमृत विचार

कहासुनी के बाद चालक व परिचालक को पीटा

सुबेहा, बाराबंकी : थाना सुबेहा क्षेत्र में शनिवार दोपहर ओवरटेक को लेकर हुई मामूली कहासुनी मारपीट में बदल गई। कमेला पेट्रोल पंप के पास कुछ दबंगों ने बस चालक और परिचालक को बीच सड़क पर पीट दिया। इस घटना का वीडियो किसी राहगीर ने बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद इलाके में चर्चा तेज हो गई है। जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब दो से तीन बजे के बीच बस चालक ने सड़क पर खड़े ट्रक चालक से वाहन साइड करने को कहा, ताकि बस आगे निकल सके। इसी बात पर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई जो मारपीट में बदल गई। आरोप है कि कुछ लोगों ने बस चालक और परिचालक को सरेआम बीच सड़क पर पीट दिया। घटना के दौरान कुछ देर के लिए यातायात भी बाधित हुआ और उसी मार्ग से गुजर रहे स्कूली बच्चे व आम राहगीर दहशत में आ गए।

मामूली विवाद में पिटाई से युवक घायल: रामनगर: घाघरा घाट पुल पर हुए विवाद को लेकर की गई पिटाई से एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने चार लोगों पर मारपीट की रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम रजनापुर मजरे गोबरहा निवासी सीताकान्त ने तहरीर में बताया कि उसका पुत्र आशीष 2 अक्तूबर को घाघरा घाट पुल पर गया था। उसी दौरान गांव के आकाश और मसाले के बीच विवाद हो रहा था। गांव के ही विनोद, दिनेश, रूपेश और सोनू पुत्रगण शिवचन्द्र ने आशीष को अकारण गालियां दीं और मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने उसे पटक दिया जिससे उसकी नाक में अंदरूनी चोट आई और वह बेहोश हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और घायल को एलएसडी अस्पताल रामनगर में भर्ती कराया। अगले दिन आरोपियों ने पीड़ित के घर पहुंचकर जान से मारने की धमकी दी।

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

रामसनेहीघाट, बाराबंकी: सिद्धौर कोटवा मार्ग पर सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। मृतका अपनी बेटी की ससुराल बीमार सासा को देखने जा रही थी। क्षेत्र के लोनिया का पुरवा निवासी सोमवारा (48) पत्नी दुर्गा प्रसाद रावत कोटवाधाम के सरैय्या स्थित बेटी की ससुराल जा रही थीं। उनकी बेटी की अजिया सास बीमार थीं। देर रात लगभग 11 बजे निकलने से पहले सोमवारा ने अपने पति राधेश्याम से चलने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। धर्मेंद्र अपनी बाइक से सोमवाराको लेकर कोटवाधाम रवाना हुए। मंसूर पुरवा के पास धर्मेंद्र की आंख में कुछ चला गया जिससे बाइक का संतुलन बिगड़ गया और लोग सड़क गिर गए।

न्यूज ब्रीफ

घर के बाहर खड़ा ई-रिक्शा चोरी

बाराबंकी, अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र में छाया राजकमल मार्ग पर स्थित लॉज के सामने से एक महिला का बैटरी रिक्शा चोरी हो गया। मंजू जायसवाल पत्नी अनिल जायसवाल निवासी सत्य प्रेमी नगर ने बताया कि उनका ई-रिक्शा 2 अक्टूबर को सुबह अज्ञात चोरों द्वारा चोरी कर लिया गया। पीड़िता ने थाना प्रभारी निरीक्षक आदर्श कोतवाली को तहरीर देकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। बताया कि यह रिक्शा उनके परिवार की रोजी-रोटी का मुख्य साधन था। पुलिस ने मामले की जांच-पड़ताल प्रारंभ कर दी है।

75 किलो पोस्ता का छिलका व कार बरामद

जैदपुर, बाराबंकी : थाना जैदपुर पुलिस टीम ने 2 मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 75 किलो 300 ग्राम अवैध पोस्ता छिलका, बुरादा व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया है। थाना पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त आलोक कुमार पुत्र जगजीवन प्रसाद निवासी ग्राम पीरपुर, नितेश कुमार पुत्र हरिकेश कुमार निवासी ग्राम पीरपुर थाना कोठी को जैदपुर धर्म कांटा के सामने से गिरफ्तार किया गया। इनके कब्जे से 75 किलो 300 ग्राम अवैध पोस्ता छिलका व बुरादा व घटना में प्रयुक्त वाहन बरामद किया गया।

दंपति फिर एक साथ रहने को हुए राजी

बाराबंकी, अमृत विचार : महिला थाना प्रभारी, महिला परामर्श केन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप एक दम्पति को एक साथ रहने के लिए राजी किया गया। पति-पत्नी के परिवारिक विवाद सम्बन्धी मामले में दोनों पक्षों के लोग उपस्थित हुये। महिला परामर्श केन्द्र द्वारा काउंसलिंग करने के परिणामस्वरूप दोनों पक्षों की समस्याओं को सुनते हुए एक प्रकरण में दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से सुलह समझौता कराया गया।

अधेड़ को घसीटते ले गई भैंस, हालत गंभीर

बनीकोडर, बाराबंकी : असंद्रा क्षेत्र में रविवार सुबह अजब नजारा देख लोग भौचक रह गए। भैंस की गर्दन में बंधी रस्सी में पैर फंस जाने से अधेड़ घिसटता चला गया। गंभीर रूप से घायल अधेड़ को सीएचसी में भर्ती कराया गया है। थाना क्षेत्र के ग्राम भवनियापुर निवासी रामबरन कुछ दिन पहले एक भैंस खरीदकर लाए थे। रविवार को वह गांव के बाहर नई भैंस को चराने चला गया। इसी दौरान भैंस की रस्सी उसके पैर में लिपटकर फंस गई और भैंस उसे घसीटते हुए जंगल की ओर भागी। चीख पुकार सुनकर पास में मौजूद अन्य चरवाहों ने किसी तरह से भागती भैंस को रोका और ग्राम प्रधान को इसकी सूचना दी।

तालाब में डूबकर अधेड़ महिला की मौत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी : शनिवार शाम एक महिला की तालाब में डूबने से मौत हो गई। थाना लोनीकटरा के गौरियापुरवा की शिव प्यारी (55) पत्नी हरिश्चंद्र शनिवार शाम करीब छह बजे घर से शौच जाने के लिए निकली थी। काफी देर तक वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने ग्रामीणों के संग खोजबीन शुरू कर दी। खोजबीन के दौरान रात करीब आठ बजे गांव के बाहर स्थित तालाब में महिला पानी में पड़ी मिली। परिजन उसे इलाज के लिए डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अस्पताल लखनऊ ले गए। जहां उसे मृत घोषित किया गया।

स्कॉलरशिप परीक्षा में बच्चों ने लिया भाग

हैदरगढ़, बाराबंकी : कस्बा स्थित बालाजी कोचिंग इंस्टीट्यूट में रविवार को स्कॉलरशिप परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कक्षा पांच से दस तक के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। लखनऊ स्थित नारायणा कोचिंग सेंटर द्वारा आयोजित इस परीक्षा का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभावान छात्रों को शिक्षा में मदद देना है। चयनित छात्रों को कक्षा 12 तक स्कॉलरशिप दी जाएगी। परीक्षा को सफल बनाने में नीरज तिवारी, विकास साहू, जितेंद्र सिंह, अक्षय सिंह, राज अवस्थी व प्रशांत बाजपेई सहित शिक्षकों की भूमिका सराहनीय रही।

पांच लाख के जेवर व नकदी लेकर चंपत

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी : ककरी गांव में छत के रास्ते घर में घुसे चोर पांच लाख के जेवर व नकदी ले गए। गांव निवासी धर्मराज वर्मा के घर शनिवार रात छत के रास्ते घुसे अज्ञात चोरों ने कमरे के अंदर रखी अलमारी व बक्से का ताला तोड़कर उसमें रखी पन्द्रह सौ की नकदी सहित सोने का एक हार, मांगबेंदी व चांदी के करीब एक किलो के जेवरात पर हाथ साफ कर दिया।

ऑनलाइन खरीदारी का करें बहिष्कार

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा ने रविवार को बाराबंकी पहुंचकर व्यापारियों के बीच भ्रमण किया और स्थानीय व्यापार को सशक्त करने का संदेश दिया। उन्होंने व्यापारियों से ऑनलाइन खरीदारी का बहिष्कार कर स्थानीय दुकानों से सामान खरीदने की अपील की। इस अवसर पर उनके साथ व्यापारी कल्याण बोर्ड के नवमनोनीत केंद्रीय सदस्य सुनील पांडे तथा व्यापार मंडल की प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री संत शर्मा भी मौजूद रहे। बाराबंकी पहुंचने पर जिला महामंत्री प्रभात कुमार वर्मा, नगर अध्यक्ष राजेश गुप्ता और नगर महामंत्री सौरभ गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारियों ने जोरदार नारेबाजी करते हुए माल्यार्पण कर भव्य स्वागत किया। प्रांतीय अध्यक्ष मिश्रा ने शहर के विभिन्न बाजारों में व्यापारियों से मुलाकात की और कहा कि ऑनलाइन खरीदारी से स्थानीय व्यापारी हतोत्साहित होते हैं। इससे देश का पैसा विदेशी कंपनियों के पास चला जाता है, जो भारतीय व्यापार व अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। बैठक में प्रभात कुमार वर्मा, राजेश गुप्ता, सौरभ गुप्ता, संदीप गुप्ता पिंकी, अभिषेक शरण गुप्त, श्यामू गुप्ता, और सुरेंद्र कुमार वर्मा बबलू मौजूद रहे।

प्रांतीय अध्यक्ष का स्वागत करते स्थानीय पदाधिकारी। अमृत विचार

राज्य तीरंदाजी चैंपियनशिप में चमका बाराबंकी

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: बालाजी किंगडम ऑफ स्पोर्ट्स बाराबंकी में रविवार को आयोजित 8वीं उत्तर प्रदेश राज्य इंडोर फील्ड तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 का भव्य समापन हुआ। प्रतियोगिता में राज्यभर से आए तीरंदाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी सटीक निशानेबाजी का लोहा मनवाया। मुख्य अतिथि एमएलसी अंगद सिंह ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं में खेल भावना बढ़ती है। यूपी में तीरंदाजी का भविष्य उज्ज्वल है और बाराबंकी जैसी भूमि पर ऐसी प्रतिभाओं का उभरना गर्व की बात है। इस अवसर पर इंडोर फील्ड तीरंदाजी एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राम बाबू द्विवेदी, बाराबंकी एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष सिंह तथा समाजसेवी अंकुर माथुर भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन महासचिव निधि जैन ने किया और उन्होंने प्रतियोगिता को सफल बनाने में सभी अधिकारियों, खिलाड़ियों और स्वयंसेवकों का आभार जताया। प्रतियोगिता में बाराबंकी के खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा। अंश ने यू-19 बैंबू बो फाइव स्पॉट वर्ग में, अभिमन्यु पटेल ने यू-19 बॉयज़ सिंगल स्पॉट वर्ग में, विवेक कश्यप ने रिकर्व बो वर्ग में, और वजीहुद्दीन अंसारी ने सीनियर मेन्स वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर जनपद का नाम रोशन किया। इसके अलावा कुणाल, शाक्या मिश्रा, हार्दिक, इश कुमार, और श्रीहन सरोज ने भी विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लखनऊ, प्रयागराज और कानपुर के तीरंदाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। लखनऊ की पवनी कनौडिया, अनन्या वर्मा, रितु भारती, प्रियांशी गोयल, आदिया सिंह, और अक्षिता मिश्रा ने अपने-अपने वर्गों में स्वर्ण पदक जीतकर राजधानी का मान बढ़ाया। वहीं प्रयागराज की वैष्णवी और कानपुर के हार्दिक तिवारी ने भी गोल्ड पर निशाना साधा। समारोह के अंत में सभी विजेताओं को पदक और प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। आयोजन में दिव्यांश जैन, सुशांत कुमार यादव, और गौरव अवस्थी सहित कई खेल प्रेमी मौजूद रहे।

विजेता खिलाड़ियों के साथ मुख्य अतिथि। अमृत विचार

चेकिंग करते यातायात प्रभारी रामयतन यादव। अमृत विचार

अभियान चलाकर काटे गए दर्जनों चालान

देवा, बाराबंकी : यातायात व्यवस्था को दुरुस्त रखने के उद्देश्य से देवा क्षेत्र में रविवार को वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। नेतृत्व यातायात प्रभारी रामयतन ने किया। टीम ने देवा मेला रोड, फतेहपुर तिराहा और अन्य मुख्य चौराहों पर वाहन चालकों की जांच की। बिना हेलमेट, बिना सीट बेल्ट, मोडिफाइड साइलेंसर वाली बाइक्स और काली फिल्म लगे शीशों व हूटरों वाली कारों पर कार्रवाई की गई। दर्जनों चालान काटे गए। यातायात प्रभारी ने बताया यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करना प्राथमिकता है। बताया कि ऐसे अभियान लगातार चलाए जाएंगे और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि यातायात नियमों का पालन करें और हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग करें।

लेखपाल से की हाथापाई फाड़ डाले अभिलेख

बाराबंकी, अमृत विचार : अवैध कब्जे की जांच करने पहुंचे लेखपाल के साथ स्थानीय लोगों ने हाथापाई की वहीं पैमाइश के उपकरण फेंकने के साथ ही अभिलेख फाड़ डाले। लेखपाल की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। जानकारी के अनुसार तहसील नवाबगंज क्षेत्र अंतर्गत ओबरी क्षेत्र में तैनात लेखपाल भानु प्रताप वर्मा शुक्रवार दोपहर उपजिलाधिकारी नवाबगंज के निर्देश पर ग्राम डिहुवा मजरे दारापुर स्थित गाटा संख्या 413 पर अवैध कब्जे की जांच के लिए मौके पर पहुंचे थे। इस दौरान गांव के निवासी हरगोविंद पुत्र कमलेश तथा प्रियांशु यादव पुत्र अज्ञात अपने लगभग 10 अज्ञात साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और लेखपाल के साथ अभद्रता करते हुए शर्ट का कॉलर पकड़कर हाथापाई की। विरोध करने पर लेखपाल को जान से मारने की धमकी दी गई। हमले से भयभीत लेखपाल ने घटना की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी। इस मामले में शासकीय कार्य में बाधा, अभिलेख नष्ट करने एवं जान से मारने की धमकी की धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है।

तौहीद 15वीं बार बने राष्ट्रीय कुश्ती टीम के चयनकर्ता

बाराबंकी, अमृत विचार: शहर के अजीमुद्दीन अशरफ इस्लामिया इंटर कॉलेज के खेल शिक्षक तौहीद खान को लगातार पंद्रहवीं बार राष्ट्रीय कुश्ती टीम चयनकर्ता नियुक्त किया गया है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा विभाग में तौहीद खान 2010 से लगातार राष्ट्रीय कुश्ती चयनकर्ता के पद पर कार्यरत हैं और कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं। तौहीद खान द्वारा प्रशिक्षित कई खिलाड़ी प्रदेश और देश स्तर पर कुश्ती में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। उन्होंने खेलो इंडिया गेम्स सहित कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया। पिछले वर्ष उनकी प्रशिक्षित छात्रा संजू कुमारी ने छत्तीसगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय कुराश प्रतियोगिता में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जिसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा 30 हजार रुपए का पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

बैठक को संबोधित करते सांसद तनुज पुनिया। अमृत विचार

बैठक में संगठन सृजन अभियान की हुई समीक्षा

बाराबंकी, अमृत विचार : जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित मासिक बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मो. मोहसिन की अध्यक्षता में संगठन सृजन अभियान की समीक्षा हुई। मुख्य अतिथि सांसद तनुज पुनिया ने कहा जिले में संगठन सृजन अभियान का विस्तार हुआ है। इसके लिए जिलाध्यक्ष मो. मोहसिन को बधाई दी। कहा वोट चोरी रोकने के लिए ब्लॉक और मंडल स्तर पर चलाए जा रहे हस्ताक्षर अभियान सराहनीय हैं और इस अभियान के अंतर्गत आगामी जिला पंचायत और प्रधानी चुनावों के लिए संगठन पूरी तरह तैयार है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि सांसद द्वारा किए गए कार्यों और संगठन की नीतियों का प्रचार करना संगठन का दायित्व है। बैठक में प्रवक्ता केसी श्रीवास्तव, इरफान कुरैशी व संजीव मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

दो युवतियां लापता, हड़कंप

टिकैतनगर/सुबेहा, बाराबंकी: अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो युवतियों के रहस्यमय परिस्थितियों में लापता होने से हड़कंप मच गया है। दोनों ही मामलों में परिजनों ने पुलिस को तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई है। पहला मामला थाना टिकैतनगर क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के रहने वाले एक व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उसकी बीस वर्षीय पुत्री बीए प्रथम वर्ष की छात्रा है। शनिवार की दोपहर वह साइकिल से घर से निकली थी। देर शाम तक वापस न लौटने पर परिजनों ने खोजबीन की। तलाश के दौरान परिजनों को बड़ी नहर के पास उसकी साइकिल खड़ी मिली, जबकि उसका मोबाइल फोन बंद मिला। पिता ने थाना टिकैतनगर में तहरीर देकर गुमशुदगी दर्ज कराई। दूसरा मामला थाना सुबेहा क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के रहने वाले व्यक्ति ने पुलिस को बताया कि उनकी 23 वर्षीय पुत्री शुक्रवार की दोपहर मूर्ति विसर्जन में सम्मिलित होने के लिए घर से निकली थी, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने आसपास के इलाकों में तलाश की, पर कोई पता नहीं चला। उसका मोबाइल फोन भी स्विच ऑफ मिला। पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है।

रसोइयों को प्रमाण-पत्र देतीं मुख्य अतिथि। अमृत विचार

सुशीला देवी बनीं जिले की सर्वश्रेष्ठ रसोइया

बाराबंकी, अमृत विचार : मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से रविवार को जिला स्तरीय रसोइया पाक कला स्पर्धा आयोजित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि जिपं अध्यक्ष राजरानी रावत, समाजसेवी राजकरन सिंह एवं बीएसए संतोष कुमार देव पांडेय ने की। जिले के सभी विकासखंडों से कुल 30 रसोइयों ने पंजीकरण कराया जिनमें 28 रसोइयां उपस्थित रहीं। मध्यान्ह भोजन मेन्यू के अनुसार लॉटरी प्रणाली से व्यंजन तहरी का चयन किया गया। सभी प्रतिभागियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराई गई और उन्होंने अपने-अपने स्टॉल पर भोजन पकाना शुरू किया। अंकों के आधार पर सुशीला देवी प्रथम, रामावती द्वितीय और संगीता मौर्या तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को क्रमशः 3500, 2500 और 1500 रुपए नकद पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. पीयूष कुमार एवं सत्येंद्र कुमार वर्मा ने किया। इस अवसर पर विनीता मिश्रा, पुनीत मणि त्रिपाठी, रीतू पाठक, पंकज कुमार वर्मा, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, प्रदीप मिश्रा, अजिता श्रीवास्तव, अभिषेक सिंह, विवेक वर्मा, दिवाकर अवस्थी आदि रहे।

बाराबंकी डायरी

जांच अधूरी, प्रोफेसर का सम्मान

रामनगर, बाराबंकी : रामनगर पीजी कॉलेज के हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर अखिलेश वर्मा पर लगे आरोपों की जाँच अब तक पूरी नहीं हो सकी है, इसके बावजूद कुछ शिक्षकों द्वारा उनका स्वागत-सम्मान किए जाने से कॉलेज प्रशासन पर सवाल खड़े हो गए हैं। ज्ञात हो कि अपहरण मामले में कोर्ट द्वारा पहले भगोड़ा घोषित किए गए प्रो. अखिलेश वर्मा को हाल ही में राहत मिली है। हालांकि, प्रमोशन के दौरान तथ्यों को छिपाए जाने से संबंधित मामले में जिलाधिकारी शशांक कुमार त्रिपाठी द्वारा गठित तीन सदस्यीय टीम की जाँच अब भी लंबित है। एक माह से अधिक बीत जाने के बावजूद टीम कोई निर्णय नहीं ले पाई है।

मधुमक्खीवाला निमित सिंह का सम्मान

हैदरगढ़, बाराबंकी : आचार्य नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि कुमारगंज, अयोध्या में आयोजित 27वें दीक्षांत समारोह में नवाचारी कृषक निमित सिंह मधुमक्खीवाला को मधुमक्खी पालन के क्षेत्र में तकनीकी नवाचार, अपनत्व और ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विशेष सम्मान से नवाजा गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने निमित सिंह को यह सम्मान प्रदान किया। इस अवसर पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बलदेव सिंह औलख और अंतरराष्ट्रीय अतिथि के रूप में इंटरनेशनल पोटैटो सेंटर, लीमा (पेरू) के निदेशक डॉ. साइमन हे भी उपस्थित रहे। निमित सिंह को यह उपलब्धि कृषि विज्ञान केंद्र हैदरगढ़ के वैज्ञानिक सहयोग और मार्गदर्शन से मिली।

ई-रिक्शा चोर गिरोह का हुआ भंडाफोड़, 8 आरोपी गिरफ्तार

बाराबंकी, अमृत विचार : स्वाट, सर्विलांस टीम और थाना कोतवाली नगर की संयुक्त पुलिस टीम ने 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। इनके जरिए पुलिस ने ई रिक्शा चोरी की चोर घटनाओं के खुलासे का दावा किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में इमरान उर्फ भुट्टा, हसीब उर्फ राकी, नीरज, सहिल, शुभम सिंह, निहाल, सोहेल और आर्यन सोनी शामिल हैं। इनके कब्जे से 18 ई-रिक्शा बैट्री, एक ई-रिक्शा, एक ई-रिक्शा की चेसिस और घटना में प्रयुक्त 2 ई-रिक्शा बरामद किए गए। अभियुक्तों के खिलाफ थाना कोतवाली नगर पर केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह गिरोह ई-रिक्शा की रेकी कर मास्टर चाभी लगाकर वाहन की बैट्री चोरी करता था।

प्रभु के राज्याभिषेक और भरत मिलाप लीला ने बांधा समा

हैदरगढ़, बाराबंकी : नगर में चल रही रामलीला के अंतिम दिन श्रीराम के राज्याभिषेक व भरत मिलाप की लीला का मंचन किया गया। जैसे ही पुष्पक विमान से लंका विजयी श्रीराम अपनी वानरी सेना के साथ अयोध्या पहुंचे, पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। गुरु वशिष्ठ से आज्ञा प्राप्त कर प्रभु श्रीराम ने जटाएं खोलीं और स्नान कर राजदरबार पहुंचे। पहले से सुसज्जित दरबार में फूलों से सजे सिंहासन पर माता सीता और भ्राता लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न संग विराजमान प्रभु श्रीराम की अलौकिक छटा देख दर्शक भावविभोर हो उठे। लीला के दौरान गूंज उठी चौपाई प्रथम तिलक बसिष्ठ मुनि कीन्हा, पुनि सब बिप्रन्ह आयसु दीन्हा। राजतिलक के इस दृश्य ने सभी भक्तों के नेत्र नम कर दिए। माताओं द्वारा आरती उतारने और जयकारों की गूंज ने पूरा वातावरण भक्तिमय बना दिया।

सम्मेलन में बोलतीं प्रदेश महामंत्री प्रियंका। अमृत विचार

आत्मनिर्भर भारत की दिशा में बड़ा कदम नेक्स्ट जेन जीएसटी: प्रियंका

हैदरगढ़, बाराबंकी : नेक्स्ट जेन जीएसटी बचत उत्सव के तहत रविवार को हैदरगढ़ विकास खंड सभागार में व्यापारी-उद्यमी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष मोहित मिश्र ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश महामंत्री प्रियंका रावत और विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय विधायक दिनेश रावत उपस्थित रहे। वक्ताओं ने कहा कि नेक्स्ट जेन जीएसटी रिफॉर्म से व्यापारियों को बड़ी राहत मिली है और यह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक सशक्त कदम है। सम्मेलन में उपस्थित व्यापारियों ने स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुशील जायसवाल, आलोक तिवारी, प्र. रामदेव सिंह, अरुण शुक्ला, राजकुमार सिंह पलौली, रामसागर मौर्य, संतोष श्रीवास्तव, राजकुमार अग्रवाल, शिवकुमार चतुर्वेदी, जनार्दन शुक्ला, राजकुमार सोनी रानू, रन बहादुर सिंह राणा व नवनीत मिश्रा नीलू सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, उद्यमी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शताब्दी वर्ष पर पथ संचलन की धूम

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: आरएसएस की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रविवार को ढकौली, देवा, भगौली, निंदुरा के धौरहरा, छेदा, रामनगर और सफदरगंज में पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों ने पथ संचलन किया। स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की गई। घोष दल की धुन के साथ संगठन बढ़े चलो सुपथ पर बढ़े चलो, भला हो जिसमें देश का, वह काम सब किए चलो जैसे संगठन गीत गाते स्वयंसेवक भारत माता के जयघोष करते हुए आगे बढ़ रहे थे। देवा के दुर्गाधाम मंदिर एवं निंदुरा मंडल के धौरहरा गांव के शिव मंदिर में एकत्रित स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए जिला प्रचारक रवि प्रकाश ने कहा आरएसएस की शाखाएं विश्व के कोने-कोने में मौजूद हैं। संघ के संस्थापक डॉ. हेडगेवार की सोच देश की एकता और अखंडता को मजबूत करने एवं भारत को एक मजबूत राष्ट्र के रूप में खड़ा करने की थी। देवा ब्लॉक प्रमुख धर्मेंद्र यादव ने कुर्सी रोड चौराहे पर पुष्प वर्षा की। इस अवसर पर मनीष परिहार, सत्यम सिंह, शान बहादुर सिंह, रामू यादव, कैलाश यादव, आशीष जायसवाल, राजकमल निगम सहित अनेक स्वयंसेवक मौजूद रहे। छेदा में विभाग संघ चालक गंगा बक्श सिंह ने कहा आरएसएस की सौ वर्ष की यात्रा में असंख्य लोग सहयोगी और सहभागी रहे हैं। सफदरगंज में सह विभाग कार्यवाह वीरेंद्र, रामनगर पीजी कॉलेज में विभाग शारीरिक प्रमुख महेंद्र, भगौली के शिवमन्दिर में आयोजित कार्यक्रम में सह जिला कार्यवाह पारितोष एवं सरस्वती शिशु मंदिर ढ़कौली में आयोजित कार्यक्रम में जिला संघ चालक डॉक्टर आरएस गुप्ता ने बतौर मुख्य वक्ता पाथेय प्रदान किया।

देवा में पथ संचलन करते आरएसएस के स्वयंसेवक। अमृत विचार

एसपी ने लिया मेला परिसर का जायजा

देवा, बाराबंकी : आगामी आठ अक्टूबर से शुरू हो रहे प्रसिद्ध देवा मेला की तैयारियों को लेकर रविवार शाम पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने मेला परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने रूट डायवर्जन, पार्किंग स्थलों और सुरक्षा से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने संबंधित अधिकारियों को मेला क्षेत्र में सुचारू यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा प्रबंधन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूरी कर ली जाएं इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक विकास चंद्र त्रिपाठी, कोतवाल अजय कुमार त्रिपाठी, यातायात प्रभारी रामयतन यादव सहित कई पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

5 हजार सेट्रिजीन-पैरासिटामोल की खपत

जिले के 66 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आयोजित किया गया मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला

- बदलते मौसम के कारण जुकाम बुखार और दस्त के मरीजों की संख्या रही अधिक
- बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों में तेज बुखार के बढ़े मरीज

अमृत विचार टीम, सीतापुर

मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेला जिले में एक बार फिर ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की नब्ज टोहने का बड़ा जरिया बना। जिले के 66 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर रविवार को मेला आयोजित हुआ। शिविर में हजारों लोग जांच और परामर्श के लिए पहुंचे। मौसम बदलने और बाढ़-प्रभावित इलाकों में फैली मौसमी बीमारियों के कारण इस बार मेले में जुखाम, बुखार और दस्त के मरीजों की संख्या सबसे अधिक रही। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, करीब पांच हजार मरीजों को सेटिरीजीन और पैरासिटामोल जैसी सामान्य दवाएं दी गईं, जो मौसमी बीमारियों में राहत के लिए दी जाती हैं। कई स्वास्थ्य केंद्रों पर चिकित्सक अनुपस्थित रहे, जिसके चलते नर्सों और फार्मासिस्टों ने मोर्चा संभाला और मरीजों का इलाज किया। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. सुरेश कुमार का कहना है कि जन आरोग्य मेले का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सामान्य बीमारियों की शुरुआती पहचान और समय पर इलाज सुनिश्चित करना है।

स्वास्थ्य केंद्र पर पसरा सन्नाटा।

मरीज को परामर्श देते चिकित्सक।

365 मरीजों का हुआ उपचार

लहरपुर इलाके के पांच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में कुल 365 मरीजों का इलाज कर उन्हें आवश्यक दवाइयां दी गईं। अकबरपुर में डॉ. अख्तर हुसैन ने 76, अकैचनपुर फरीदपुर में डॉ. प्रज्ञा शरण आनंद ने 74, बिलरिया में डॉ. आदित्य ने 78, ढखेरा में डॉ. तलत जहां ने 71 व खैरुल्लापुर में फार्मासिस्ट अशोक ने 66 मरीजों का इलाज किया।

चर्म रोग के मरीजों का हुआ परीक्षण

ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नेरी में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित किया गया। मेले में कुल 16 मरीजों की जांच कर उन्हें दवाइयां वितरित की गईं। डॉ. सुनीता शुक्ला ने बताया कि खांसी-जुकाम, पेट और चर्म रोग से संबंधित मरीजों का परीक्षण किया गया और सभी को आवश्यक दवाइयां उपलब्ध कराई गईं।

छात्रा को सम्मानित करते मुख्य अतिथि। अमृत विचार

निबंध में अर्चना और चित्रकला में छाया प्रथम

बिसवां, अमृत विचार : वन्य जीव सप्ताह के अंतर्गत कस्बे के कृष्णा देवी म्युनिसिपल गर्ल्स इंटर कॉलेज में प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। इसमें छात्राओं ने चित्रकला और निबंध प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चित्रकला प्रतियोगिता में कक्षा 11 की छाया प्रथम, एना द्वितीय और चाहत गुप्ता तृतीय रहीं। निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11 की अर्चना प्रथम, निधि द्वितीय और स्मृति पांडेय तृतीय स्थान पर रहीं। विजेताओं को वन क्षेत्राधिकारी अख्तर कमाल सिद्दीकी ने पुरस्कृत किया। वहीं स्वेता यादव और तनिष्का यादव को सांत्वना पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी ने छात्राओं को वन्य जीव संरक्षण का महत्व बताया और सभी को जागरूक किया। इस अवसर पर कॉलेज की प्रधानाचार्या लक्ष्मी देवी समेत वन विभाग के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

संत त्यागी महाराज ने किया नींव पूजन

सांडा/सकरन : सेमराखुर्द में श्रद्धालुओं के प्रयास से संत त्यागी महाराज द्वारा नींव पूजन किया गया। शिलान्यास से पूर्व हवन पूजन हुआ। इस अवसर पर कृपा शंकर वर्मा चेयरमैन भूमि विकास बैंक, काशी राम वर्मा, राजेश वर्मा, मोहित मिश्रा, आयुष मिश्रा, पीयूष पाण्डेय, नीरज तिवारी, कृष्ण स्वरुप शुक्ला, ब्रजेश द्विवेदी, रामकिशोर शुक्ला, अभिषेक मिश्रा सहित बड़ी संख्या लोग मौजूद थे।

अवैध शराब बनाने को लेकर महिलाएं मुखर

मछरेहटा, अमृत विचार : मिश्रिख मार्ग स्थित अहमदनगर की महिलाएं अवैध शराब बनाने वालों के विरुद्ध मुखर हो चली हैं। बड़ी संख्या में जमा महिलाओं ने इसका विरोध किया। महिलाओं का कहना है कि पुलिस तो अभियान चलाती है लेकिन विभाग के लोग इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। ऐसे में सेहत के साथ इलाके का माहौल भी खराब हो रहा है। मछरेहटा थानाध्यक्ष प्रभात कुमार गुप्ता ने बताया कि कच्ची शराब के खिलाफ अभियान जारी है, जल्द ही कठोर कार्रवाई की जाएगी।

अपराध न करने की दिलाई गयी शपथ

सीतापुर, अमृत विचार : महिला अपराधों पर रोकथाम और सशक्तिकरण के लिए पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बड़ा कदम उठाया। सीओ सदर नेहा त्रिपाठी के नेतृत्व में कोतवाली देहात पुलिस ने महिला अपराधों में रिहा हुए 13 आरोपियों को थाने बुलाकर अपराध न करने की शपथ दिलाई, इस दौरान टीम ने गश्त अभियान भी चलाया। महिलाओं पर फब्तियां कसते पकड़े गए पुनीत कुमार निवासी मोहनुद्दीनपुर पर मुकदमा दर्ज किया गया। यातायात अभियान में 18 वाहनों के चालान कर 29 हजार रुपये जुर्माना वसूला गया।

स्वच्छता योगदानियों को मिला सम्मान

सीतापुर, अमृत विचार : महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के अवसर पर नगर पंचायत महोली में अधिशासी अधिकारी रामकृष्ण वर्मा के निर्देशन में स्वच्छता जागरूकता रैली निकाली गई और 156 घंटे महा सफाई अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सफाई कर्मचारियों व महिला सफाई मित्रों को पुरस्कार व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। किसानों और छात्रों ने पौधरोपण में भाग लिया।

बिसवां में साहित्यकारों ने साझा किये विचार

बिसवां, अमृत विचार : साहित्य सुधा गीतांजलि के संस्थापक अरविन्द सिंह मधुप के संचालन में संस्था के संरक्षक अशोक पुष्प एवं सरोज गुप्ता के आवास पर साहित्यकारों द्वारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मोहम्मद अहमद आकिल ने की। साहित्यकार पदमकांत शर्मा प्रभात, घनश्याम शर्मा, राष्ट्रीय कवि संगम के जिलाध्यक्ष आनन्द खत्री, शिवानंद दीक्षित प्रेमी, रामदास रतन ने गांधी और शास्त्री के जीवन पर प्रकाश डाला।

रावण का वध होते ही लगे श्रीराम के जयकारे

लहरपुर, अमृत विचार : श्री रामलीला में आदर्श श्री रामलीला कमेटी के तत्वाधान में श्री वृंदावन धाम से आए कलाकारों द्वारा श्री रामलीला के मंचन में रावण वध कर उसके पुतले का दहन किया गया। रामलीला मैदान पर अहिरावण वध के उपरांत रावण द्वारा युद्ध का मोर्चा संभाला गया और उसने भयंकर युद्ध करके रणभूमि में हाहाकार मचा दिया। प्रभु श्री राम व रावण के मध्य कलाकारों ने हुए युद्ध का सुंदर मंचन किया। रावण की मृत्यु होते ही प्रभु श्री राम की सेना में हर्ष छा गया और सारा वातावरण जय श्री राम के जयकारों से गूंज उठा।

उपचार के दौरान महिला की मौत

मिश्रिख, सीतापुर : प्राइवेट हॉस्पिटल मरीजों की जान से खिलवाड़ करने से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा ही एक मामला मिश्रिख क्षेत्र में सामने आया है, जहां इलाज के दौरान एक महिला की मौत हो गई। करीमनगर बेनीगंज निवासी रूबी पत्नी भीमसेन बीते तीन दिनों से नहर चौराहा स्थित अंजू नामक महिला से इलाज करा रही थी। आरोप है कि महिला अंजू ने रूबी का गलत तरीके से इलाज किया। गंभीर हालत में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के पति भीमसेन ने कोतवाली मिश्रिख में तहरीर देकर आशा कार्यकत्री, झोलाछाप महिला अंजू और निजी हॉस्पिटल पर पत्नी का गलत इलाज करने और लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है।

जनहित के मुद्दों का निकले हल: अशोक

बैठक

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधान परिषद की याचिका समिति की बैठक सभापति के सभापतित्व में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुयी, बैठक में समिति सदस्य अनूप कुमार गुप्ता भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान जनपद से संबंधित 23 प्रकरण प्रस्तुत किये गये।

समिति के सभापति अशोक अग्रवाल ने कहा कि समिति द्वारा सन्दर्भित किये गये प्रकरण अत्यन्त महत्वपूर्ण एवं व्यापक जनहित में होते हैं, अतः इन्हें किसी भी दशा में लम्बित न रखा जाये। समिति सदस्य अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि सभी विकास के क्षेत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने कहा निर्देशों का अनुपालन शीघ्र ही सुनिश्चित कराया जायेगा।

बैठक में पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल, मुख्य विकास अधिकारी प्रणता ऐश्वर्या, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व नीतीश कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी संतोष नारायण गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी तिलक सिंह, उपायुक्त श्रम एवं रोजगार चन्दन देव पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते सभापति अशोक अग्रवाल। अमृत विचार

कुत्तों के झुंड के हमले में 12 जख्मी

सकरन, सीतापुर: सकरन इलाके के महाराज नगर गांव में रविवार शाम कुत्तों के झुण्ड ने हमला कर दिया। 12 बच्चों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल सहित स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। बताते हैं कि महाराज नगर में शाम को बच्चे खेल रहे थे। अचानक कुत्तों का झुण्ड आ गया। अंश, आलशिफा, भानु, जाने आलम, अनुराग, मुसाब, मनोज, अरमान, केवलपुर निवासी साक्षी, अनुराग आदि पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर गांव के लोग दौड़ पड़े, किसी तरह बच्चों को बचाकर भीड़ ने कुत्तों को भगाया। अफरातफरी के बीच परिजन और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे।

स्वयंसेवकों ने लाठी संग दिखाए करतब

- आरएसएस कार्यकर्ताओं ने मनाया विजयादशमी उत्सव

संवाददाता, मछरेहटा/सांडा

अमृत विचार: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने विजयदशमी उत्सव के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर जनपद के सभी ब्लॉक क्षेत्रों से जुड़ी न्याय पंचायतों के स्वयंसेवक उपस्थित रहे। मछरेहटा विकास खण्ड क्षेत्र में विधायक रामकृष्ण भार्गव, डगरहा धाम के महंत त्यागी महाराज, खंड संघचालक बनारसी गुप्ता ने स्वयंसेवकों के साथ ध्वज प्रणाम किया। स्वयंसेवकों द्वारा लाठी के साथ अनेक करतब भी दिखाए गए। इस मौके पर विद्यालयों के शिक्षक, छात्र और अन्य मौजूद रहे। उधर, पथ संचलन का आरम्भ सांडा-बिसवां मार्ग पर स्थित बीआरसी के निकट से हुआ। पथ संचलन मुख्य बाजार सहित सांडा के सभी प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः बीआरसी के निकट आकर संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि त्यागी बाबा महाराज, राम जन्मभूमि तीर्थ व्यवस्था सदस्य भोलेन्द्र, संघ के खंड संघचालक हृदयेश गुप्त, जिला प्रचारक सुरेंद्र , जिला व्यवस्था प्रमुख मुन्ना लाल सहित अन्य मौजूद थे।

पथ संचलन के दौरान सांडा स्थित मुख्य मार्ग से गुजरते स्वयंसेवक। अमृत विचार

मजार पर दुआ मांगते नगरपालिका अध्यक्ष हाजी जावेद। अमृत विचार

मुल्क की तरक्की के लिए मांगीं दुआएं

लहरपुर, अमृत विचार : दरगाह रमजान अली शाह उर्फ मुरली वाले बाबा की मजार पर शेख अब्दुल कादिर जिलानी का उर्स अकीदत के साथ मनाया गया। दरगाह के सेक्रेटरी हाजी सोहराब अली कादरी और मुतवल्ली हाजी मुन्नन अली की उपस्थिति में उर्स की सभी रस्में अदा की गईं। फातिहा ख्वानी, गुल पाशी और नजर – नियाज के बाद सलाम पेश किया गया। इस मौके पर अकीदतमंदों को तबर्रूक और लंगर भी दिया किया गया। उर्स में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शरीक हुए। इस मौके पर चेयरमैन नगर पालिका परिषद हाजी जावेद अहमद ने तरक्की और सलामती की दुआ मांगी। इस मौके पर मास्टर अब्दुल गफ्फार, अनवर बिसवानी, जुबेर वारिस, डॉ. अफजल बेग सहित भारी संख्या में अकीदत मंदों ने भाग लिया।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से बालक की मौत, कोहराम

मिश्रिख, सीतापुर: पिसावां थाना क्षेत्र के कस्बा कुतुबनगर में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें लगभग नौ वर्षीय मासूम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कस्बे के जमुद्दी तालाब के पास आयुष (9) पुत्र चेतराम शौच के लिए गया हुआ था। उसी समय मुंडली उर्फ हनीफ अपने बेटे जान मोहम्मद के साथ ट्रैक्टर लेकर खेतों की तरफ से आ रहे थे।

बताया जा रहा है कि जैसे ही ट्रैक्टर ने मोड़ लिया, शौच के लिए सड़क किनारे बैठा आयुष ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। जिससे घायल हो गया घायलावस्था में परिजन उसे आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मिश्रिख लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मासूम की मौत से परिवार में कोहराम मच गया है। वहीं, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रैक्टर कों कब्जे में लेकर आवश्यक जांच शुरू कर दी है।

महोली से पकड़ा गया दूसरा बाघ

सीतापुर, अमृत विचार : महोली इलाके के नरनी गांव से मादा बाघिन के बाद बाघ भी पकड़ लिया गया। रात में हुए रेस्क्यू ऑपरेशन में दुधवा की टीम भी शामिल थी। डीएफओ नवीन खंडेलवाल ने बताया कि के मादा बाघ के पकड़े जाने के बाद से नर बाघ दिख नहीं रहा था । नरनी गांव के पास पिंजरा भी लगा था। पिछले दिनों उसने पड़वे का शिकार भी किया। इसी के बाद रेस्क्यू टीम और सक्रिय हो गई। देर शाम रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद नरनी गांव के नजदीक से बाघ को पिंजरे में कैद किया गया । फिलहाल उसे रात में चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया है। सुबह होने के बाद यह तय होगा कि उसे कहां भेजा जाएगा।

बाढ़ पीड़ितों को भेजी राहत सामग्री

सीतापुर, अमृत विचार : पंजाब में बाढ़ से प्रभावित किसानों की मदद के लिए संगत आगे आई है। गुरुद्वारा समिति और सिख संगठन के नेतृत्व में 8 लाख 60 हजार रुपये की सेवा राशि एकत्रित कर पंजाब के बाढ़ पीड़ितों को भेजी है। संयुक्त किसान मोर्चा संयोजक पिंदर सिंह सिद्धू ने बताया कि गुरुद्वारे के मुख्य सेवादार चरणजीत सिंह चन्नी और सिख संगठन के जिलाध्यक्ष गुरपाल सिंह ने इस सेवा अभियान की अपील की थी। उनके माध्यम से संगत सीधे डेरा बाबा नानक कॉरिडोर के पास स्थित पत्ती रामपुर गांव पहुंची। कहा गया कि संकट के समय पीड़ितों की मदद से बढ़कर दूसरा कोई पुण्य कार्य नहीं है।

कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज की छात्राएं। अमृत विचार

हर बेटी का है अधिकार, मिले उसे शिक्षा और प्यार

सीतापुर, अमृत विचार : शिक्षा के अधिकार को बताने के लिए एसपी के निर्देश पर सेक्रेट हार्ट इंटर कॉलेज में एक गोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्राधिकारी सदर शामिल रहीं। क्षेत्राधिकारी सदर नेहा त्रिपाठी द्वारा सेक्रेट हार्ट इंटर कॉलेज में छात्राओं के साथ संवाद किया । क्षेत्राधिकारी ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ – साथ एक अनिवार्य हॉबी के रूप में आत्मरक्षा संबंधित गुर भी सीखें। इससे शारीरिक सुरक्षा में सुधार होता है, साथ ही मानसिक और भावनात्मक रूप से भी व्यक्ति मजबूत बनता है। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी निरीक्षक महिला थाना इतुल चौधरी एवं प्रभारी एंटी रोमियो पूजा कटियार, मिशन शक्ति टीम एवं साइबर टीम मौजूद रही।

बाढ़-कटान क्षेत्रों में जलभराव से किसान परेशान

सीतापुर, अमृत विचार: जिले में सबसे अधिक बाढ़ और कटान से प्रभावित रामपुर मथुरा क्षेत्र में किसानों के बीच एक नया संकट गहरा गया है। अचानक हुई बारिश ने तैयार फसल को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया है। खेतों में पानी भरने से धान की फसल में अंकुर निकल आए हैं, जिससे फसल सड़ना शुरू हो गई है। किसान रमेश, परमेश्वर, दिलीप, रवि सहित अन्य का कहना है कि जलभराव के कारण तैयार फसल की कटाई नहीं कर पा रहे हैं। फसलें पानी में गिर गई हैं, जिससे उसमे अंकुर निकलने लगे हैं। ऐसे में धान की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है।

महिला ट्यूशन टीचर से दुष्कर्म, पांच पर केस

सीतापुर, अमृत विचार: शहर सीमा से सटे कोतवाली देहात इलाके की एक महिला ट्यूशन टीचर से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया गया। आरोपियों ने पीड़िता का मोबाइल भी छीन लिया और रिपोर्ट करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर पांच आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कोतवाली देहात इलाके के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि लगभग एक वर्ष पहले वह शहर निवासी पूनम के घर बच्चों को ट्यूशन पढ़ाने आती थी। आरोप है कि इस दौरान पूनम के भाई राहुल और उसके चाचा अंकित लगातार अश्लील हरकतें करते रहे। कई बार पूनम ने पीड़ित को कमरे में बंद किया और भाई राहुल ने उसके साथ लगातार दुष्कर्म कराया। पीड़िता ने बताया कि आरोपियों ने शादी का झांसा देकर बार-बार दबाव बनाया लेकिन अब सभी ने साफ इंकार कर दिया और धमकी दी कि शिकायत करने पर उसे और उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा। सहायक पुलिस अधीक्षक विनायक भोसले ने बताया कि प्रार्थिनी की तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

तंबौर में छात्राओं ने सीखे आत्मरक्षा व सजगता के गुर

तंबौर, अमृत विचार: कस्बे में रामपाल सिंह रामकिशोरी देवी इंटर कॉलेज में मिशन शक्ति 5 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। छात्राओं को आत्मनिर्भर और सजग बनाने के टिप्स दिये गए ताकि उन्हें कोई परेशानी न हो। छात्राओं को साइबर अपराध से बचाव, आत्मरक्षा के तरीके, शासन की योजनाएं और हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई। महिला आरक्षी पूजा राय ने छात्राओं को जरूरी जानकारी साझा की। थाना तंबौर प्रभारी ब्रजेश राय ने उपयोगी नंबर साझा किये। इस अवसर पर विद्यालय की अध्यापिकाएं और समस्त स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

ट्रेन में छिनैती का दावा करने वालों के गांव पहुंची पुलिस

खबर का असर

सीतापुर, अमृत विचार: गोण्डा से शाहजहांपुर जा रही ट्रेन संख्या 55033 में छिनैती का दावा करने वाली महिला से पुलिस ने पूछताछ की। जीआरपी के अलावा इलाका पुलिस भी तालगांव थानाक्षेत्र के साहेबनगर स्थित गांव पहुंची। बता दें कि तालगांव थानाक्षेत्र के साहेबनगर निवासी मुन्नी देवी शनिवार को बिसवां से सीतापुर की ओर पैंसेजर ट्रेन संख्या 55033 से आ रही थीं। इनका दावा था कि ट्रेन में बिसवां से चढ़े तीन शातिरों ने नकदी और सामान छीनी, कई अन्य यात्री भी वारदात का शिकार हुए। प्रकरण को अमृत विचार ने प्रमुखता से प्रकाशित किया। खबर प्रकाशन के बाद पुलिस महकमें में हड़कंप मच गया। तालगांव पुलिस के अलावा जीआरपी पुलिस भी मुन्नी देवी के साहेबनगर स्थित गांव पहुंची। पीड़िता से घटना संबंधी जानकारी ली। महिला के दावों की हकीकत को जानने के लिए फोन नंबरों का सहारा भी लिया गया। एसओ जीआरपी सुनील कुमार का कहना है कि प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए मामले की जांच की जा रही है। स्थितियां स्पष्ट होने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

ट्रेन में छिनैती, पुलिस मान रही संदिग्ध
गोंडा से शाहजहांपुर जा रही ट्रेन पर सवार महिला का दा

सर्पदंश से किसान की मौत

सीतापुर, अमृत विचार : पिसावां थाना क्षेत्र के बराहमऊ गांव में सर्पदंश से किसान की मौत हो गई। शिवकुमार उर्फ गुड्डू अपने घर पर था। इस दौरान उसे पता चला उसकी भैंस बोरिंग में गिर गई। गहराई में उतरते समय उसे सांप ने डंस लिया।

शिक्षक लोक सेवा आयोग में चयनित

सीतापुर, अमृत विचार : बेहटा विकास खंड में सहायक अध्यापक के पद पर कार्यरत ईश्वर शरण मौर्य ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। इन्होंने देश में 29 वीं रैंक हासिल की है। मिश्रिख क्षेत्र के सहादतनगर निवासी ईश्वर शरण मौर्य ने बताया कि वे बेहटा विखं में सहायक अध्यापक के रूप में कार्यरत हैं। वे तीन बार इंटरव्यू तक पहुंच चुके हैं।

संगठनों ने दिया प्रेरणादायक संदेश

सीतापुर, अमृत विचार : अखिल भारतीय चित्रांश महासभा और कायस्थ सेवा समिति तरीनपुर के संयुक्त तत्वावधान में कायस्थ भवन में गांधी और शास्त्री जयंती का कार्यक्रम शहर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मनोज श्रीवास्तव ने की, संचालन ललित कुमार श्रीवास्तव ने किया। मुख्य अतिथि सच्चिदानंद श्रीवास्तव और विशिष्ट अतिथि अक्षय सहाय व अनूप सिंहा रहे।

सीतापुर डायरी

ग्राम पंचायत शाहपुर में निर्माण कार्यों में अनियमितता का आरोप

सकरन, अमृत विचार : विकास खंड सकरन क्षेत्र की ग्राम पंचायत शाहपुर में ग्राम प्रधान और पूर्व पंचायत सचिव की मिलीभगत से कई निर्माण कार्य मानक विहीन कराए जाने का आरोप है। गांव वासियों का दावा है कि निजी लाभ के लिए लाखों की इंटरलाकिंग सड़क और पंचायत भवन की चहारदीवारी बिना मानक और नींव के बनवाई गई है। इसके अलावा नल मरम्मत और रिबोर में भी अनियमितता आरोप हैं। बीडीओ श्रीश गुप्ता ने बताया कि आरोपों की जांच कराकर निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कथा में लगे जय श्रीकृष्ण के जयकारे

नेरी, अमृत विचार : विकास खण्ड पिसावां के ग्राम जहांसापुर में माता रानी मंदिर पर चल रही श्रीमदभागवत कथा के समापन दिवस पर कथावाचक पंडित शिवाकांत मिश्रा ने भगवान श्रीकृष्ण की गोवर्धन पर्वत लीला का प्रसंग सुनाया। श्रद्धालु पर्वत का उंगली पर उठा लेने का वर्णन सुनकर मंत्रमुग्ध हो गए। कथावाचक पंडित शिवाकांत मिश्रा ने बताया कि इंद्र को घमंड हो गया था। गर्व दू र करने के लिए भगवान ने गोवर्धन की पूजा शुरू करा दी। इंद्र ने भारी बरसात कराई, लेकिन भगवान ने कनिष्ठा उंगली पर गोवर्धन पर्वत को उठा लिया। सात दिनों के बाद इंद्र को अपनी भूल का एहसास हुआ।

दुर्गा प्रतिमाओं का हुआ विसर्जन

सीतापुर, अमृत विचार : पहला विकास खण्ड क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाओं का विसर्जन शारदा सहायक नहर के तट पर माता रानी के जयकारों के बीच विधि-विधान से हुआ। सरैया राजा साहब स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क मुबारकपुर, भेतरा माधव, रसूलपुर, ईश्वरवारा, मुसैदाबाद, संदौर, करौली, ठठेरीया समेत 12 गांव के श्रद्धालु सम्मिलित हुए। डीजे की धुन पर नाचते गाते और अबीर गुलाल उड़ाते श्रद्धालुओं ने बड़े ही उल्लास के साथ श्रद्धा भक्ति भाव से शक्ति और वैभव दात्री मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। नदी में पानी अधिक होने से किसी भी सामान्य व्यक्ति को नदी के पानी में घुसने नहीं दिया गया बल्कि विसर्जन के लिए पुलिस ने नौकाओं व वालिंटियर की व्यवस्था की थीं। इस दौरान वालंटियर सजगता के साथ देवी भक्तों की सहायता में मुस्तैद रहे।

भगवती जागरण का आयोजन

कमलापुर, अमृत विचार : आरबीएसबी सिंह इंटर कॉलेज में मां भगवती जागरण आयोजित हुआ। कमलापुर जागरण समिति के सदस्यों व सीओ सिधौली कपूर कुमार ने पूजन-अर्चन से शुभारंभ किया। जागरण ग्रुप के कलाकारों ने मां के भजनों की रसधार बहाई। जागरण कमेटी द्वारा थाना प्रभारी प्रदीप सिंह, कमल नयन आर्य समेत अन्य को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रभु श्रीराम और भरत की भूमिका में कलाकार। अमृत विचार

प्रभु श्रीराम और भरत का हुआ मिलन

खैराबाद, सीतापुर : खैराबाद-बिसवां मार्ग पर मार्ग पर प्रभु श्रीराम और भरत का मिलन हुआ। चरण स्पर्श होते ही प्रभु ने भाई को हृदय से लगा लिया। ऐसे में श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। कनखल हरिद्वार से आए कटरा संगत के महंत स्वामी दामोदर शरण दास की उपस्थिति में संत- महात्माओं ने धार्मिक संदेश दिये। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष बेबी गुप्ता, अध्यक्ष प्रतिनिधि अभिषेक गुप्ता, भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश त्रिपाठी आदि ने मिलकर सजे राम दरबार की आरती उतारी, इस अवसर पर पुष्प वर्षा की गई। सभासद उमेश जायसवाल, आरजेजे एजुकेशन पॉइंट प्रबंधक कुलदीप जायसवाल, अजय शुक्ला, प्रशांत शुक्ला, रजत टंडन, आलोक बाजपेई, अंकित गुप्ता सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चौपाल का किया गया आयोजन

कार्यालय संवाददाता, सीतापुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक अंकुर अग्रवाल के निर्देश पर गांव चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के दौरान सुरक्षा से जुड़े नंबरों और शासन की योजनाएं साझा की गईं। रामपुर मथुरा में सूरजनपुर में ग्राम चौपाल का आयोजन किया गया। ग्रामीणों के बीच 1090, 1076 सहित अन्य सुरक्षा नंबरों की जानकारी दी। कन्या सुमंगला योजना, बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सामूहिक विवाह योजना आदि योजनाओं की जानकारी भी दी गई। थानगांव ग्राम बरा में ग्राम चौपाल का आयोजन हुआ। थाना इमलिया सुल्तानपुर मिशन शक्ति पुलिस टीम द्वारा ग्राम मेमपुरवा में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद स्थापित हुआ। लहरपुर के ग्राम चंदवासोतम में भी आयोजन हुआ। इस दौरान महिलाओं और बच्चों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

अनियंत्रित ट्रक ने वृद्ध को कुचला, मौत

बछरावां (रायबरेली) : तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने शौच के लिए जा रहे वृद्ध को कुचल दिया। इससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बीती शनिवार देर रात मेडई खेड़ा निवासी प्रभादीन घर से निकल कर शौच के लिए जा रहे थे। तभी चुरुवा पश्चिम गांव बाईपास पर मेडई खेड़ा के निकट एक अनियंत्रित ट्रक जो लालगंज से लखनऊ की ओर जा रहा था ने कुचल कर मौके से फरार हो गया। दुर्घटना को देख आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, परंतु तब तक वृद्ध की मौत हो चुकी थी। प्रत्यक्ष दर्शियों के मुताबिक दुर्घटना करने वाले ट्रक में कोल्ड ड्रिंक की बोतले लदी लगी हुई थी, जो लखनऊ की तरफ फरार हो गया। घटनास्थल पर सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण एवं परिजन एकत्रित हो गए। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बाइकों में टक्कर, एक व्यक्ति गंभीर

महराजगंज, रायबरेली। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के टूक मजरे ओथी गांव निवासी जगदीश प्रसाद शनिवार की देर शाम बेटे के साथ बाइक पर सवार होकर शिवगढ़ जा रहे थे। ओसाह के पास सड़क पार कर रहे अनियंत्रित बाइक सवार से उनकी बाइक की टक्कर हो गई। इसमें जगदीश को गंभीर चोटें आई। राहगीरों ने घायल बुजुर्ग को सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने हालत गंभीर बताते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

महिलाओं और ग्रामीणों को किया जागरूक

जगतपुर (रायबरेली) : थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम हरपुर हल्ला में शनिवार को थाना प्रभारी पंकज त्यागी की अगुवाई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया इसमें महिलाओं, बालिकाओं और ग्रामीणों को सरकारी हेल्पलाइन नंबर 1090, 112, 181, 1930 आदि की जानकारी दी। साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। थाना प्रभारी ने ग्रामीणों से अपील की कि गांव में किसी भी संदिग्ध व्यक्ति के आने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें, अपने स्तर पर किसी प्रकार की मारपीट या दुर्व्यवहार न करें। साथ ही उन्होंने सोशल मीडिया और ड्रोन से जुड़ी अफवाहों से बचने की सलाह दी। प्रभारी ने कहा कि साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर अपनी निजी जानकारी साझा न करें। इस मौके पर उपनिरीक्षक सुरेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक गुलाम गौस, महिला आरक्षी पूजा और आरती शर्मा आदि मौजूद रहे।

पति ने पुलिस अधीक्षक से लगाई गुहार

महराजगंज (रायबरेली) : पत्नी के उत्पीड़न और झूठे आरोपों से परेशान एक ट्रक ड्राइवर ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। चंदापुर थाना क्षेत्र के डोमापुर निवासी राम केवल ने आरोप लगाया कि उनकी पत्नी झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देती है। एसपी से पूरे मामले की जांच कराकर कार्रवाई की मांग की है।

बाल्हेश्वर मंदिर में होगा सत्संग

लालगंज (रायबरेली) : श्री श्री 1008 महामण्डलेश्वर अनन्त श्री विभूषित परमपूज्य स्वामी आत्मानन्द सरस्वती महाराज राधा सरस्वती आश्रम नीलगिरी त्र्यंबकेश्वर नासिक महाराष्ट्र मंगलवार को श्री बाल्हेश्वर महादेव मंदिर में आएंगे। यह जानकारी श्री बाल्हेश्वर धाम के मुख्य पुजारी पंडित झिलमिल जी महाराज ने दी है। बताया कि इस दौरान सत्संग एवं कथाप्रवचन कार्यक्रम होगा।

ऊंचाहार कांड में घिरी गदागंज पुलिस

मामले की सूचना मिलने के बाद नहीं दिखाई तेजी, सचेत रहती तो युवक की बच जाती जान

संवाददाता, रायबरेली

चलती रही टाल-मटोल

अमृत विचार। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र में विक्षिप्त युवक की पीट-पीटकर हत्या के मामले में पुलिस अधीक्षक ने भले ही कोतवाल और तीन अन्य पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई कर दी हो, लेकिन असल में गदागंज पुलिस भी कम दोषी नहीं है। संदिग्ध युवक के संबंध में सूचना स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। बताते है कि थाने के मुख्य कर्ताधर्ता पूरी तरह से निष्क्रिय रहे। इसके बाद डायल 112 को सूचना दी गई। मौके पर पीआरबी और कुछ समय बाद डायल 112 पहुंची, लेकिन यह सिर्फ खानापूरी करके लौट आए। बताया तो यहां तक जाता है कि डायल 112 का इंचार्ज गाड़ी तक से नीचे नहीं उतरा। इतना ही नहीं होमगार्ड द्वारा सक्रियता दिखाई गई तो उसने उल्टा फटकार भी लगा दी। इसके बाद विक्षिप्त युवक को ग्रामीणों के बीच में छोड़ टाल मटोल करके चले गए। यदि पुलिस समय रहते उचित कार्रवाई करते हुए उक्त युवक को साथ लेकर चली जाती तो शायद उसकी जान बच जाती। मृतक हरिओम निवासी फतेहपुर के परिजन पुलिस की इस लापरवाही से उसे खो चुके हैं। पुलिसिया कार्यशैली के आगे अब वह लाचार हैं। देखना यह है कि ऊंचाहार कोतवाल समेत अन्य पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई के बाद गदागंज पुलिस की कार्यशैली पर पुलिस अधीक्षक क्या कदम उठाते हैं। अंदरखाने में तो गदागंज इंचार्ज पर ही सवाल उठाए जा रहे हैं।

ड्रोन पर पुलिस का लचीला रवैया, दहशत

जिले में ड्रोन को लेकर लोगों में दहशत का माहौल है। आए दिन गांव से लेकर शहर तक ड्रोन दिखने की सूचना मिल रही है। वहीं पुलिस इस मामले में लचर रवैया अपनाए हुए है। ड्रोन को लेकर पुलिस अफवाह बताकर लोगों को भ्रम में ना आने की सलाह दे रही है, लेकिन इसे उड़ा कौन रहा है, इसके पीछे मकसद क्या है, इसको लेकर पुलिस अभी तक तह में जाने के लिए कोई प्रयास नहीं कर रही है।

चोर के अफवाह में युवक को भीड़ ने घेरा: शहर कोतवाली क्षेत्र में भी एक ऐसा मामला सामने आया है, जहां पर एक युवक को भीड़ ने चोर-चोर चिल्लाकर घेर लिया। इससे वह दहशत में आ गया। भीड़ के आगे कांपता युवक अनुनय विनय करने लगा। घटना किला बाजार की बताई जा रही है। काफी देर तक हंगामा चलता रहा। हालांकि कुछ लोगों के सूझबूझ और पहचान हो जाने के कारण भीड़ के तांडव से बच गया।

पुलिस की दबिश से ग्रामीणों में दहशत मामले में चार और आरोपियों को दबोचा

युवकों की पिटाई के प्रकरण में पकड़े गए आरोपी।

ऊंचाहार के बाद सलोन में प्रतापगढ़ के जेवाई क्षेत्र के संदिग्ध सुरजीत पुत्र राम आसरे, उमेश पुत्र हरिकेश, मुकेश पुत्र हरिकेश को चोर-चोर कहकर भीड़ ने दौड़ा लिया। इसके बाद तीनों को पकड़कर एक खम्बे में रस्सी से बांधकर बेहरमी से पीट दिया। पुलिस ने प्रकरण में शनिवार को मुकेश सरोज, धीरज कुमार, बब्लू, विनोद, शेरबहादुर को जेल भेज दिया था। वहीं रविवार को शिवा पुत्र कामता प्रसाद, धर्मेंद्र पुत्र सुखलाल, अर्जुन पुत्र छोटेलाल, रितेश पुत्र हरीलाल निवासी जौदहा थाना सलोन को गिरफ्तार किया है। पुलिस द्वारा गांव में लगातार दबिश दिए जाने से ग्रामीणों में दहशत है।

ऊंचाहार के गांवों में दिखे कई ड्रोन, रात भर हुई पहरेदारी

संवाददाता, ऊंचाहार (रायबरेली)

- ड्रोन उड़ने के कारण पूरे क्षेत्र में लोगों में दहशत

अमृत विचार। संदिग्ध ड्रोन दिखने के साथ हो रही चोरियों ने पुलिस के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। गांव-गांव दिख रहे ड्रोन की दहशत का आलम यह है कि बीते बुधवार को क्षेत्र में एक विक्षिप्त की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई। इसके बाद शनिवार की रात क्षेत्र के कई गांवों में एक साथ कई ड्रोन उड़ते हुए देखे गए।

रात में ड्रोन उड़ने के कारण पूरे क्षेत्र में दहशत है। ड्रोन ने क्षेत्र की शांति व्यवस्था के लिए बड़ा खतरा पैदा कर दिया है। फैल रही दहशत पर पुलिस प्रशासन द्वारा अंकुश न लगाए जाने के कारण लोग कानून को हाथ में ले रहे हैं। कई गांवों में निर्दोष लोगों की ग्रामीण पिटाई कर चुके हैं। बीते बुधवार को ईश्वरदासपुर रेलवे हाल्ट के पास एक विक्षिप्त की पीट-पीट कर ग्रामीणों ने हत्या तक कर दी। इसके बावजूद ड्रोन पर अंकुश नहीं लग रहा है। शनिवार की शाम से लेकर देर रात तक क्षेत्र के दर्जनों गांवों में एक साथ कई ड्रोन देखे गए। ऊंचाहार नगर के महादेवन मुहल्ले में एक साथ छह ड्रोन को अलग-अलग दिशा में उड़ते हुए देखा गया। इसके अलावा क्षेत्र के गांव अरखा, नजनपुर, मुंडीपुर, होरेसा, ब्राह्मणों का नंदौरा, गोकना, सवैया तिराहा, रतापुर आदि में ड्रोन को उड़ते हुए देखा गया है। लोगों ने ड्रोन को अपने मोबाइल में कैद भी किया है।

कभी नजदीक तो कभी ऊंचाई पर दिखे ड्रोन: विभिन्न गांवों में उड़ रहे ड्रोन कभी नजदीक तो कभी ऊंचाई पर नजर आते हैं। जब ड्रोन नजदीक होता है तो उसकी गति काफी तेज होती है और लगातार ऊपर नीचे होता रहता है, ताकि लोग असलहे से इसे निशाना न बना सके। किंतु जब ड्रोन ऊंचाई पर होता है तो सामान्य गति से चलता है।

सिर्फ कागजों पर ही दौड़ रहे ग्राम सुरक्षा समितियों के चौकीदार

राजेन्द्र द्विवेदी, खीरों (रायबरेली)

वाह रे सिस्टम

- ग्रामीणों द्वारा चोर समझ कर पीट कर की गई युवक की हत्या से सबक नहीं ले रही खीरों पुलिस

अमृत विचार। जिले में आए दिन अजनबी और मंदबुद्धि युवक, देर रात निमंत्रण या सांस्कृतिक कार्यक्रम से लौट रहे युवक चोर होने की आशंका पर ग्रामीणों का शिकार हो रहे हैं। कहीं मंदबुद्धि युवकों की ग्रामीणों द्वारा चोर समझकर पिटाई के मामले प्रकाश में आ रहे हैं तो कहीं ग्रामीण चोर समझकर निर्दोष युवक की पीटकर हत्या कर दे रहे हैं। कहीं ड्रोन कैमरों की अफवाह तो कहीं चोरों की झूठी अफवाहें फैल रही हैं। भूलवश की गई गलती के कारण घटनाओं में शामिल ग्रामीण युवकों को पुलिस द्वारा जेल भी भेजा जा रहा है, लेकिन इन मामलों से खीरों पुलिस सबक लेने के बजाय अपने पुराने ढर्रे पर पुलिसिंग कर नई-नई कहानियां गढ़ने में लगी हुई है।

शासन और विभागीय अधिकारियों द्वारा पूर्व में सभी गांवों में ग्राम सुरक्षा समितियों का गठन कराया गया था। इन ग्राम सुरक्षा समितियों के सक्रिय रहने से आपराधिक ग्राफ काफी नीचे आ गया। गांवों में कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखाई देता था तो ग्राम सुरक्षा समितियां इनकी निगरानी करने के बाद पुलिस को सूचना देती थी, जिससे अफवाहों के चलते कोई घटना नहीं हो पाती थी, लेकिन कुछ समय बाद यह ग्राम सुरक्षा समितियां सिर्फ कागजी घोड़े बनकर रह गई हैं। जिसका परिणाम सामने आ रहा है कि अफवाहों के कारण अनेक आपराधिक घटनाएं हो रही हैं। पूर्व में ग्राम सुरक्षा समितियों के साथ गांवों में नियुक्त चौकीदारों को भी सक्रिय किया गया था। जिनसे पुलिस को हर गतिविधि की जानकारी मिलती थी, लेकिन आज चौकीदारों की भूमिका भी निष्क्रिय है। ग्रामीण अपने गांवों में नियुक्त चौकीदारों को पहचानते तक नहीं हैं। ग्रामीणों के अलावा ग्राम प्रधानों या गणमान्य नागरिकों को भी अपनी ग्राम सुरक्षा समिति की जानकारी नहीं है।

> थाना क्षेत्र के अन्तर्गत कुल 90 गांव आते हैं। जबकि 60 ग्राम पंचायतें हैं। सभी 90 गांवों में ग्राम सुरक्षा समितियां गठित हैं। सभी बीट प्रभारियों को ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय करने के लिए कहा गया है।
> -संतोष कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक, खीरों।

वहीं ग्राम प्रधान रामलखन सैनी, दयाशंकर यादव, रामशरण पाण्डेय, पूजा देवी, रामबरन, दीपू सिंह, महेन्द्र सिंह, मंगेश कुमार, राजेश सिंह, रूप नारायण आदि ने बताया कि उनकी ग्राम पंचायत में ग्राम सुरक्षा समिति में किन व्यक्तियों को नामित किया गया है। इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। यहां तक कि पुलिस दस्तावेज में गठित ग्राम सुरक्षा समिति में जिन लोगों के नाम लिखे हुए हैं। उन्हें खुद पता नहीं है कि वह ग्राम सुरक्षा समिति के सदस्य भी हैं। यदि पूर्व की भांति फिर से ग्राम सुरक्षा समितियों को सक्रिय कर दिया जाय तो शायद अफवाहों और आपराधिक घटनाओं पर विराम लग सकता है।

वज्रपात से तीन ट्रांसफार्मर फुंके, गांवों में अंधेरा

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

- लोगों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा

अमृत विचार। बारिश व वज्रपात से कुम्हरावां, कुम्भी, केसर खेड़ा के ट्रांसफार्मर में आग लग गई। जिसके चलते कई उपभोक्ताओं के विद्युत उपकरण भी जलकर नष्ट हो गए। ट्रांसफार्मर जलने से कई गांवों की विद्युत आपूर्ति करीब 10 घण्टे बाधित रही। इससे उपभोक्ताओं को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा। विद्युत विभाग ने कड़ी मशक्कत से एक जगह इमरजेंसी ट्रॉली ट्रांसफार्मर से जोड़कर तो वहीं दो जगह अन्य ट्रांसफार्मरों की लाइनों से केबल जोड़कर वैकल्पिक रूप से तीनों जगह की विद्युत आपूर्ति शुरू करा दी है। हालांकि अन्य ट्रांसफार्मरों से इमरजेंसी विद्युत आपूर्ति शुरू करने की वजह से उन पर लोड बढ़ गया है। विद्युत उपकेन्द्र शिवगढ़ में तैनात जेई हरेन्द्र सिंह, एसडीओ संजीव कुमार शर्मा के सार्थक प्रयासों से विद्युत विभाग ने ट्रांसफार्मर बदलने की कवायद शुरू कर दी गई है।

गौरतलब हो कि तीन अक्टूबर की रात्रि बारिश और तेज हवा के बीच आकाशीय बिजली गिरने से कुम्भी तथा केसर खेड़ा में लगे

शिवगढ़ क्षेत्र में जलता ट्रांसफार्मर।

25 -25 केवी व शिवगढ़ नगर पंचायत कुम्हरावां में लगा सौ केवी का ट्रांसफार्मर जलने से कुम्हरावां और तकिया अंधेरे में डूबा रहा। शनिवार की सुबह इमरजेंसी ट्रॉली ट्रांसफार्मर लगाकर विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। ग्रामीण नीरज कुमार मौर्य, शुभम् शुक्ला, पूर्व प्रधान पप्पू, श्यामलाल मौर्य, इलेक्ट्रीशियन रिंकू सिंह आदि लोगों ने दूरभाष मोबाइल फोन से सूचना जेई हरेंद्र सिंह तथा ड्यूटी पर तैनात एसएसओ सुरेश कुमार शर्मा, जुबेर अहमद को दी। जिसे विद्युत विभाग ने गम्भीरता से लेते हुए कई घण्टों की कड़ी मशक्कत के बाद वैकल्पिक रूप से तीनों जगह की विद्युत आपूर्ति बहाल करा दी।

वहीं जेई हरेंद्र सिंह, एसडीओ संजीव कुमार शर्मा ने बताया कि तीनों जगह के जले हुए ट्रांसफार्मर बदले जाएंगे। आकाशीय बिजली से जले ट्रांसफार्मरों को बदलने की कवायद शुरू कर दी गई है। 24 घण्टे के अन्दर नए ट्रांसफार्मर रखकर विद्युत आपूर्ति सामान्य कर दी जाएगी।

बिजली विभाग ने शुरू कराई ट्री कटिंग और लाइनों की मरम्मत

विद्युत लाइन पर लटकने वाली पेड़ की डाल काटता विद्युत कर्मी।

संवाददाता, खीरों (रायबरेली), अमृत विचार। विकास क्षेत्र के अन्तर्गत खीरों, सेमरी और कलुआखेड़ा सहित कुल तीन विद्युत उपकेन्द्र स्थापित हैं। जिनसे क्षेत्र की लगभग पौने दो लाख की आबादी को आपूर्ति दी जाती है। लोगों की मांग पर ट्री कटिंग और लाइनों की मरम्मत का काम शुरू कराया गया। लम्बे अरसे से क्षेत्रीय उपभोक्ता विद्युत विभाग की उदासीनता का दंश झेल रहे थे। आए दिन लाइनों में खराबी आने से कई घंटों तक आपूर्ति बाधित रहती थी। आपूर्ति चालू होने के बाद भी बिजली की आंख मिचौली का खेल चलता रहता था। हाईटेंशन लाइनों के साथ ही एलटी लाइनों के तारों पर रखी पेड़ों की डालें और बांस भी लाइनों में आए दिन दिक्कत खड़ी कर रहे थे। त्रस्त उपभोक्ता काफी समय से लाइनों की मरम्मत और ट्री कटिंग की मांग कर रहे थे। लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण उपभोक्ताओं की शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया जाता था। लम्बे समय के बाद विभागीय अधिकारियों की कुंभकर्णी नींद टूटी और शनिवार से ट्री कटिंग और लाइनों की मरम्मत का काम शुरू कराया गया। वहीं अवर अभियंता वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने बताया कि विद्युत लाइनों के किनारे खड़े पेड़ों की डालें तारों तक पहुंचने के कारण निर्बाध आपूर्ति में दिक्कत आ रही थी। इसलिए सभी कर्मचारियों को रोस्टिंग के समय ट्री कटिंग के साथ ही लाइनों की मरम्मत कराने के निर्देश दिए हैं। जहां क्रासआर्म या इंसुलेटर, डिस्क खराब हो उन्हें भी बदलकर लाइनों को दुरुस्त कर लिया जाए।

बदमाशों ने तमंचा लगाकर महिला से आभूषण लूटे

ऊंचाहार, रायबरेली)

वारदात

- बदमाश बोले-आवाज किया तो गोली मार देंगे

अमृत विचार। क्षेत्र में हो रही वारदातों का सिलसिला जारी है। चोरी की दर्जनों घटनाओं के बाद अब एक महिला के साथ सरेशाम लूट की घटना सामने आई है। बर्तन धूल रही महिला के सिर पर तमंचा लगाकर दो बदमाशों ने उससे आभूषण लूट लिए हैं।

ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के पूरे किशुनी मजरे अरखा गांव निवासी अनिल कुमार की पत्नी ममता शनिवार की शाम को अपने घर के सहन में ही बर्तन धूल रही थी। ममता का आरोप है कि तभी दो अज्ञात बदमाश आए और अचानक उसका मुंह दबा दिया। उसकी कनपटी पर कट्टा लगाकर साड़ी से गला कस दिया। ममता कुछ बोल पाती इससे पहले बदमाशों ने उसके गले से मंगलसूत्र, नाक की कील और पैर की पायल लूट लिया। बदमशों ने ममता को धमकी दिया कि कुछ बोला तो गोली मार देंगे। बदमाशों ने जाने से पहले उसे किसी नशीली दवा को सुंघाकर बेहोश कर दिया जिसके चलते वह बेसुध होकर जमीन पर गिर गई। परिजनों को जब तक जानकारी होती तब तक बदमाश भागने में कामयाब हो गए। परिजनों ने बेहोशी की हालत में ममता को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार किया गया और वहीं उसे होश आ गया। रात में ही डॉक्टर ने उसे घर भेज दिया। कार्यवाहक कोतवाल सियाराम राजपूत ने बताया कि घटना की छानबीन की जा रही है।

लूट की शिकार पीड़िता ममता।

शिविर में 65 लोगों ने कराया उपचार

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

स्वास्थ्य शिविर में रोगियों की जांच करती चिकित्सीय टीम। अमृत विचार

अमृत विचार। राष्ट्रीय सचल चिकित्सा इकाई रायबरेली वैन वन द्वारा रविवार को क्षेत्र के ग्राम पंचायत बैंती में एक दिवसीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वास्थ्य टीम द्वारा 65 मरीजों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर उनका उपचार किया गया एवं उन्हे दवाएं दी गई।

शिविर में आए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण चिकित्साधिकारी डॉ.आलोक वर्मा ने किया। उन्होंने ग्रामीणों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि बदलते मौसम में संक्रामक बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई व संतुलित आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने ग्रामीणों को नियमित रूप से स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह दी, ताकि बीमारियों का प्रारम्भिक स्तर पर ही उपचार सम्भव हो सके। इस मौके पर फार्मासिस्ट सत्येंद्र सिंह, स्टाफ नर्स कोमल वर्मा, लैब टेक्नीशियन नीतू शर्मा, अनिल कुमार ने सहयोग किया। टीम द्वारा रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन एवं सामान्य रोगों की जांच की गई। शिविर में 65 मरीजों ने लाभ उठाया।

डॉक्टर ने स्वस्थ रहने के दिए सुझाव, जगतपुर (रायबरेली)। रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरदी टीकर में मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। आरोग्य मेले में चिकित्सक सुफैल अंसारी ने 104 मरीजों का उपचार किया। इस दौरान उन्होंने मौसम के बदलने से बीमार होने वाले रोगियों को खान-पान में परिवर्तन करने तथा स्वस्थ रहने के अन्य सुझाव दिए। आरोग्य मेले में खांसी, जुखाम, बुखार, सर्दी, शुगर आदि रोगों के मरीजों का उपचार किया गया। इसके अलावां उन्हें निःशुल्क औषधियां भी प्रदान की गईं।

उधारी के पैसे मांगने पर हुई थी महिला की हत्या

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

- पुलिस ने दो महिला सहित पांच लोगों को भेजा जेल

अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के टटियापुर गांव में पैसे के लेनदेन को लेकर एक अक्टूबर को हुई महिला की हत्या का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। हत्या कर फरार चल रहे दो महिला सहित पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गंभीर चोट से महिला की मौत होने की पुष्टि हुई है।

कोतवाली क्षेत्र के टटियापुर मजरे बसंतपुर कठोइया गांव की मृतका प्रमिला देवी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत करके पैसा दिलाए जाने की मांग की थी। बताते है कि इसी मामले में आरोपी अमर बहादुर पुत्र दया राम, शिवम पुत्र अमर बहादुर, मनीष पुत्र रजऊ ने एक राय होकर लाठी डंडो व कुल्हाड़ी से प्रहार कर प्रमिला की हत्या कर दी।वहीं गुड्डी पत्नी अमर बहादुर और शंकर बख्श खेड़ा थाना खीरों निवासी धुन्नी देवी पत्नी सदाशिव पर उकसाने का आरोप है। कोतवाल ने बताया कि प्रमिला की हत्या को लेकर उसकी मां तुलसा देवी निवासी विक्रमपुर थाना गुरबक्शगंज ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया था। लेकिन जब मोबाइल फोन की कॉल डिटेल निकाली गई तो उसमें धुन्नी देवी फोन पर अपने भतीजे शिवम को ललकार रही थी कि लाठी डंडा लेकर के जाना और मार के बिछा देना। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अमर बहादुर ने प्रमिला देवी से एक लाख 15 हजार रुपए उधार लिया था। अमर बहादुर पैसे वापस नहीं कर रहा था जिसको लेकर आए दिन विवाद होता था। आरोपी अमर बहादुर, शिवम और मनीष को रणमऊ बसंतपुर कठोइया तिराहे के पास से पकड़ा गया है। वहीं दोनों महिलाओं को टटियापुर गांव के पास से पकड़ा गया है। पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह, उप निरीक्षक मोहित, सुभाष रहे।

आयोजन मुख्य विकास अधिकारी ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान रैली का किया शुभारंभ

पूरी निष्ठा से जनपद को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें

संवाददाता, रायबरेली

चक अहमदपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छता की शपथ लेते अधिकारी। अमृत विचार

अमृत विचार। चक अहमदपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय से सीडीओ अर्पित उपाध्याय ने विशेष संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान रैली का शुभारंभ किया। इस अवसर पर दस्तक अभियान के अंतर्गत लोगों को साफ सफाई, स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के अधिकारी व कर्मचारी पूरी निष्ठा, लगन के साथ जनपद को स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। डीएम ने सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान पांच अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक संचारी अभियान तथा दस्तक अभियान 11 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक जनपद में गंभीरता के साथ संचालित करें। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग, नगर विकास विभाग, पंचायती राज/ग्राम्य विकास, पशुपालन विभाग, बाल विकास एवं पुष्टाहार, शिक्षा, दिव्यांगजन सशक्तिकरण, कृषि एवं सिंचाई, उद्यान एवं सूचना विभाग समन्वित रूप से कार्यवाही संपादित कराएंगे। डीएम ने निर्देशित करते हुए कहा है कि इस महत्व पूर्ण जनहित कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी।

इस मौके पर बीएसए राहुल सिंह, जिला मलेरिया अधिकारी रमेश चंद्र यादव, प्रभारी स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डीएस अस्थाना, एपिडमोलॉजिस्ट डॉ. ऋषि बागची, यूनिसेफ कॉर्डिनेटर वंदना त्रिपाठी, जेई कंसल्टेंट नकवी समस्त मलेरिया, फाइलेरिया निरीक्षक एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कीटनाशक दवाओं के छिड़काव का दिया निर्देश

मुख्य विकास अधिकारी ने संचारी रोग अभियान के तहत साफ सफाई, स्वच्छता, एंटी लारवा छिड़काव, फागिंग, नाला नालियों की सफाई, तालाबों/पोखरों के पास की झाड़ियों की सफाई, सूअर बाड़ों की सफाई तथा कीटनाशक दवाओं का छिड़काव का कार्य शत प्रतिशत सुनिश्चित कराये जाने हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। वहीं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा ने बताया कि अभियान को संपादित कराने हेतु 387 एएनएम, 2634 आशा कार्यकत्री, 2443 आंगनबाड़ी कार्यकर्ती को लगाया गया है। जनपद के 980 ग्राम पंचायतों सहित 1551 राजस्व ग्रामों तथा एक नगर पालिका सहित कुल नौ नगर पंचायतों के कुल 144 वार्डो में संचारी रोगो की रोकथाम संबंधी गतिविधियां साफ-सफाई, कचरा निस्तारण, जलभराव रोकने, शुद्ध पेयजल उपलब्धता पर विशेष ध्यान देते हुए सभी सहयोगी विभागों द्वारा व्यवहार परिवर्तन व प्रचार प्रसार कराएंगे।

बैंती-पिपरी सम्पर्क मार्ग बदहाल

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

बदहाल बैंती-पिपरी सम्पर्क मार्ग पर हुआ जलभराव। अमृत विचार

चलना हुआ दुश्वार

अमृत विचार। क्षेत्र में दर्जनों गांवों को बांदा बहराइच हाईवे से जोड़ने वाला बैंती तकिया चौराहा-पिपरी खडण्जा मार्ग जर्जर एवं बदहाल हो गया है जिस पर साधन से चलना दूर की बात लोगों को पैदल चलना दुश्वार हो गया है।

पिछले कई सालों से भवानीगढ़ - सूरजपुर सम्पर्क गड्ढों में तब्दील होने के चलते दर्जनों गांवों का इसी सम्पर्क मार्ग से आगमन है। बताते चले कि तकिया चौराहे से मां चामुण्डा विद्यालय तक लगा खड़ंजा जगह-जगह जर्जर एवं गड्ढों में तब्दील हो गया है। इसी सम्पर्क मार्ग पर प्राथमिक विद्यालय बैंती प्रथम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बैंती, आंगनबाड़ी केंद्र स्थित होने के साथ ही देहली, सूरजपुर, दुर्गा खेड़ा, अनूप खेड़ा, पूरे तिलकराम, पूरे राजाराम, निहाल खेड़ा, जसवंत खेड़ा, भैरमपुर, चितवनिया, जगन्नाथपुर,रायपुर, अनूप खेड़ा, मथुरा नगर आदि दर्जनों गांवों के राहगीरों का आवागमन रहता है। जगह-जगह खड़ंजा जर्जर एवं बदहाल होने से राहगीरों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

इस सम्पर्क मार्ग के डामरी करण के लिए जिला पंचायत सदस्य अंजली पासी ने संबंधित विभाग को पत्र लिखा है। वहीं इस बाबत जब पीडब्ल्यूडी विभाग के जेई अमन यादव से बात की गई तो उन्होंने बताया कि छूटी कड़ी योजना के तहत करीब 1200 मीटर लम्बे इस सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण के लिए शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। स्वीकृत मिलने पर डामरीकरण कराया जाएगा।

स्मृति के दौरे से अमेठी की सियासत गरमाई, भाजपा खेमे में जोश, कांग्रेस में बढ़ी बेचैनी

केशव बाजपेयी, अमेठी

अमृत विचार। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के एक दिवसीय दौरे ने अमेठी की राजनीति में अचानक उबाल ला दिया है। उनके पहुंचते ही भाजपा के कार्यकर्ताओं में गजब का जोश और उत्साह देखने को मिला है। पंचायत चुनाव से ठीक पहले हुए इस दौरे को भाजपा अपने लिए शुभ संकेत मान रही है, जबकि विपक्षी दल, विशेष रूप से कांग्रेस के कई बड़े नेताओं में खासी बेचैनी और रणनीतिक हलचल साफ तौर पर दिखाई दे रही है।

जनपद में पूर्व केंद्रीय मंत्री के इस दौरे से सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। राजनीतिक जानकार इस दौरे को कई सियासी पहलुओं से जोड़कर देख रहे हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि यह

- जिले में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के पंचायत चुनाव से पहले दूसरे दौरे से सरगर्मी तेज

स्मृति ईरानी।

दौरा केवल मौजूदा पंचायत चुनावों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके जरिए 2027 के विधानसभा चुनाव की मजबूत नींव रखने की कोशिश की जा रही है। भाजपा नेता और कार्यकर्ता इस दौरे को महज एक सरकारी रस्म नहीं, बल्कि राजनीतिक दृष्टि से बेहद अहम बता रहे हैं। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा- स्मृति जी का आना संगठन के लिए ऊर्जा का संचार है। पंचायत चुनावों में जीत ही 2027 विधानसभा चुनाव की मजबूत नींव रखेगी। स्थानीय कार्यकर्ताओं का भी मानना है कि केंद्रीय मंत्री की सक्रियता पार्टी को गांव-गांव तक मजबूती प्रदान करेगी।

दूसरी ओर, राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि स्मृति ईरानी की इस आक्रामक सक्रियता ने कांग्रेस के कई दिग्गजों की नींद उड़ा दी है। उन्हें यह डर सता रहा है कि भाजपा की यह तैयारी उनके परंपरागत वोट बैंक को प्रभावित कर सकती है। नाम न छापने की शर्त पर एक कांग्रेसी पदाधिकारी ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि स्मृति ईरानी फायरब्रांड नेता हैं। उनका आक्रामक प्रचार हमारी जमीन खिसका सकता है। हालांकि,

कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ: सुधांशु

भाजपा जिला अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की अमेठी के प्रति विकास की सोच है। उनके आने से अमेठी के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है, उन्होंने जिस तरह से अमेठी का विकास किया है। जबकि कांग्रेस ने अमेठी की जनता को छला है और यह कांग्रेस की फितरत और आदत है। उन्होंने कहा कि आगामी पंचायत चुनाव में कार्यकर्ताओं की बदौलत बेहतर प्रदर्शन करेंगे, साथही आगामी लोकसभा में फिर से अमेठी की सासंद व मंत्री के रूप में वो प्रतिनिधित्व करेंगी।

सुधांशु शुक्ला।

स्मृति ईरानी के आने से कोई हलचल नहीं: अनिल

कांग्रेस जिला प्रवक्ता अनिल सिंह ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के आने से कोई हलचल नहीं है। उन्होंने बताया कि गांधी परिवार का अमेठी से वर्षों का पुराना रिश्ता है और वह रहेगा। हजारों करोड़ों की योजनाओं को सिर्फ मीडिया में ही दिखाया गया, जबकि धरातल पर कुछ नहीं दिख रहा है। कांग्रेस जैसे कार्य कर रही है, वैसे हमेशा करती रहेगी। अमेठी की जनता की सेवा में हमेशा कांग्रेस पार्टी के नेता और सभी कार्यकर्ता लगे रहेंगे, जिससे जिले का विकास संभव हो।

अनिल सिंह।

कांग्रेस के कुछ नेता औपचारिक तौर पर इस दौरे को केवल 'चुनावी पर्यटन' बताकर खारिज करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अंदरूनी तौर पर वे इसके संभावित राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं कर पा रहे हैं। विपक्ष के दिग्गज इस दौरे के कई गहरे सियासी मायने निकाल रहे हैं, जिससे उनकी बेचैनी और बढ़ गई है।

अमेठी में स्मृति ईरानी का राजनीतिक सफर: 2014 पहला लोकसभा चुनाव भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ अमेठी से उतारा। स्मृति ईरानी करीब 1 लाख वोट से हार गईं। 2014-2019 हार के बाद भी सक्रियता अमेठी को नहीं छोड़ा। 'दीदी आपके द्वार' कैंपेन शुरू किया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने 'दीदी' कहना शुरू किया तो 2019 दूसरा लोकसभा चुनाव गांधी परिवार के गढ़ रहे अमेठी में राहुल गांधी को हराकर जीत हासिल की और पहली बार सांसद चुनी गईं। फरवरी 2024 अमेठी में आवास मेदन मवई गांव में घर बनवाया और गृहप्रवेश कर अमेठी की वोटर बनीं। उन्होंने घोषणा की कि अब यहीं रहेंगी। वहीं 2024 में तीसरे लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा से मुकाबला किया। हालांकि इसमें स्मृति ईरानी 1.67 लाख से अधिक वोटों से चुनाव हार गईं।

जिले में मतदाता सूची से हटेंगे 2.57 लाख संभावित डुप्लीकेट मतदाता

जल्द शुरू की जाएगी हटाने की कार्यवाही, बीएलओ तैयार कर रहे मतदाता सूची

अरविंद श्रीवास्तव, अमेठी

अमृत विचार। आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने की दिशा में राज्य निर्वाचन आयोग ने बड़ा कदम उठाया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कराई गई मतदाता सूची की जांच में जिले की 682 ग्राम पंचायतों की सूची में करीब 2.57 लाख संभावित डुप्लीकेट मतदाता पाए गए हैं। इनको मतदाता सूची से हटाए जाने की कवायद शुरू की जा रही है।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर, जिला निर्वाचन कार्यालय में विशेष एआई सॉफ्टवेयर की सहायता से विधानसभा, लोकसभा, निकाय और पंचायत चुनाव की मतदाता सूचियों का मिलान कराया गया था।

इस क्रॉस-चेकिंग में जिले के 13 ब्लॉकों में कुल 2,57,471 संभावित डुप्लीकेट मतदाता सामने आए।

ऐसे पकड़े गए डुप्लीकेट वोटर: एआई सॉफ्टवेयर ने इलेक्टोरल रोल मैनेजमेंट सिस्टम के तहत मतदाता सूची अपलोड होने के बाद नाम, हुलिए, पते और उम्र जैसे विवरणों के आधार पर डुप्लीकेट और संदिग्ध वोटरों की छंटनी की। लोकसभा, विधानसभा, निकाय

अमेठी पंचायत की स्थिति (2021 के अनुसार)

मतदान केंद्र	942
मतदेय स्थल	2430
जिला पंचायत सदस्य	36
ग्राम प्रधान	682
क्षेत्र पंचायत सदस्य	877
ग्राम पंचायत सदस्य	8620।

और पंचायत चुनाव की सूचियों में दर्ज विवरणों को क्रॉस चेक करने पर, अलग-अलग गांवों, कई पुरवों और कस्बों में एक ही नाम वाले मतदाता मिले।

अब होगा भौतिक सत्यापन: इस संबंध में एडीएम अर्पित गुप्ता ने बताया कि इन सभी 2.57 लाख डुप्लीकेट मतदाताओं का बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) द्वारा भौतिक सत्यापन किया जा रहा है। बीएलओ इसका सत्यापन कर हस्तलिखित दस्तावेज सहायक निर्वाचक अधिकारी कार्यालय में जमा करेंगे। सत्यापन पूरा होने के बाद इन नामों को सूची से हटाया जाएगा और सूची को संशोधित किया जाएगा।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की स्थिति

जिले में 19 अगस्त से 29 सितंबर तक बीएलओ ने घर-घर जाकर नए मतदाताओं को जोड़ने, संशोधन, डुप्लीकेट मतदाता हटाने और विलोपन के लिए सर्वे किया है। बीएलओ की रिपोर्ट के आधार पर ही नई मतदाता सूची तैयार होगी। अनंतिम संशोधित सूची-5 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी। अंतिम संशोधित सूची-15 जनवरी को प्रकाशित की जाएगी।

तेज रफ्तार डंपर की टक्कर बाइक सवार युवती की मौत, युवक गंभीर

संवाददाता, जगदीशपुर (अमेठी)

अमृत विचार। फोरलेन ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर बैठी 20 वर्षीय युवती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद डंपर चालक गाड़ी लेकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है।

हादसा जगदीशपुर कोतवाली क्षेत्र के श्रीरामगंज के पास स्थित फोरलेन ओवरब्रिज के पास हुआ। जहां मालतीपुर देवकली गांव की रहने वाली 20 वर्षीय सबनूर बानो गौहर का पुरवा गांव के रहने वाले अपने रिश्तेदार अली आलम के साथ बाइक से जायस की तरफ जा रही थी।

चालक फरार

- श्रीरामगंज के पास स्थित फोरलेन ओवरब्रिज के पास हुआ हादसा

तभी सामने से आ रहे अनियंत्रित डंपर ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में सबनूर बानो की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका रिश्तेदार अली आलम गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू कर दी है।घटना के बाद डंपर चालक गाड़ी लेकर मौके से भागने में कामयाब रहा है। वहीं जगदीशपुर एसएचओ धीरेंद्र कुमार यादव ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है और फरार डंपर चालक की तलाश की जा रही है।

सड़क हादसे में युवक की मौत, परिवार में मचा कोहराम

अमेठी, अमृत विचार। शनिवार देर शाम पिंडोरिया महराज पुर निवासी 25 वर्षीय संतोष यादव मजदूरी करके शाम के समय पैदल घर के लिए लौट रहा था। जब वह श्री का पुरवा नौगिरवा पानी की टंकी के पास पहुंचा था, तभी एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची अमेठी कोतवाली पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं प्रभारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गई है। तहरीर मिलने के बाद विधिक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अज्ञात वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ेगी अपनी जनता पार्टी: स्वामी प्रसाद

राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य का स्वागत करते कार्यकर्ता। अमृत विचार

संवाददाता, अमेठी

अमृत विचार। अखिल भारतीय मौर्य महासंघ द्वारा आयोजित सम्राट अशोक विजयादशमी महोत्सव में शामिल होने प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य अमेठी पहुंचे। जहां उन्होंने मौर्य समाज के लोगों को संबोधित किया। कार्यक्रम में मौर्य महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष के अलावा बड़ी संख्या में स्थानीय नेता और कार्यकर्ता शामिल हुए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी प्रदेश के सभी सीटों पर लड़ेगी और जरूरत पड़ी तो गठबंधन भी करेंगे।

दरसअल अमेठी विधानसभा क्षेत्र के मुराई का पुरवा गांव में अखिल भारतीय

- सम्राट अशोक विजयादशमी कार्यक्रम में शामिल होने अमेठी पहुंचे स्वामी प्रसाद मौर्य

मौर्य महासंघ द्वारा आयोजित सम्राट अशोक विजयदशमी महोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री और अपनी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अद्यक्ष अमेठी पहुंचे थे। कार्यक्रम में मौर्य महासंघ के प्रदेश अद्यक्ष समेत बड़ी संख्या में महासंघ के नेता और कार्यक्रता शामिल हुए। स्वामी प्रसाद ने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। पूर्व मंत्री ने कहा कि बाबा बागेश्वर हिंदू राष्ट्र की मांग कर रहे हैं लेकिन उनके बाप-दादा ने कभी हिंदू राष्ट्र की लड़ाई लड़ी ही नहीं। तुम क्या जानो इस देश की आजादी के लिए 30 लाख लोगों ने अपनी शहादत दी है।

संदिग्ध हालात में पेड़ से लटकता मिला युवक का शव

संवाददाता, तिलोई (अमेठी), अमृत विचार। रविवार को एक युवक का शव उसी के घर के बगल पेड़ से लटकता मिला। मामले की जानकारी तब हुई जब गांव के लोग सुबह शौच के लिए जा रहे थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच में जुट गई है।

धर्मेंद्र कुमार यादव की फाइल फोटो।

शिवरतनगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम राजापुर हलीम निवासी धर्मेन्द्र कुमार यादव (35) पुत्र माताफेर यादव का संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर बाग में पेड़ में शव लटकता हुआ मिला। इसकी जानकारी गांव वालों को तब हुई जब गांव वाले शौच के लिए गांव के बाहर निकले। गांव वालों ने आनन-फानन घटना की सूचना परिजनों को दी। युवक दो बहनों का इकलौता भाई था। बहनों की शादी काफी पहले हो गई थी। धर्मेन्द्र की शादी पास के गांव बाबू का पुरवा मजरे अकबरपुर फर्शी से सुदामा के साथ हुई थी। धर्मेंद्र के एक दस वर्षीय पुत्र एवं दो पांच वर्षीय जुड़वां बेटियां थीं। ग्रामीणों की मानें तो वह शराब पीने का आदी था। अभी हाल के दिनों में ही वह अपनी पत्नी तथा बच्चों को मारपीट कर ससुराल छोड़ आया था। उसने माता पिता को भी घर से मारपीट कर घर से बाहर भगा दिया था, जो सेमरौता किसी रिश्तेदारी में रह रहे थे, जबकि वह घर पर अकेला था। वहीं पूरे मामले में थानाध्यक्ष शिवरतनगंज विवेक सिंह ने बताया कि मामला प्रथम दृष्टया आत्म हत्या का प्रतीत हो रहा है। युवक के शव को कब्जे में लेकर पीएम हेतु भेज दिया गया।

न्यूज ब्रीफ

प्रधान के खिलाफ आमरण अनशन शुरू

अमेठी : गंगौली गांव में ग्राम पंचायत की सुरक्षित भूमि पर अवैध अतिक्रमण और विकास कार्यों में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं को लेकर ग्रामीणों ने रविवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया है। यह कदम उनके पिछले एक सप्ताह से चल रहे अनिश्चितकालीन धरने पर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने के बाद उठाया गया है। रविवार से ही गंगौली गांव में ग्रामीण और भारतीय किसान यूनियन भाकियू के सदस्य जिलाध्यक्ष राजकुमार पांडेय के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन कर रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि पूर्व प्रधान ने पहले सरकारी जमीन का अवैध पट्टा किया था। शिकायत के बाद एडीएम ने भले ही इस कार्रवाई पर रोक लगा दी थी, लेकिन बैनामा करवा लिया गया। इस विरोध प्रदर्शन और आमरण अनशन में प्रेम शंकर द्विवेदी, ज्ञानेंद्र सिंह, विजय शंकर द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

डकौली गांव में दंगल का हुआ आयोजन

लालगंज (रायबरेली) : क्षेत्र के डकौली गांव में शिव भजन और रामू पासवान के द्वारा दंगल का आयोजन किया गया। दंगल में पहलवानों ने अपना दमखम दिखाते हुए शानदार कुश्ती प्रस्तुत किया। आयोजक मंडल के द्वारा दंगल में कुश्ती लड़ने वाले पहलवानों को पुरस्कृत किया गया। कुश्ती में पुरस्कार पाने वाले पहलवानों में बादल, सूरज ,राजेंद्र ,राजेश, टाइगर, विशाल शामिल रहे, जिन्होंने अपनी पहलवानी का जौहर दिखा कर लोगों को खुश कर दिया। इस मौके पर आयोजक मंडल ने कहा कि कुश्ती जैसी प्रतियोगिताओं से समाज में सामाजिक समरसता की भावना जागृत होती है ,वही व्यक्ति स्वस्थ भी रहता है। इस मौके पर समाजसेवी चंदन त्रिवेदी, रामकुमार यादव, रिंकू मिश्रा, विकास मिश्रा, राधा कृष्ण यादव, शिव अधार यादव, आदित्य यादव, किसुन बिहारी, राम प्रकाश, राम सजीवन, दुखी लाल, होरीलाल, रामकुमार, उमेश आदि रहे।

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

रायबरेली : सर्पदंश न्यूनीकरण कार्यक्रम के अन्तर्गत महात्मा गांधी सभागार विकास भवन में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में 50 चिकित्साधिकारियों ने भाग लिया। राहत आयुक्त भानूचंद्र गोस्वामी ने सर्पदंश के बढ़ते मामलों को देखते हुए चिकित्सकों को वैज्ञानिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करने पर जोर दिया। राज्य स्तर पर प्रबंधक कार्मिक शांतनु द्विवेदी ने समन्वय का दायित्व संभाला। सर्पदंश कंसल्टेंट काव्या शर्मा ने प्रशिक्षण की रूपरेखा तकनीकी विषय वस्तु तैयार किया। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी अमृता सिंह, जन स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. ऋषि बागची, डॉ. गौरव पाण्डेय, डॉ. सचिन निगम, अंकित पाण्डेय, एके भारद्वाज, रितेश पाण्डेय, डॉ. इफ्तिखार अहमद, डॉ. पीके गुप्ता आदि रहे।

प्यासे को पानी पिलाना पुनीत कार्य : जितेन्द्र

डीह (रायबरेली) : कस्बा डीह में चल रहे दशहरा मेला में व्यापार मंडल की ओर से निशुल्क मिष्ठान व प्याऊ की व्यवस्था की गईं। जिसका उद्घाटन थानाध्यक्ष डीह ने फीता काटकर किया। थाना प्रभारी जितेन्द्र मोहन सरोज ने कहा की लोगों को शुद्ध जल पिलाना सबसे पुनीत कार्य है। इस अवसर पर शिव प्यारे अग्रहरि, नंदकुमार पाल, हरिओम अग्रहरि, राजेंद्र गुप्ता, शिवकुमार विश्वकर्मा, हेरम्ब शुक्ला, अजय रावत, रवि, नन्हे अंसारी, बब्बू यादव, लक्ष्मण रावत, सौरभ अग्रहरि, नितिन अग्रहरि, रामु अग्रहरि, शीतल अग्रहरि, उमेश सोनी, उमेश चौरसिया, आदर्श अग्रहरि आदि लोग मौजूद रहे।

सिटी डायरी

समाजसेवी शैलेंद्र अग्निहोत्री को जिला उपाध्यक्ष बनने पर सम्मानित करते यूपी ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीशचंद्र मिश्रा।

संस्कार भारती के जिला उपाध्यक्ष बने शैलेन्द्र अग्निहोत्री

रायबरेली, अमृत विचार। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की इकाई संस्कार भारती की बैठक शहर के एक प्रतिष्ठित होटल में आयोजित की गई। इस दौरान सर्वसम्मति से यूपी ललित कला अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी व पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख सरेनी शैलेंद्र अग्निहोत्री को रायबरेली का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर समाजसेवी शैलेंद्र अग्निहोत्री ने खुशी जताते हुए कहा कि संस्थान से मिले दायित्वों को पूरी ईमानदारी से निर्वहन करूंगा। साथ ही उन्होंने सामाजिक योगदान देने का संकल्प लिया। इस दौरान नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष का स्वागत किया गया। वहीं अकादमी के उपाध्यक्ष गिरीश चंद्र मिश्रा ने कहा कि संस्कार भारती कला के साथ-साथ वैचारिक चिंतन की संस्था है। यह संस्था देश में साहित्य एवं संस्कृति को जीवंत बनाए रखने के लिए प्रयत्नरत है।

हरी झंडी दिखाते जिला पंचायत अध्यक्ष व डीएम।

संचारी रोगों के खिलाफ अभियान शुरू

अमेठी, अमृत विचार। जिले को संचारी रोगों से मुक्त करने के लिए आज विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान और दस्तक महाअभियान की शुरुआत की गई। गौरीगंज स्थित संयुक्त चिकित्सालय परिसर से इस अभियान का शुभारंभ किया गया, जहां जिलाधिकारी संजय चौहान और जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश अग्रहरि ने जन-जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. बद्री प्रसाद अग्रवाल व अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। यह अभियान 5 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक जिले भर में संचालित होगा, जिसमें लोगों को संचारी रोगों से बचाव के लिए जागरूक किया जाएगा। अभियान में स्वास्थ्य विभाग के साथ कुल 12 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की गई है।

पथ संचलन निकालते स्वयंसेवक।

स्वयंसेवक ने निकाला पथ संचलन

अमेठी, अमृत विचार। रविवार को संघ का शताब्दी वर्ष बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें जगदीशपुर, अमेठी, मुंशीगंज , तिलोई आदि सभी जगह पर पथ संचलन के साथ लगे जय घोष। ग्रामीण एवं व्यापारियों ने जगह-जगह पुष्प डाल कर स्वयं सेवकों का स्वागत किया जगदीशपुर प्रतिनिधि के अनुसार कस्बे के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर पथ संचलन का घोष के तर्ज पर गूंजा। इस मौके पर जगदीशपुर विधायक सुरेश पासी , मान सिंह राठौर, गौरव शिवराज सिंह, सुरेश यज्ञ सैनी आदि सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

गंगा तट के किनार साफ-सफाई करते लोग। अमृत विचार

गंगा सेवकों ने स्वच्छता का दिया संदेश

डलमऊ, रायबरेली, अमृत विचार। मां गंगा के आंचल को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य से रविवार को पंचामृत गंगा सेवा समूह के गंगा सेवकों द्वारा गंगा तट डलमऊ के पथवारी घाट के साथ पार्क को कचरा मुक्त करने के लिए सघन स्वच्छता अभियान चलाया गया। इसमें समूह के गंगा सेवकों ने पार्क और गंगा तट की झिल्ली, गंदे कपड़े, झाड़ियां और यात्रियों के द्वारा फैलाई गई गंदगी को उठाकर निस्तारण किया। स्नानार्थियों से कचरा न फैलाने का संदेश दिया। इस मौके पर संदीप मिश्रा, कृष्ण गुप्ता, अंश द्विवेदी, कृष्णांशु त्रिपाठी, राम हर्ष सोनकर, जय तिवारी, भोले तिवारी, दीनानाथ त्रिपाठी, अर्जुन त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

आयोजन — जगह-जगह कई चौराहों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का पुष्पों से भव्य स्वागत किया

दुर्गा पूजा महोत्सव के समापन पर निकाली शोभायात्रा

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

अमृत विचार। सलोन नगर में आयोजित बारह दिवसीय दुर्गा पूजा महोत्सव बड़ी धूमधाम के साथ संपन्न हो गया। समापन पर रविवार को कस्बे में मां दुर्गा की शोभायात्रा निकाली गई। जगह-जगह कई चौराहों पर श्रद्धालुओं ने शोभायात्रा का पुष्पों से भव्य स्वागत किया। इस दौरान मातारानी के जयकारों से वातावरण गूंज उठा।

जानकी पुरम सलोन बाईपास पर समाजसेवी प्रदीप गुप्ता के आवास पर स्थापित अम्बे माता की प्रतिमा की भी विसर्जन यात्रा निकाली गई। जिसके बाद मां दुर्गा व अन्य मूर्तियों को गोकर्ण घाट ऊंचाहार में भू विसर्जन कर दिया गया। कोतवाल राघवन कुमार अपनी फ़ोर्स के साथ प्रतिमा विसर्जन के दौरान मौजूद रहे। इस दौरान रामलीला दुर्गा पूजा कमेटी के अध्यक्ष विपिन कौशल संरक्षक चन्द्रशेखर, कपूर रस्तोगी, विपिन कौशल, पिन्टू अग्रहरी, शुभम साहू, रोहन साहू, दीपक साहू, आदि लोग मौजूद रहे।

सलोन में निकली माता रानी की विसर्जन शोभायात्रा। अमृत विचार

रामचरितमानस का अखंड पाठ करते लोग। अमृत विचार

रामचरितमानस अखंड पाठ आयोजित, लालगंज। शरद पूर्णिमा के अवसर पर उमाशंकर बाजपेई और रमाशंकर वाजपेई के द्वारा अटल चौक गांधी चौराहा स्थित एक रेस्टोरेंट में धार्मिक विधि विधान से रामचरितमानस का अखंड पाठ आयोजित किया गया। खागा फतेहपुर से पधारे प्रसिद्ध विद्वान पंडित राधेश्याम वाजपेई और उनके आचार्यों के द्वारा गीत संगीत के साथ रामायण का पाठ किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर पंडित राधेश्याम वाजपेई, अनुराग बाजपेई, आयुष वाजपेई, बाबी बाजपेई, रीतू बाजपेई, सुरेंद्रनाथ मिश्रा, सुशील शुक्ला, आदित्य बाजपेई, अनेक द्विवेदी, अर्नव बाजपेई, देवी कुमार गुप्ता, शिव प्रकाश पांडे, उमेश सिंह, कुलदीप सिंह, देवेश अग्निहोत्री, रमेश मिश्रा सहित रोहित, मुकेश, करुणा निवास द्विवेदी आदि मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

ईंट भट्ठा श्रमिक का लटका मिला शव

अतरौली, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के ग्राम पत्थर ताली स्थित ईंट भट्ठे पर काम करने वाले मजदूर का शव रविवार सुबह पेड़ पर फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। अतरौली थाना क्षेत्र के ग्राम नेवादा विजय निवासी मजदूर छोटेलाल उर्फ छोटई (45) ईंट भट्ठे पर ही झोपड़ी डालकर पत्नी छोटक्की और तीन पुत्रों के साथ रहकर ईंट काम करता था। पत्नी छोटक्की ने बताया कि छोटेलाल ने समूह से लोन लिया था। अबकी बार वह किस्त नहीं दे पाया था। मजदूरी की हफ्ते की रकम रविवार की शाम को ठेकेदार से मिली थी। उसके बाद खाना खा कर रात में ठेकेदार और एक अन्य व्यक्ति के साथ शराब पी थी, फिर घर से बाहर चले गये। लेन देन को लेकर तीनों में कहासुनी देर तक होती रही। रात 2 बजे तक छोटेलाल घर नहीं आया और पत्नी सो गयी। सुबह झोपड़ी से 20 मीटर दूर पेड़ पर छोटेलाल का शव लटकता मिला। इंस्पेक्टर सतीश चन्द्र ने बताया कि भाई जगदीश की सूचना पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

महिलाएं अधिकारों के प्रति सजग रहें : प्रियंका

टड़ियावां, हरदोई, अमृत विचार। मिशन शक्ति फेस 5 .0 अभियान के तहत क्षेत्र के गांव बोझवा में रविवार को जागरूकता गोष्ठी आयोजित की गई। थाने के उपनिरीक्षक विक्रांत गौतम व राजू प्रसाद ने गांव की महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों के जानकारी दी। महिला कांस्टेबिल प्रियंका शर्मा ने महिलाओं को उनकी सुरक्षा के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं के बारे में बताया। कांस्टेबिल प्रियंका ने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में महिलाएं 1090 वूमेन पावर लाइन, 112 आपातकालीन सेवा, 181 महिला हेल्पलाइन जैसे टोल फ्री नंबरों पर तुरंत सहायता प्राप्त कर सकती हैं। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वह डरें नहीं, अधिकारों के प्रति सजग रहें और किसी भी तरह की हिंसा या उत्पीड़न की स्थिति में तुरंत रिपोर्ट करें।

महिलाओं व किशोरियों को किया जागरूक

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के भुसेहरा गांव में रविवार को मिशन शक्ति 5 .0 अभियान के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं व किशोरियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, साइबर अपराध से बचाव और महिला सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी देते हुए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में महिला सब-इंस्पेक्टर अंजान सचान, महिला कांस्टेबल संध्या ने महिलाओं से संवाद किया। सब-इंस्पेक्टर ने सबसे पहले प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और महिलाओं से इनका लाभ लेने की अपील की।

संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान का किया शुभारंभ

हरदोई, अमृत विचार। जिले में चलाए जा रहे विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान का शुभारंभ रविवार को जिला महिला चिकित्सालय में नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र ने फीता काट कर व प्रचार प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भवनाथ पाण्डेय ने बताया कि रविवार से 31 अक्टूबर तक संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान चलाया जाएगा, जिसमें जन जागरूकता के साथ घर-घर दस्तक देकर बुखार, डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, टीकाकरण आदि की जानकारी दी जाएगी।

राम जैसा चरित्र होना और लक्ष्मण जैसा भाई मिलना सौभाग्य की बात

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई,

आध्यात्मिक सत्संग

- द्वितीय दिवस पर कामदगिरि पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य ने सुनाया प्रवचन

अमृत विचार। कस्बे के श्यामपुर आध्यात्मिक संत्संग एवं संत सम्मेलन के द्वितीय दिवस पर कामदगिरि पीठाधीश्वर जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य ने समाज राष्ट्र व देश का सुदृढ़ बनाने के लिए राम जैसे चरित्र की बहुत बड़ी आवश्यकता है। आजकल समाज में चरित्र का हनन हो रहा है। भाई भाई में सम्पति का बटवारा ही रह गया है। पहले के भाई विपत्ति का बटवारा करके कष्टों को कम करते थे।

रामकथा से चिंतन और उससे चिंतन उर्जा का शरीर में प्रवाह होता है। सत्संग मानव जीवन की बड़ी ही आवश्यकता है। मानव जीवन में सात्विकता आए तो उसके लिए रामकथा का सुनना और जरूरी है। मानव जीवन की जिन्दगी एक प्रवाह की तरह है जिसमें तरंगे और लहरे दिखाई पड़ती है। यह प्रवाह एक गति से चलता है। जब मानव आध्यात्मिक चिंतन से जुड़ जाता है तो जीवन में उर्जा प्रवाहित होती है।

उन्होंने कहा कि रामचरितमानस को घर-घर में पढ़ने की आवश्यकता है। उससे जीवन में सुख, शान्ति और जीवन में आनन्द आता है। हनुमान जी रामचरित मानस को सुनने के लिए लालायित रहते हैं " प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया, राम लखन सीता मन बसिय" रामचरित मानस एक प्रेरणा श्रोत है,परम उदार है सभी प्राणियों के हित के लिए बात कही गई है। रामचरित मानस विषाद से शान्ति की ओर ले जाती है। विज्ञान से बाहर की सुविधाए तो बढी है। अध्यात्म से खोया हुआ विश्वास मिलता है। आजकल जितनी भी समस्याएं है। उसका समाधान एक ही रामचरित मानस के इस भाव में, कर्म में और भावना में लाए।

जालौन से पधारी मिथिलेश्वरी ने बताया कि जगदीश से जुड़े रहे, तभी ईश्वर आपका कल्याण करेगा। समाज के अंदर पतन का कारण केवल सोच है। हमें अच्छी सोच के द्वारा मानव को मानवीय मूल्यो को बढ़ाना चाहिए। भगवान की कथा से आपको भौतिक सुख और आनन्द मिलता है। माया का अधिकार ईश्वर पर नहीं जीव पर होता है। जीवात्मा परमात्मा का अंश है "ईश्वर अंश जीवन अविनाशी"। कथा लोक और परलोक दोनों सुधारती है। रामकथा को अपने जीवन में उतारने का प्रयास करना चाहिए। जगतगुरु पारीक्षा पीठाधीश्वर महावीर दास महाराज ने बताया कि जिस शान्ति को हम चाहते है। वह केवल आध्यात्मिक मंच है जिसमे आपको आत्मा का परमात्मा का मिलन बताते हैं। संत की वाणी हमारे जीवन में अंधेरा मिटा देती है और सत्य मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित व जाग्रत करती है। है।

संत सम्मेलन में बोलते जगद्गुरु रामस्वरूपाचार्य व आध्यात्मिक सत्संग में मौजूद श्रद्धालु। ● अमृत विचार

जीएसटी रिफॉर्म्स से जीडीपी होगी मजबूत : संतोष

जीएसटी दरों में कमी से होने वाले फायदे बताने को लेकर चार विधानसभाओं के व्यापारी सम्मेलन संपन्न

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। विधानसभा क्षेत्र का व्यापारी सम्मेलन मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सदस्य विधान परिषद संतोष सिंह की उपस्थित एवं मंत्री नितिन अग्रवाल की अध्यक्षता में एक होटल में सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि ने व्यापारियों को संबोधित करते हुए कहा कि जीएसटी रिफॉर्म्स का जो ऐतिहासिक निर्णय केंद्र सरकार ने लिया है, उससे न केवल उपभोक्ताओं बल्कि व्यापारियों को भी बड़ा लाभ हो रहा है, जिससे देश की जीडीपी मजबूत होगी।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि जीएसटी दरों में कमी से बाजार में उत्साह है, जिससे रोजमर्रा की चीजों के तो दाम कम ही हुए है और वाहनों की दरों में बढ़ी कमी का लाभ मध्यमवर्गीय लोगों को सीधा मिल रहा है। सम्मेलन में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने भी व्यापारियों से आग्रह किया कि वे मोदी जी के इस कदम से बाजार में आए उत्साह का बढ़ चढ़कर स्वागत करें और जीएसटी रिफॉर्म्स का लाभ जनता को दिलाएं और इसका प्रचार प्रसार करे ताकि ग्राहक आकर्षित हो और लाभ उठाएं। समापन करते हुए जिला अभियान संयोजक प्रीतेश दीक्षित ने आए व्यापारियों का आभार व्यक्त करते हुए सभी व्यापारियों को आत्मनिर्भर भारत संकल्प की शपथ दिलाई। संचालन अतुल सिंह ने किया। कार्यक्रम में पवन जैन, टीटू गुप्ता, विमलेश दीक्षित, कपिल गुप्ता, जयभगवान अग्रवाल, विकास गुप्ता, आशीष गुप्ता सहित व्यापारी व उपभोक्ता मौजूद रहे। शाहाबाद ब्लाक सभागार में जीएसटी रिफॉर्म्स विषय पर व्यापारियों एवं उपभोक्ताओं का विधानसभा सम्मेलन उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रमापति शास्त्री भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। सम्मेलन में जीएसटी की संशोधित दरों एवं सुधारों को लेकर व्यापारियों व उपभोक्ताओं के बीच संतोषजनक संवाद हुआ। रमापति शास्त्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों का उद्देश्य व्यापार को सुगम बनाना तथा टैक्स प्रणाली को अधिक पारदर्शी करना है। भाजपा जिला उपाध्यक्ष संदीप सिंह, महामंत्री सत्येंद्र सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, जनप्रतिनिधि, एवं गणमान्यजन मौजूद रहे।

बिलग्राम विधानसभा क्षेत्र का व्यापारी सम्मेलन मुख्य अतिथि सदस्य विधान परिषद मुकेश शर्मा की उपस्थित एवं विधायक आशीष सिंह आशू की अध्यक्षता में एक गेस्ट हाउस मल्लावां में सम्पन्न हुआ। जिसमें संचालन जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह गुड्डू ने किया। संडीला विधानसभा क्षेत्र का व्यापारी सम्मेलन मुख्य अतिथि विधायक श्रीकांत कटियार की उपस्थित एवं विधायक अलका अर्कवंशी की अध्यक्षता में एक गेस्ट हाउस संडीला में सम्पन्न हुआ। जिसका संचालन जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह ने किया।

जीएसटी सुधार को लेकर आयोजित व्यापारी सम्मेलन को संबोधित करते अतिथि। ● अमृत विचार

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने निकाला पथ संचलन

शाहाबाद, हरदोई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नगर क्षेत्र में राम वाटिका चौक से रविवार की शाम विशाल पथ संचलन निकाला गया। जो चौक, सराफा बाजार, सदर बाजार, घंटाघर, घास मंडी, गुलाब बैंड चौराहा, आरपीएम इंटर कॉलेज, सिनेमा चौराहा, बस स्टैंड, महुआ टोला चुंगी, सरदारगंज बालाजी मंदिर होते हुए सीधे राम वाटिका पहुंचा, जहां पथ संचलन कार्यक्रम का समापन हुआ। इस मौके पर प्रांत धर्म जागरण प्रमुख सुरेंद्र, विभाग संगठन मंत्री मनीष, जिला प्रचारक अनिल, जिला संपर्क प्रमुख गिरीश, खंड कार्यवाहक प्रवीण सिंह, सह खंड कार्यवाह श्याम जी गुप्ता, जिला खंड कार्यवाह सचिन, भाजपा के नगर अध्यक्ष अनिल पांडे पिंटू, क्षेत्र पंचायत प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र व बड़ी संख्या में संघ के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल की नहीं सुधरी हालत, 41वें दिन मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। करीब 41 दिन पूर्व मजदूरी के बाद साइकिल से घर लौट रहे श्रमिक को बाइक सवार ने टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल अधेड़ का लखनऊ और फिर शाहजहांपुर के एक निजी हास्पिटल में इलाज चला, लेकिन इसके बावजूद उसकी जान नहीं बच सकी। रविवार की सुबह मौत हो गई।

शाहाबाद कोतवाली के सहारा गांव निवासी सोनपाल (55) पेशे से मज़दूर था। 24 अगस्त को सोनपाल मज़दूरी के बाद शाहाबाद को साइकिल से लौट रहा था। उसी बीच शाहाबाद-पाली रोड पर खेड़ा तिराहा गैस गोदाम के पास तेज़ रफ्तार बाइक ने उसे सामने से टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल सोनपाल को मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया। जहां से उसे लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। सोनपाल के बेटे तुलसीराम ने बताया कि कुछ दिनों बाद वहां के डाक्टरों ने जवाब दे दिया। उसके बाद शाहजहांपुर के एक निजी हास्पिटल ले गए। वहां भी शनिवार की रात डाक्टरों ने जवाब दे दिया। रविवार की सुबह गांव लाते समय सेहरामऊ के पास उनकी मौत हो गई। सोनपाल के परिवार में पत्नी रंजना देवी, दो बेटे तुलसीराम व रंजीत कुमार के अलावा दो बेटियां है,जिनकी शादी हो चुकी है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक लापता

बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। नगर के कृष्णानगर निवासी 22 वर्षीय युवक शनिवार को अचानक लापता हो गया। शाम तक वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। नगर के कृष्णानगर निवासी मोहम्मद शमीम का 22 वर्षीय पुत्र मढपाई गांव स्थित नदी किनारे अपना खेत बाइक से देखने गया था, ज़ब वह देर शाम तक नहीं लौटा और मोबाइल पर भी सम्पर्क नहीं हों पाया तो इसकी सूचना पुलिस को दी और तलाश में गांव पहुंचे जहां उसके कपड़े, चप्पल और मोटरसाइकिल रखे मिले लेकिन उसका कुछ भी पता नहीं चला, परिजन किसी अनहोनी को लेकर बदहवास दिखे, मां और परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

किशोरी से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जिले की एक पीएचसी पर तैनात वार्डआया की नाबालिग बेटी से एम्बुलेंस-102 के ड्राइवर ने बहाने से अपने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद धमकी देकर फरार हो गया। कई दिन बाद जब पीड़िता ने मां को घटना की जानकारी दी तो पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी। एसपी अशोक कुमार मीणा ने आरोपी पर 25 हज़ार का ईनाम रखा था। शनिवार की रात पुलिस से हुई मुठभेड़ में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया।

बताते चलें कि 14 सितंबर को एक पीएचसी पर तैनात वार्ड आया की 15 साल की बेटी उसे खाना देने के बाद वापस जा रही थी। तभी वहां मौजूद एम्बुलेंस-102 के ड्राइवर मान सिंह यादव ने उसे बहाने बुलाया और अपने कमरे में ले जाकर जबरन दुष्कर्म किया। किशोरी को धमकी दी कि अगर कहीं कुछ बताया तो अंजाम खतरनाक होगा। डर की वजह से पीड़िता ने परिजनों को कुछ नहीं बताया। लेकिन तकलीफ बढ़ने पर उसने अपनी मां को सारी बात बता दी। वार्डआया ने मंगलवार को पुलिस को की तहरीर देते हुए एम्बुलेंस ड्राइवर मान सिंह यादव निवासी वज़ीरगंज थाना कलान शाहजहांपुर के खिलाफ पॉक्सो और एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया।

शनिवार की देर शाम पाली पुलिस का पता चला कि ईनामी दुष्कर्मी गौरा उदयपुर मोड़ पर कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। जिस पर एसएचओ पाली सोमपाल गंगवार ने एसआई अतुल शर्मा, एसआई विक्रांत चौधरी और एसआई विशाल तिवारी की पूरी टीम के साथ गौरा उदयपुर मोड़ पर घेराबंदी कर दी। पुलिस को देखते ही आरोपी ने गोली चला दी, बचाव में पुलिस की तरफ से चलाई गई गोली उसके दाहिने पैर में लगी और वह वहीं गिर पड़ा। पुलिस टीम उसे सीएचसी सवायजपुर ले गई, जहां से उसे मेडिकल कालेज के लिए रेफर कर दिया गया।

मुठभेड़ में घायल आरोपी को ले जाती पुलिस।

- एम्बुलेंस-102 के चालक ने 14 सितंबर को पीएचसी पर मां के लिए खाना लेकर आई उसकी बेटी से किया था दुष्कर्म
- गिरफ्तारी के लिए रखा गया था 25 हजार का ईनाम

एक दिन की थाना जीआरपी प्रभारी बनी छात्रा

मिशन शक्ति अभियान

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं में आत्मविश्वास व नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से शनिवार को थाना जीआरपी हरदोई में एक विशेष पहल की गई।

इस अवसर पर डाल सिंह मेमोरियल हाईस्कूल की कक्षा 10 की छात्रा शिवांशी वर्मा को एक दिन के लिए थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर छात्रा ने थाना कार्यालय और महिला हेल्पडेस्क का निरीक्षण किया। उन्होंने आगंतुकों की समस्याएं सुनीं और पुलिस कार्यप्रणाली से जुड़ी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने महिला सुरक्षा से संबंधित मामलों पर विस्तृत जानकारी ली और मौजूद पुलिसकर्मियों के साथ संवाद भी किया।

थाने में शिकायतें सुनती छात्रा। ● अमृत विचार

पुलिस अधिकारियों ने दिए सुरक्षा के टिप्स

एक दिन की थाना जीआरपी प्रभारी बनी छात्रा शिवांशी वर्मा ने न केवल कार्यप्रणाली को समझा बल्कि महिला सुरक्षा को लेकर अपनी सोच भी साझा की। पुलिस अधिकारियों ने समझाया कि किस प्रकार पुलिस विभाग समाज में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ महिलाओं की सुरक्षा को लेकर विशेष प्रयास करता है। साथ ही बालिकाओं को यह भी बताया गया कि वे स्वयं भी समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की क्षमता रखती हैंकार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक, छात्र-छात्राएं और पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

विधायक ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। विकास खंड के राभा गांव में एक नए आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन किया गया। मुख्य अतिथि विधायक श्याम प्रकाश ने फीता काटकर केंद्र का शुभारंभ किया। यह केंद्र बच्चों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। विधायक ने बताया कि इन केंद्रों का मुख्य उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना है। ब्लाक प्रमुख कुशी बाजपेयी ने पोषण संबंधी जानकारी और सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला।

मेले का शुभारंभ करतीं उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी। अमृत विचार

इनरव्हील क्लब डीओडी दीप जश्न मेले का मंत्री ने किया शुभारंभ

हरदोई, अमृत विचार। इनरव्हील क्लब ऑफ हरदोई डीओडी के तत्वावधान में रविवार को शहर के श्रीश चंद बारात घर में दीप जश्न मेला का उद्घाटन राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने किया। उन्होंने मेले में लगे स्टालों का निरीक्षण किया। मेले में घरेलू उत्पादों की दुकानें सजाई गई हैं। क्लब की अध्यक्षा पारुल तिवारी ने बताया कि मेले में आकर्षक परिधान, आभूषण, गृह सज्जा सामग्री, दीपावली विशेष आइटम, बच्चों के मनोरंजन के झूले व गेम्स तथा स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टॉल लगाए गए हैं। साथ ही मेहंदी, नेल आर्ट, टैटू, ब्यूटी केयर और सरप्राइज गिफ्ट भी है। इस अवसर पर क्लब की चार्ट प्रेसिडेंट चित्र बाजपेई, अनुराधा मिश्रा, उपाध्यक्ष इंदू शुक्ला, कोषाध्यक्ष प्रीति तिवारी, आईएसओ डॉ. सोहिनी दीक्षित, संपादिका नीलम सिंह मौजूद रहीं।

बेटे व बेटी के साथ लापता हुई महिला, तलाश में जुटी पुलिस

हरदोई, अमृत विचार। मां अपने बच्चों को स्कूल से ले कर घर के लिए निकली,लेकिन वहीं से कहीं गायब हो गई। पता तब चला जब उसका पति स्कूल पहुंचा,जहां उसे बताया गया कि दोनों बच्चे काफी देर पहले अपनी मां के साथ जा चुके है। 23 सितंबर से गायब हुई मां और उसके बच्चों का कोई सुराग़ नहीं लग सका,दी गई तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरु कर दी है।

कोतवाली देहात के सरोजनी नगर सीतापुर रोड निवासी अमरपाल की पत्नी सोनी देवी (30) अपने 8 वर्षीय बेटे अभय व 11 वर्षीय बेटी परी के साथ 23 सितंबर से लापता है। अमरपाल ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसके दोनों बच्चे सरस्वती विद्या मंदिर में पढ़ते है। वह उन्हे लेने स्कूल पहुंचा, जहां उसे बताया गया कि अभय और परी काफी देर पहले मां के साथ जा चुके है। इसका पता होते ही अमरपाल को इत्मिनान हो गया, लेकिन शाम को घर पहुंचा तो वहां उसे कोई नहीं दिखाई दिया। पहले तो उसने आस-पड़ोस में ढूंढा,लेकिन वहां से कुछ भी पता नहीं चला। जिसके बाद पुलिस को सूचना दी। अमरपाल और उसके घर वाले अनहोनी को ले कर डरे हुए है। सीओ सिटी अंकित मिश्रा ने बताया कि पुलिस की टीमें मां और उसके दोनों बच्चों को बड़ी सरगर्मी से ढूंढ रहीं है।

लापता महिला व उसके बच्चे।

रामलीला

बाल रामलीला चौक की भरत मिलाप शोभा यात्रा निकाली गई

राम-भरत का मिलन देख लोग हुए भाव विभोर

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। श्री बाल रामलीला नाट्य कला मंदिर द्वारा संचालित श्री बाल रामलीला चौक में रावण वध लीला के सफल मंचन के बाद नगर के प्रमुख मार्गो से शनिवार की रात एक भव्य भरत मिलाप शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा को देखने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ उमड़ी । शोभा यात्रा का जगह-जगह भव्य स्वागत भी किया गया।

बाल रामलीला कमेटी की इस भरत मिलाप शोभा यात्रा का शुभारंभ नगर पालिका परिषद के समक्ष आरती पूजन के बाद हुआ। तत्पश्चात यह शोभा यात्रा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था और गाजे बाजे के साथ स्टेट बैंक, बड़ी बाजार, गुलाब बैंड चौराहा, आरपीएम इंटर कॉलेज, सदर बाजार, घंटाघर, सराफा बाजार होते हुए बैंक ऑफ़ इंडिया चौक चौराहे पर पहुंची। जहां पर पहले से ही भरत जी अपने बड़े भाई श्री राम का इंतजार कर रहे थे। राम को देखते ही भरत की दौड़ पड़े और उनको गले लगाया। यह वह भावुक क्षण था जब सभी के नेत्र सजल हो उठे। 14 वर्षों के बनवास के बाद श्री राम अयोध्या पहुंचे थे। भरत मिलाप कार्यक्रम में आरती पूजन और प्रसाद वितरण हुआ और आतिशबाजी भी छुटाई गई। सरदारगंज से होते हुए कटरा पहुंची शोभा यात्रा का समापन किया गया। शोभा यात्रा में नागिन और सपेरे का डांस आकर्षण का केंद्र रहा। इस मौके पर मेला के संस्थापक राजेश वर्मा, मेला अध्यक्ष चौधरी उमेश गुप्ता, बासु वर्मा, राजीव गुप्ता, सत्यवीर शुक्ला, भोले त्रिवेदी मंगू गुप्ता आदि मौजूद रहे।

राम-भरत मिलन की झांकी प्रस्तुत करते कलाकार। अमृत विचार

साइबर धोखाधड़ी के बारे में लोगों को किया गया जागरूक

संवाददाता, हरदोई, अमृत विचार। जिले के विभिन्न थानों में अभियान चलाकर लोगों को साइबर धोखाधड़ी को लेकर जागरूक किया गया। लगातार लोग मोबाइल के माध्यम से कहीं न कहीं धोखाधड़ी का शिकार हो रहे हैं। कोई अंजाम लिंक खोकर तो कोई ओटीपी बता कर गाढ़ी कमाई गंवा रहा है। ऐसे फ्राड करने वालों की संख्या दिनोंदिन बढ़ती जा रही है। पुलिस कर्मियों ने बताया कि फोन पर किसी अनजान व्यक्ति को ओटीपी न बताए, कोई भी अनजान लिंक न खोले तथा ई-चालान के माध्यम से भी की जा रही धोखाधड़ी के बारे में बताया गया। अभियान में यह भी बताया गया कि यदि किसी के साथ इस प्रकार का साइबर फ्राड हो जाता है तो वह साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। साथ ही साइबर क्राइम पोर्टल पर भी वह अपने साथ हुए फ्राड की जानकारी देकर कार्यवाही करा सकता है। पुलिस के अनुसार विभिन्न थानों में सितंबर माह में आधा दर्जन से अधिक लोगों के साथ साइबर फ्राड हुआ, जिसमें पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पीड़ितों के दो लाख 58 हजार 141 रुपये वापस कराए।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

न्यूज ब्रीफ

हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

बिछिया, उन्नाव। दही थाना क्षेत्र के राजेपुर निवासी विजय कुमार (28) लखनऊ बाईपास पर बसों में चाय, पानी बेचता था। बीती 3 अक्टूबर की देर रात वह थाना क्षेत्र के लखनऊ-कानपुर पर पैदल जाते समय अज्ञात वाहन की टक्कर से रोडवेज वर्कशॉप मोड़ के पास गंभीर घायल हालात में पड़ा मिला था। पुलिस ने उसे जिला अस्पताल पहुंचा कर परिजनों को हादसे की सूचना दी। शनिवार रात उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। वह चार भाइयों में छोटा था। दही एसओ अवनीश कुमार सिंह ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंपा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

युवक की नाले में डूब कर मौत

हरदोई, अमृत विचार। पानी पी रही भैंस को निकालने नाले में उतरा युवक गहरे पानी में डूब गया। तकरीबन साढ़े तीन घंटे बाद ग्रामीणों ने उसका शव नाले से बाहर निकाला। सवायजपुर कोतवाली के बर्रा निवासी 18 वर्षीय अर्पित पुत्र जयवीर रविवार को अपनी भैंस चराने गया हुआ था, शाम को लौटते हुए उसकी भैंस रास्ते में सेढ़ा नाले में पानी पीने लगी, अर्पित उसे निकालने लगा, उसी बीच वह गहरे पानी में डूब गया, ग्रामीण उसे तलाशने लगे, करीब साढ़े तीन घंटे बाद उसका शव नाले से बाहर निकाला गया।

धूमधाम से निकाली गई शिव बारात

फतेहपुर चौरासी, उन्नाव। श्री रघुवंश रामलीला समिति द्वारा आयोजित रामलीला के तहत रविवार को कस्बे में शंकर जी की बारात बड़े धूमधाम के साथ निकाली गई। नगर पंचायत फतेहपुर चौरासी में बाजपेयी परिवार पिछले कई वर्षों से रामलीला का आयोजन कर रहा है। बारात में बैंड बाजे के साथ देवी-देवताओं और असुरों की झांकियों ने समां बाँधा। हर वर्ष की तरह बारात कस्बे का भ्रमण करते हुए थाने पहुँची, जहाँ राम-लक्ष्मण की आरती उतारी गई। बारात में आयोजकों में राधेश्याम, गोपाल, गोविंद, रविशंकर, रामनारायण, रिंकू सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

महिला के शव को कब्जे में लेकर कराया पोस्टमार्टम

संदिग्ध हालात में दिल्ली में हुई मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, हरदोई

दीपा की फाइल फोटो।

अमृत विचार। शादी के बाद पति के साथ दिल्ली में रह रही युवती की वहीं संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आरोप है कि मायके वालों को अंतिम समय में बुलाया गया और अस्पतालन में वेंटीलेटर पर होने का हवाला देकर पास भी नहीं जाने दिया। उसके तीन दिन बाद युवती की मौत हो गई। जिसके बाद पति उसका शव अपने गांव लेकर आया और मायके वालों को सूचना दिए बिना ही चुपके से अंतिम संस्कार के लिए घटिया घाट ले जाया जा रहा था। उसी बीच भाई के हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। जिसके बाद अंतिम संस्कार को ले जाए जा रहे शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने उसका पोस्टमार्टम कराया है।

पचदेवरा थाने के घसा निवासी राजेश कुमार ने पिछले साल 12 जुलाई को अपनी 25 वर्षीय पुत्री दीपा की शादी शाहजहांपुर ज़िले के बरनावां थाना कांट निवासी सुरजीत के साथ की थी। दीपा के पिता राजेश कुमार व भाई सचिन कुमार ने आरोप लगाते हुए बताया कि शादी में 7 लाख रुपये खर्च करने के बाद भी सुरजीत और उसके घर वाले सोने की चेन और नकदी की मांग रहे थे। कुछ महीने पहले सुरजीत दीपा को साथ लेकर दिल्ली चला गया। दूसरे भाई अतुल कुमार का आरोप है कि 1 अक्टूबर को सुरजीत ने फोन बताया कि दीपा की हालत ठीक नहीं है, इसका पता होने पर वह दिल्ली पहुंचा, जहां दीपा वेंटीलेटर पर है, डाक्टरों ने पास जाने से रोक रखा है। सुरजीत ने ऐसा बताकर उसे रोक लिया। अगले दिन वह गांव आ गया। पिता राजेश का आरोप है कि शनिवार को उसे पता चला कि दीपा की दिल्ली में मौत हो गई, उसका शव गांव आया है, जिसे अंतिम संस्कार के लिए घटिया घाट ले जाया जा रहा है। दीपा के मायके वाले सेढ़ामऊ पहुंचे और आरोप लगाते हुए वहीं सए पुलिस को फोन कर दिया। वहां पहुंची पचदेवरा पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही इस बारे में आगे कुछ कहा जा सकता है।

संदिग्ध हालात में महिला का लटका मिला शव

- पिता ने मारपीट कर हत्या करने का लगाया आरोप, दी तहरीर

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई

घटना की जांच करती पुलिस और नंदनी की फाइल फोटो (इनसेट में)।

अमृत विचार। कस्बे में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगने से मौत हो गईं। घटना की सूचना पर पुलिस व फारेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। मृतका के पिता ने सुसराली पक्ष पर मारपीट कर हत्या कर लटकाने का आरोप लगाया है।

जानकरी के अनुसार मोहिउद्दीनपुर पपिनिया निवासी ब्रजेश का विवाह 8 वर्ष पूर्व गोसवा डोंगा थाना संडीला निवासी अशर्फीलाल की पुत्री नंदनी (28) के साथ हुआ था। उसके दो पुत्री काव्या (7) और बमिता (2) है। शादी के कुछ वर्ष बाद से ही पति पत्नी के बीच अनबन चल रही थी। 15 सितंबर को ही दोनों पक्षों के बीच में आपसी सुलह समझौता होने के बाद 16 सितंबर पुनः विदाई हुई थी। शनिवार शाम को पति के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। रविवार की सुबह घर के कमरे में संदिग्ध परिस्थितियों में रुपटे से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घर पर शव लटका देखा गया तो कोहराम मच गया। घटना की सूचना पर पुलिस व फारेंसिक टीम ने पहुंचकर शव को उतरवाकर जांच पड़ताल कर पंचनामा भरके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इधर मृतिका के पिता अशर्फीलाल ने कोतवाली में तहरीर देकर पुत्री को मारपीट कर हत्या कर लटकाने का आरोप लगाया है। प्रशिक्षु को हरे कृष्णा शर्मा ने बताया शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पूरा मामला साफ होगा।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

हरपालपुर, हरदोई, अमृत विचार। चौंसार मार्ग पर अरवल थाना क्षेत्र के शेखपुर ईंट भट्ठे के पास एक तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए सीएचसी ले जाया गया, जहां से उसे गम्भीर हालत में मेडिकल कालेज के लिए रेफर किया गया। रास्ते में उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार अरवल थाना क्षेत्र के परसू पुरवा मजरा शेखपुर गांव निवासी नरवीर यादव पुत्र जग्गा रविवार की दोपहर हरपालपुर-चौंसार मार्ग पर शेखपुर गांव स्थित ईंट भट्ठे के पास अपने खेत से निकलकर सड़क पार कर रहे थे। उसी समय अरवल थाना क्षेत्र के बेहटा गांव निवासी अनूप अपने पिता राजकुमार के साथ बाइक से हरपालपुर की तरफ जा रहे थे। तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से बुजुर्ग नरवीर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर पहुंची महिला उप निरीक्षक दीक्षा कटियार, महिला कांस्टेबल साक्षी शर्मा ने एम्बुलेंस की सहायता से घायल बुजुर्ग को इलाज के लिए सीएचसी हरपालपुर भिजवाया जहां हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां रास्त में ही उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची हरपालपुर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मोबाइल व नकदी लूटने वाले तीन शातिर लुटेरे गिरफ्तार

संवाददाता, शाहाबाद, हरदोई

अमृत विचार। कोतवाली पुलिस ने 29 सितंबर को पाली रोड पर सफीपुर गौशाला के सामने मोबाइल लेकर पैदल टहल रहे युवक से मोबाइल छीनने वाले तीन शातिर युवकों को चोरी के मोबाइल, नगदी और घटना में प्रयुक्त दो बाइक सहित गिरफ्तार किया है जिन्हें जेल भेज दिया गया।

रविवार को प्रभारी निरीक्षक आनंद नारायण त्रिपाठी, उपनिरीक्षक धर्मेंद्र चौधरी और पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अजीत निवासी ग्राम रुद्रपुर थाना रामचन्द्र मिशन जनपद शाहजहांपुर, अवनीश और राहुल निवासीगण मोहल्ला रोशन नगर सतवा कोतवाली सदर जनपद शाहजहांपुर को छीने गये एक अदद मोबाइल फोन, 25 सौ रुपये नगदी व घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिलों सहित गिरफ्तार कर किया। जिन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। अभियुक्तों से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि 29 सितंबर को उनके द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर सफीपुर गौशाला के सामने एक व्यक्ति से मोबाइल फोन छीना गया था। 29 सितंबर को अभियुक्त नगरपालिका के निकट एक महिला से मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गये थे। दोनों घटनाओं के संबंध में थाना शाहाबाद में अभियोग पंजीकृत है। इसके अलावा थाना पचदेवरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम पिपरिया के निकट एक व्यक्ति से मोबाइल फोन लूटने की बात कबूल की है।

कर्म के आधार पर ही मिलता है नया जन्म

संवाददाता, सांडी, हरदोई

- आर्य समाज का 89वें दिन का हुआ वार्षिकोत्सव
- पांच लोगों को कराया गया यज्ञोपवीत संस्कार

वार्षिकोत्सव में यज्ञ में आहुतियां देते आर्य समाजी। ● अमृत विचार

अमृत विचार। आर्य समाज मंदिर के 89 वें वार्षिकोत्सव में हरिद्वार के विद्वान शैलेश मुनि सत्यार्थी ने कहा पुण्य कर्म के आधार पर ही नई योनि मिलती हैं। जो ज्यादा पुण्य करता उसी आधार पर नया जीवन मिलता है इसलिए हे भद्र पुरुषों अपना जीवन सुधारने के लिए पुरुषार्थ रूपी कर्म कर के पुण्य कमाये।

श्री मुनि ने कहा योनि में अच्छा खराब प्रतिफल मिलता है जेसे यदि नयी योनि में कुत्ता का जीवन मिला जो अच्छे पुण्य किये तो धनवान के यहां उत्तम खान मिलते हुए जीवन मिलेगा, अन्यथा विचरने वाला प्रयास करें। मानव जन्म ही मिले तो अच्छा कर्म करते हुए पुण्य कमाया।

वैदिक विद्वान विमल द्विवेदी ने कहा बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान कर योग्य बनाये, जिससे उनका शारीरिक सामाजिक आत्मिक उन्नति हो सके। कासगंज की विदुषी किरन आर्या ने महिलाओं को ब्रह्मा कहते हुए कहा कि उनके बिना सृष्टि का सृजन नहीं हो सकता है, इसलिए स्वंय को माता सीता की तरह आदर्श बने मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम को वनवास मिला, परन्तु सीता स्वयं उनके साथ गयी किसी ने दबाब नहीं डाला वह चाहती तो भवन में रह सकती थी, परन्तु 14 वर्षों तक कष्ट सहन किया। उन्होंने तमाम उदाहरण देकर नारियों को महान बताया। नारी घर की फुलवारी होती है गीत गाया। एटा के विद्वान शिवपाल आर्य ने सृष्टि की रचना परमात्मा द्वारा किये जाने की बात कही। कार्यक्रम की प्रातः कालीन वेला में आचार्य विमल ने वैदिक मन्त्रों से व्याख्या करते हुए यज्ञ सम्पन्न कराया । जिसमें यज्ञमान राजेश कुमार व सोनी के अलावा राकेश चन्द्र व विन्देश्वरी बने। पांच लोगों का यज्ञोपवीत संस्कार कर कराते हुए 16 संस्कार जीवन में होने की चर्चा की। इस मौके पर राजेश कुमार शर्मा फूलचन्द्र राजपूत श्रवण कुमार . वेद किशोर गुप्ता रामसूरत आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में बच्चों ने दीं मनमोहक प्रस्तुतियां

हरदोई, अमृत विचार। गांधी जयंती समारोह समिति द्वारा रविवार को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम में बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुतियों से सबका दिल जीत लिया। कार्यक्रम में लोक नृत्य, समूह नृत्य और गायन की शानदार झलक देखने को मिली। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि पूनम भास्कर ने करते हुए सभी भागीदार बच्चों को शुभकामनाएं दी।जजों के रूप में मनिका गुलाटी, ममता मिश्रा व गौरव शुक्ला उपस्थित रहकर निर्णय दिया। कार्यक्रम में राधिका अग्रवाल, भाविका राठौर, अक्षिता यादव, सौम्या सक्सेना, अदिति मिश्रा, आराध्या सिंह, शाश्वती मिश्रा, दिव्यांशी यादव, चाहत त्रिवेदी, अंश अवस्थी, पलक सिंह, मोनू गौतम, रिद्धिमा अस्थाना सहित न्यू हाईट स्कूल के बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

छतों के ऊपर लटक रहे हाइटेंशन तार

टड़ियावां, हरदोई, अमृत विचार। क्षेत्र में लंबे अरसे के बाद भी घरों के ऊपर छतों पर काल बनकर झूम रहे हाइटेंशन तारों की समस्या दूर नहीं हो पा रही है। हाइटेंशन तारों की वजह से वजह से लोग छतों पर जाने से डर रहे है। टड़ियावां इलाके के जिगिनिया खुर्द गांव में पिछले कई साल से गांव के वाशिंदों के छतों पर हाइटेंशन तार झूल रहे है। बेचारे ग्रामीणों ने इसको छतों के ऊपर से हटाए जाने की कई बार लिखित में जिम्मेदारों से अनुरोध किया। परंतु कोई नतीजा नहीं हासिल हुआ, खासबात यह कि गांव के प्राथमिक विद्यालय के ऊपर से यह हाइटेंशन लाइन गुजरी है। ऐसे में स्कूली बच्चों के साथ कब कोई अनहोनी हो जाए? यह कुछ कहा नहीं जा सकता है, जबकि तत्कालीन डीएम एमपी सिंह ने अपने कार्यकाल के दौरान संबंधित विभागों के मातहतों से समीक्षा बैठक में स्कूल और घरों के ऊपर से हाइटेंशन लाइन की कार्ययोजना तैयार कर हटवाए जाने के फरमान दिए थे, लेकिन विभागीय जिम्मेदारों ने तत्कालीन डीएम के फरमान पर जरा भी अमल नहीं किया है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि विनोद पाल ने कहा कि इस बारे में कई बार लिखित शिकायत दर्ज करवाई है।

वन विनाश से भटकते तेंदुआ बाघ सियार, ग्राम नगर में बन रहे शिशु उनके आहार

काव्य पाठ करती कवयित्री।

हरदोई, अमृत विचार। सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था श्री सरस्वती सदन सेवा समिति के तत्वावधान में रविवार को सदन सभागार में मासिक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। काव्य गोष्ठी के अध्यक्ष एवं कवि सुशील कुमार वर्मा एवं कवयित्री अमिता मिश्र 'मीतू' ने रचनाकारों के साथ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन और कवि आदर्श सिंह की वाणी वन्दना से समारोह का शुभारम्भ हुआ। उन्होंने अभाव में भी प्रसन्नता के भाव को यूं उकेरा- 'उसे कोई कैसे पराजित करेगा, अभावों में भी जो प्रभावी रहा है। अध्यक्षता करते हुए कवि सुशील कुमार वर्मा ने वनों के कटान को विनाश के बुलावा बताया- 'वन विनाश से भटकते तेंदुआ बाघ सियार, ग्राम नगर में बन रहे शिशु उनके आहार।' कवयित्री दीपाली सिंह ने हिन्दी की आराधना की- 'मां का आंचल, पिता का आशीर्वाद है हिन्दी, सारे जगत में हिन्द का अभिमान है हिन्दी।' कवि आशुतोष तिवारी ने प्रेम की पराकाष्ठा को बयां किया- 'खोजते खोजते तुमको हम खुद खो गये।' कवि आदर्श द्विवेदी की ओजमय रचनाओं से राष्ट्रप्रेम का ज्वार उठा- हे! भारत मेरे अमर रहो ये जयी निशान तुम्हारा है, लो ताज पहन लो मस्तक पर यह जय का ताज तुम्हारा है। कविगणों और श्रोताओं का स्वागत मन्त्री मनीष कुमार मिश्र ने और आभार अध्यक्ष श्रवण कुमार मिश्र 'राही' ने जताया। संचालन महेश मिश्र ने किया। गोष्ठी में पुस्तकालयाध्यक्ष सीमा मिश्र, राधेश्याम सहित सदस्य व श्रोतागणों ने कविताओं का आनन्द लिया।

प्रदोष व निशीथ काल में रहेगी पूर्णिमा तिथि, अगले दिन नहीं होगा स्पर्श

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

आचार्य पं. ऋषिकांत मिश्रा शास्त्री।

अमृत विचार। आचार्य ऋषिकांत मिश्र शास्त्री ने बताया कि इस वर्ष अश्विन मास की पूर्णिमा तिथि सोमवार (6 अक्टूबर) को पड़ रही है। इसी दिन शरद पूर्णिमा और कोजागर व्रत दोनों का पर्व मनाया जाएगा।

आचार्य मिश्र ने बताया कि शास्त्रों के अनुसार आश्विनपौर्णमास्यां कोजागर व्रतम्, सा पूर्वत्रैव निशीथव्याप्तौ पूर्वा। अर्थात यदि पूर्णिमा तिथि पहले दिन निशीथ (अर्धरात्रि) में व्याप्त हो और अगले दिन प्रदोष काल को स्पर्श न करे, तो व्रत पहले दिन ही किया जाना चाहिए। पंचांग के अनुसार पूर्णिमा तिथि का आरंभ 6 अक्टूबर को दोपहर 12 बजकर 23 मिनट पर होगा और समापन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर। चूंकि यह तिथि 6 अक्टूबर की रात निशीथ और प्रदोष काल दोनों में व्याप्त है, अतः व्रत एवं पूजा उसी दिन की जाएगी। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, शरद पूर्णिमा की रात को चंद्रमा पृथ्वी के सबसे निकट होता है और उसकी चांदनी अमृतमय मानी जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस रात चांदनी में रखी खीर या दूध अमृत के समान गुणकारी हो जाते हैं। इसे प्रसाद रूप में ग्रहण करने से रोगों से मुक्ति और निरोगी शरीर की प्राप्ति होती है।

रोड पर पड़ा मिला अज्ञात युवक का शव

संवाददाता गंजमुरादाबाद

मौके पर जांच करती पुलिस। ● अमृत विचार

अमृत विचार। लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे की सर्विस रोड के किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़ा देख लोगों में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची बांगरमऊ व बेहटा मुजावर पुलिस जांच से पहले सीमा विवाद में उलझ गई। बाद में बेहटा मुजावर पुलिस ने जांच कर पहचान नहीं होने पर शव मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस प्रथम दृष्टया युवक की मौत किसी वाहन की टक्कर से होना मान रही है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस वे की हवाई पट्टी के पास बनी सर्विस रोड पर शीतलगंज के सामने रविवार की सुबह एक युवक का शव पड़ा देख लोगो की भीड़ एकत्र हो गई। युवक के सिर पर गंभीर चोट व पास में खून पड़ा था। जो सूख गया था। जानकारी मिलने पर बांगरमऊ कोतवाल चंद्रकांत सिंह व बेहटा मुजावर एसओ मुन्ना कुमार मौके पर पहुंचे। जहां उनमें घटना स्थल के सीमा क्षेत्र को लेकर काफी देर उहापोह की स्थिति बनी रही। बाद में बेहटा मुजावर पुलिस ने जांच शुरू की लेकिन जमा तलाशी में उसके पास ऐसा कुछ नहीं मिला जिससे उसे पहचाना जा सके। इसपर पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। वहीं युवक के मानसिक विक्षिप्त होने की भी चर्चा लोगो में रही। एसओ मुन्ना कुमार ने बताया कि शव मोर्चरी में रखवाया है। पहचान के प्रयास किए जा रहे है। सोशल मीडिया का भी सहारा लिया जा रहा है।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर लगने से अधेड़ की हुई मौत

बिछिया, उन्नाव, अमृत विचार। दही-पुरवा मार्ग पार कर रहे अधेड़ की तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। दही थाना क्षेत्र तुर्कमान नगर निवासी प्रकाश (55) शनिवार देर शाम अपने घर लौट रहा था। तभी गांव के सामने दही-पुरवा मार्ग पार करते समय तेज रफ्तार ट्रैक्टर की टक्कर से वह गंभीर घायल हो गया। परिजनों ने उसे जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत गई। प्रकाश किसान था और खेती कर अपना परिवार पालता था। उसकी मौत मौत की खबर से पत्नी उमा रो-रोकर कर बेहाल है। उसके 6 बच्चों में पांच बेटियां व एक बेटा सुधीर है। जो दमकल विभाग में हमीरपुर जिले में तैनात है। दही एसओ अवनीश सिंह ने बताया शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

दिनदहाड़े महिला से सोने के जेवर लूट ले गए बाइक सवार

बांगरमऊ, उन्नाव।

अमृत विचार। बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के माढापुर मार्ग पर अज्ञात बाइक सवार लुटेरे ने दिनदहाड़े महिला से सोने के जेवर लूट लिए। घटना के बाद आरोपी बाइक से फरार हो गया। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।

मोहल्ला कटरा निवासी सीमा ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुये बताया कि 4 अक्टूबर को वह ग्राम गगेहरा जाने के लिए माढापुर मार्ग पर खड़ी थीं। उसी समय एक युवक ई-रिक्शा लेकर निकला। सीमा ने रिक्शा में बैठकर गगेहरा जाने की बात कही। पुल पार करने के बाद, रिक्शा चालक ने उन्हें जबरदस्ती रिक्शे से उतार दिया। फिर सीमा किसी वाहन की प्रतीक्षा कर रही थी कि एक बाइक सवार पास आया और उसे गंगेहरा जाने का झांसा देकर बाइक पर बैठाया। थोड़ी दूर जाने के बाद बाइक सवार ने जानबूझकर बाइक पलटा दी, जिससे सीमा सड़क पर गिर गई। मौके पर ही बाइक सवार ने सीमा के कान के टॉप्स और गले की चेन झपटकर बाइक से भाग गया। कोतवाली पुलिस ने घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए हैं। दिनदहाड़े हुई यह लूट घटना राहगीरों में सन्नाटा और दहशत फैलाने वाली रही।

कार्यक्रम

स्वतंत्रता सेनानी आश्रित एसोसिएशन ने आयोजित की सभा

पं. विशंभर दयालु की प्रतिमा लगाने की मांग

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

पं. विशंभर दयालु की प्रतिमा लगाने की मांग करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार। स्वतंत्रता सेनानी आश्रित एसोसिएशन के राष्ट्रीय आवाहन पर रविवार को नगर के मोहल्ला तकिया स्थित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दिवंगत सूरज प्रसाद मिश्र के आवास पर सेनानियों की स्मृति सभा आयोजित की गई। सभा में जिले के प्रथम सांसद एवं जमींदारी प्रथा उन्मूलन के अग्रणी नेता पंडित विशंभर दयालु त्रिपाठी की आदमकद प्रतिमा नगर के नानामऊ मार्ग तिराहा पर स्थापित कराने की मांग जोरदार तरीके से उठाई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत में उपस्थित सभी सेनानी आश्रितों ने पं. विशंभर दयालु त्रिपाठी की प्रतिमा पर श्रद्धापूर्वक पुष्पांजलि अर्पित की। सभा की अध्यक्षता उन्नाव बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार शुक्ला ने की। उन्होंने केंद्र एवं प्रदेश सरकार से स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों को राष्ट्रीय परिवार घोषित करने, बांगरमऊ-बिल्हौर मार्ग का नामकरण पं. विशंभर दयालु त्रिपाठी के नाम पर करने तथा नगर में उनकी आदमकद प्रतिमा शीघ्र लगाए जाने की मांग की। इस अवसर पर ज्ञानेश द्विवेदी, श्रवण मिश्र, विमल चंद्र शुक्ला, नूरा तिवारी, विनोद दीक्षित, मनीष त्रिपाठी, वंश गोपाल मिश्रा, पप्पू त्रिवेदी, संजीव कुमार शुक्ला, आनंद अर्कवंशी सभासद, हरिशरण, अरुण द्विवेदी प्रधान अर्दुलापुर, श्याम लाल दीक्षित और अनुज द्विवेदी सहित अन्य लोग मौजूद रहे। सभा में सेनानी आश्रितों ने एक स्वर में कहा कि सेनानियों के योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सबका कर्तव्य है।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

उन्नाव, अमृत विचार। बारासगवर थाना क्षेत्र के टेढ़ा गांव निवासी युवक ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। पुलिस ने जांच कर शव मोर्चरी भेजा है। टेढ़ा गांव निवासी प्रखर तिवारी पुत्र सुनील कुमार हरियाणा के गुरुग्राम में रहकर नौकरी करता था। बीते कई दिनों से वह पेट संबंधी बीमारी से ग्रसित था। तीन दिन पहले वह गांव लौट आया था। रविवार को प्रखर ने घर में फांसी लगा ली। जानकारी होने पर परिजनों ने फंदा काटकर उसे नीचे उतारा और बीघापुर 100 बेड अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। एसओ धर्मेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। परिजनों का अभी कोई आरोप नहीं है।

30 मरीजों में मिला मोतियाबिंद ऑपरेशन को कानपुर भेजा गया

सफीपुर (उन्नाव)

नेत्र शिविर में रोगियों का हालचाल पूंछते हुए विधायक बंबा लाल दिवाकर।

अमृत विचार। कस्बा स्थित भाजपा कार्यालय में रविवार को विधायक बम्बा लाल दिवाकर की पहल पर निःशुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कानपुर के प्रतिष्ठित शंकरा आई हॉस्पिटल की चिकित्सक टीम ने मरीजों का परीक्षण किया। शिविर में कुल 70 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें से 30 मरीजों में मोतियाबिंद पाए जाने पर उन्हें ऑपरेशन के लिए बस द्वारा कानपुर भेजा गया। विधायक बम्बा लाल दिवाकर ने शिविर स्थल पर पहुंचकर मरीजों से हालचाल जाना और उन्हें आश्वस्त किया कि उनका उपचार कुशल चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क कराया जाएगा। शिविर में राजू चौहान, आशीष कनौजिया, पुष्पेंद्र, राकेश तिवारी, राम बिमल और अतुल अग्निहोत्री ने सहयोग किया।

त्योहारों के मद्देनजर ट्रैफिक व बिजली दुरुस्त रखें : धर्मपाल

प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री ने ली कोर कमेटी की बैठक, किसानों को समय से खाद और उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने के निर्देश

संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। प्रदेश के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह ने रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित पन्नालाल सभागार में अधिकारियों के साथ कोर कमेटी की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने आगामी दीपावली और अन्य प्रमुख त्योहारों को देखते हुए नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रैफिक व्यवस्था और विद्युत आपूर्ति को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग अभी से सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करे, ताकि त्योहारों के दौरान किसी प्रकार की बाधा न उत्पन्न हो।

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ बैठक करते प्रभारी मंत्री धर्मपाल सिंह।

प्रभारी मंत्री ने कानून व्यवस्था, विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने जल जीवन मिशन, सड़कों के निर्माण एवं मरम्मत, ग्राम्य विकास, पशुपालन, मत्स्य विभाग और विभिन्न निधियों से चल रहे कार्यों की प्रगति पर विशेष ध्यान देने को कहा। किसानों को समय से खाद और उन्नत किस्म के बीज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में टीम गठित कर दवाओं की गुणवत्ता की जांच कराने को कहा गया। उन्होंने पुलिस प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे 'मिशन शक्ति फेज 5.0' की समीक्षा करते हुए एंटी रोमियो स्क्वॉड की कार्रवाई तेज करने, सराहनीय कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान करने, शक्ति केंद्रों की स्थापना और महिला अपराधों से संबंधित हॉट स्पॉट इलाकों की सीसीटीवी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आवंटित बजट का पूर्ण सदुपयोग किया जाए और सभी योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा किया जाए। सभी अधिकारी शासन की मंशा के अनुरूप कार्य करें और अंतिम छोर तक पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित कराएं। बैठक के अंत में जिलाधिकारी गौरांग राठी ने प्रभारी मंत्री को आश्वस्त किया कि दिए गए सभी दिशा-निर्देशों का पालन प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। बैठक में सदर विधायक पंकज गुप्ता, मोहान विधायक बृजेश रावत, पुरवा विधायक अनिल सिंह, भगवंत नगर विधायक आशुतोष शुक्ला, एमएलसी अरुण पाठक, पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह, सीडीओ कृति राज, सीएमओ डॉ. सत्य प्रकाश उपस्थित रहे।

पत्थर फेंकने वालों पर क्या फूल बरसेंगे

उन्नाव। मंत्री धर्मपाल सिंह ने बरेली हिंसा में आरोपित मौलाना तौफीक रजा खां पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने भीड़ को भड़काया और पुलिस पर पत्थरबाजी कराई। बरेली में तौफीक रजा खां ने भीड़ को उकसाया दुकानों को नुकसान पहुंचाया पुलिस पर पत्थर बरसाए। जब आम नागरिक और पुलिस पर पत्थर फेंके जाएगे तो क्या उन पर फूल बरसा जायेगें। कहा कि किसी व्यक्ति को अपने धर्म का पालन करने नमाज़ पढ़ने या धार्मिक नारे लगाने का पूरा अधिकार है। कोई आई लव मोहम्मद 10 बार कहे 50 बार कहे किसी को दिक्कत नहीं है। लेकिन जब कोई हिंसा करता है तो कानून इसका जवाब देगा। विपक्ष के आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए मंत्री ने अखिलेश यादव के लोकतंत्र की हत्या वाले बयान की पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने कहा भाजपा सरकार पूरी तरह न्यायसंगत और पारदर्शी है। यह राजनीति का स्वर्णिम युग है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर्मयोगी हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनयोगी हैं। यह योगियों की सरकार है ढोंगियों की नहीं। मंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार जनता की सुरक्षा न्याय और विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं।

न्यूज ब्रीफ

किराने की दुकान में सेंध काटकर हुई चोरी

उन्नाव, अमृत विचार। माखी के अजगैन-मुंशीगंज मार्ग स्थित हमीरपुर नहर पुलिया के पास स्थित शिव किराना स्टोर को बीती रात चोरों ने निशाना बना दुकान में रखी नगदी व कीमती सामान उठा ले गए। दुकान के पीछे से सेध काटकर चोरों ने घटना को अंजाम दिया। सुबह दुकान खोलने पहुंचने पर दुकानदार थाना क्षेत्र के हमीरपुर गांव निवासी विनय द्विवेदी पुत्र शिवप्रकाश को चोरी की जानकारी हुई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस चोरी की जांच कर रही है।

दूसरे लुटेरे को भी पुलिस ने दबोचा

उन्नाव। साइकिल सवार से रुपयों भरा झोला छीनकर भागे लुटेरों से शनिवार को हुई पुलिस से मुठभेड़ में एक युवक को पैर में गोली लगने के बाद पुलिस ने पकड़ा था। उसके दो साथी बाइक लेकर भाग गए थे। जिसमें एक लुटेरे को पुलिस ने रविवार को दबोच लिया। बता दे कि शनिवार रात ताजपुर अंडर पास पर एक बाइक सवार तीन संदिग्ध युवकों को संयुक्त टीम ने रोका। इसपर पीछे बैठे युवक ने पुलिस पार्टी पर फायर झोंक दिया। इसी बीच उसके दोनों साथी बाइक लेकर भाग गए। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली पैर में लगने से घायल हुए आकाश पुत्र ऋषिकांत निवासी ककेड़ी थाना सांडी हरदोई को पकड़ लिया था। जिसे पुलिस अभिरक्षा में सीएचसी में भर्ती कराया। पूछताछ में उसने लूट की बात स्वीकार करते हुए भागे साथियों के नाम बताए। इस पर रविवार को पुलिस ने उसके साथी आशीष पुत्र कुमेदान निवासी ग्राम माधवपुर, सदर कोतवाली हरदोई को कोतवाली क्षेत्र के कपूरपुर जाने वाले रास्ते से दबोच लिया।

अज्ञात शव की हुई पहचान

उन्नाव। अस्पताल चौकी के पास अचेत मिले युवक की जिला अस्पताल में मौत हो गई। सफीपुर कोतवाली अंतर्गत पीखी गांव निवासी आकाश (30) पुत्र प्रकाश सदर कोतवाली क्षेत्र के एक शराब ठेके पर सफाई का काम करता था। चाचा राजेंद्र प्रसाद ने बताया कि आकाश की पत्नी शांति की 6 साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी। 30 सितंबर को जिला अस्पताल के पास अचेत हालत में मिला था। इस पर पुलिस ने उसे अज्ञात में अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार को उसकी मौत हो गई। अस्पताल चौकी पुलिस ने किसी तरह उसके परिजनों से संपर्क कर इसकी खबर दी।

सीता हरण और लंका दहन से गूंजा पंडाल

रामलीला का मंचन करते पात्र। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। साकेत धाम रामलीला मैदान में आयोजित 153वीं रामलीला का मंचन रविवार को सीता हरण और लंका दहन के भावुक और रोमांचक दृश्यों के साथ संपन्न हुआ। कलाकारों के चित्रण ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया, जिससे पूरा पंडाल जय प्रभु राम के जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान राम के दरबार में आरती के साथ किया गया।

मंचन में दिखाया गया कि कैसे रावण ने अपने मामा मारीच को स्वर्ण मृग के रूप में भेजा। इस मृग को देख माता सीता मोहित हो गईं और उन्होंने राम से इसे लाने का आग्रह किया। राम और लक्ष्मण के वन में जाने के बाद रावण साधु के वेश में आकर माता सीता का हरण कर लेता है। सीता जी की पुकार सुनकर वीर जटायु ने उनकी रक्षा के लिए रावण को ललकारा और उससे युद्ध करते हुए वीर गति को प्राप्त हुए। माता सीता की खोज में भगवान राम की भेंट सुग्रीव और हनुमान जी से हुई। लंका पहुंचकर हनुमान जी ने माता सीता का पता लगाया। रावण के दरबार में जब उनकी पूंछ में आग लगाई गई, तो हनुमान जी ने उसी आग से सोने की पूरी लंका को तहस-नहस कर आग की लपटों में धधका दिया। इस अद्भुत मंचन के दौरान दर्शक कभी भावुक दिखे तो कभी जोश से भरे जय श्री राम के जयकारों से पंडाल को गुंजायमान करते रहे। इस अवसर पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष संजय राठी, चंद्र प्रकाश अवस्थी, कार्यवाहक महामंत्री प्रेम सिंह सेंगर, नीरज निगम, डॉ. मनीष सेंगर, सुभाष गुप्ता और इंदु प्रकाश, मुन्ना सिंह आदि उपस्थित रहे।

शंकरपुर रामलीला में जयंत लीला का मंचन करते पात्र। अमृत विचार

खर-दूषण वध की लीला का मंचन

शुक्लागंज, उन्नाव, अमृत विचार। रविवार की रात शंकरपुर रामलीला मंच पर सूर्पनखा अंग भंग और खर-दूषण वध की लीला का आकर्षक मंचन किया गया। लीला देखने के लिए शंकरपुर के साथ ही आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में दर्शक पहुंचे और जय श्रीराम के नारों से पूरा मैदान गूंज उठा।

रामलीला के दौरान पंचवटी प्रसंग का मंचन हुआ, जहां सूर्पनखा घूमते हुए पहुंचती है और भगवान श्रीराम व लक्ष्मण से विवाह का प्रस्ताव रखती है। श्रीराम उसके छल-कपट को भांपकर उसे लक्ष्मण के पास भेज देते हैं। लक्ष्मण द्वारा मना करने पर सूर्पनखा क्रोधित होकर अपने असली राक्षसी रूप में प्रकट होती है। श्रीराम के संकेत पर लक्ष्मण उसकी नाक और कान काट देते हैं। यह दृश्य होते ही दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से मैदान गुंजा दिया। इसके बाद सूर्पनखा अपने भाइयों खर और दूषण से शिकायत करती है। दोनों राक्षस श्रीराम और लक्ष्मण से युद्ध करने पहुंचते हैं। युद्ध के दौरान भगवान श्रीराम के बाणों से खर-दूषण का वध हो जाता है। उनके सिर धड़ से अलग होते ही दर्शकों ने पुष्प वर्षा कर जयकारे लगाए। पूरी लीला भक्ति और उत्साह के माहौल में संपन्न हुई।

मेले में देरी से पहुंचे डॉक्टर, सीएमओ ने मांगा स्पष्टीकरण

शुक्लागंज। राजधानी मार्ग स्थित न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शुक्लागंज में रविवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे, लेकिन डॉक्टर के देर से पहुंचने के कारण मरीजों को घंटों इंतजार करना पड़ा। कई मरीज लंबी प्रतीक्षा से परेशान होकर बिना इलाज कराए ही वापस लौट गए। मेले में तैनात एमबीबीएस डॉक्टर और आयुर्वेदिक चिकित्सक को सुबह समय पर पहुंचना था। आयुर्वेदिक डॉक्टर अर्चना गुप्ता निर्धारित समय पर पहुंचीं और उन्होंने आयुर्वेदिक इलाज कराने आए मरीजों का परीक्षण शुरू किया। वहीं एमबीबीएस डॉक्टर राजेश चंद्रा निर्धारित समय से काफी देर बाद पहुंचे। डॉक्टर के अनुपस्थित रहने के कारण परिसर मरीजों की भीड़ लग गई और अव्यवस्था की स्थिति बन गई। करीब 11:20 बजे डॉक्टर राजेश चंद्रा अस्पताल पहुंचे और ओपीडी शुरू की। इसके बाद 105 मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक दवाएं दी गईं। स्वास्थ्य मेले में विमल किशोर सिंह, अवनीश मिश्रा, सिद्धार्थ बाजपेई और सतीश कुमार समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सत्य प्रकाश ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में डॉक्टर के देर से पहुंचने की शिकायत मिली है। इस मामले में संबंधित चिकित्सक से स्पष्टीकरण मांगा गया है।

संचारी रोगों के रोकथाम के लिए निकाली जागरूकता रैली

कैडेट्स को स्वच्छता रखने की शपथ दिलाते डीएम व विधायक। अमृत विचार

उन्नाव, अमृत विचार। संचारी रोगों रोकथाम को रविवार से विशेष अभियान की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई। डीएम ने सदर विधायक के साथ रैली को झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पहले रोगों की रोकथाम के लिए सभी स्वच्छता रखने की शपथ ली।

जिला अस्पताल परिसर से अभियान की शुरुआत करते हुए डीएम गौरांग राठी ने कहा स्वच्छता संचारी रोगों से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। कहा कि घरों, गलियों और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखकर कई गंभीर बीमारियों से बचा जा सकता है। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार सुधार के लिए प्रयासरत है।

वार्ड एक में चला सफाई अभियान : शुक्लागंज : शासन के निर्देश पर नगर पालिका परिषद द्वारा रविवार से संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के पहले दिन वार्ड एक सर्वोदयनगर में व्यापक साफ-सफाई की गई। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देशन में एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला के नेतृत्व में दोपहर दो बजे से अभियान शुरू हुआ।

शरद पूर्णिमा को लेकर घाटों में हुई सफाई

घाटों की साफ-सफाई करते पालिका कर्मी। अमृत विचार

शुक्लागंज, अमृत विचार। आगामी शरद पूर्णिमा स्नान को देखते हुए नगर पालिका ने रविवार को शुक्लागंज के सभी घाटों की सफाई और समतलीकरण कराया। पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे और ईओ मुकेश मिश्रा के निर्देश पर, एसबीएम प्रभारी अनूप शुक्ला के नेतृत्व में मिश्रा कॉलोनी से लेकर बालूघाट तक अतिरिक्त सफाई कर्मियों की तैनाती की गई।

सफाई अभियान के दौरान गंगा विशुन घाट, शिव घाट, रेलवे पुल के नीचे, मोनू घाट, बालूघाट और आनंद घाट सहित सभी प्रमुख घाटों को साफ और व्यवस्थित किया गया। इस बार गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर चला गया था, जिससे घाटों में ऊबड़-खाबड़ स्थिति बनी थी। स्नानार्थियों की सुविधा के लिए सभी घाटों पर चेंजिंग रूम, पानी के टैंकर, मोबाइल टॉयलेट और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। पालिका ने गोताखोर और नावें भी तैनात की हैं। पुलिस भी घाटों पर सतर्क रहेगी।

ट्रेन की चपेट में आकर किसान की गई जान

उन्नाव। उन्नाव-प्रयाग रेलमार्ग मार्ग पर ट्रेन की चपेट में आकर किसान की मौत हो गई। अचलगंज थानाक्षेत्र के पचोड्डा गांव निवासी कालीशंकर उर्फ धर्मु (50) पुत्र स्व.रामपाल यादव किसान था। शनिवार की रात वह खाना खाकर गांव के बाहर से निकली उन्नाव-प्रयाग रेलमार्ग के किनारे अपने खेत में खड़ी फसल की रखवाली करने गया था। रविवार सुबह गांव में बाहर रेलवे ट्रैक पर शव पड़ा होने की सूचना पर अचलगंज व रेलवे की पुलिस पहुंची ने शव ट्रैक से हटवाकर रूट क्लियर कराया। पास में उसका मोबाइल मिला। जिस पर संपर्क कर पुलिस ने बेटी को हादसे की खबर दी। इस पर बदहवाश परिजन पहुंचे और शव देख उनमें चीखपुकार मच गई। छोटे भाई गौरी शंकर के प्रार्थना पत्र पर पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पति की मौत से पत्नी शिवदेवी, बेटे अर्जुन, सरवन, अविवाहित बेटी विद्या रो-रोकर कर बेहाल रही।

कालीशंकर (फाइल फोटो)

गंगा में डूबने से अधेड़ की मौत, मचा कोहराम

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

- रविदास नगर में रविवार सुबह गंगा किनारे

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट चौकी अंतर्गत रविदास नगर में रविवार सुबह गंगा किनारे एक अधेड़ का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। शव की सूचना पर स्थानीय लोग मौके पर जुट गए। जानकारी पाकर पुलिस भी पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

इस्माइल (फाइल फोटो)

पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों से शिनाख्त कराने का प्रयास किया, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। बाद में कोतवाली पहुंचा मनसाखेड़ा निवासी गुलज़ार जब अपने पिता की गुमशुदगी दर्ज कराने आया, तो पुलिस ने रविदास नगर में मिले शव को दिखाया। शव देखते ही गुलज़ार फूट-फूटकर रोने लगा और अधेड़ की पहचान अपने पिता इस्माइल (50) पुत्र नसीम निवासी मनसाखेड़ा के रूप में की। गुलज़ार ने बताया कि उसके पिता तांगा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करते थे। परिवार में पत्नी सदरुल, बड़ी बेटी मुस्कान (18), पुत्र गुलज़ार (16) और अनस (15) हैं। बेटे के अनुसार रविवार सुबह इस्माइल बिना किसी को बताए घर से निकल गए थे। जब दोपहर तक वापस नहीं लौटे तो परिजन परेशान होकर उनकी तलाश में निकल पड़े और कोतवाली पहुंचकर गुमशुदगी की सूचना दी। तभी पुलिस ने उन्हें गंगा किनारे मिले शव की जानकारी दी। शव की पहचान होते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला गंगा में डूबने से मौत का प्रतीत होता है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सिटी डायरी

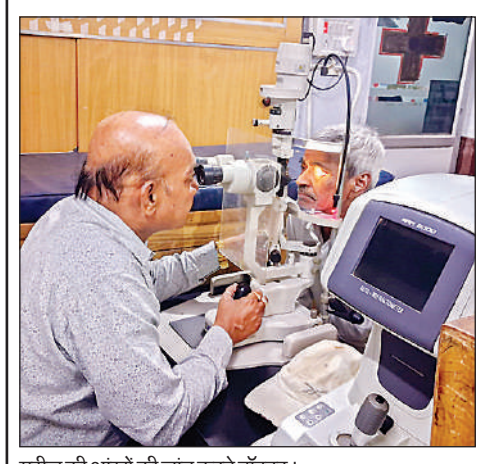

आई कैंप में 110 मरीजों की जांच

मरीज की आंखों की जांच करते डॉक्टर।

शुक्लागंज, गोंडा, अमृत विचार। रविवार को ऋषि आश्रम स्थित नारदानंद नेत्र चिकित्सालय में निशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कैंप में आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे और आंखों की जांच कराई। डॉ. मनीष सिंह के नेतृत्व में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चले कैंप में 110 मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया, जिनमें से 10 मरीजों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया। डॉक्टर ने बताया कि इन मरीजों का सोमवार को कानपुर के एक अस्पताल में नि:शुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा। शिविर में सभी मरीजों को मुफ्त दवाएं दी गईं, जबकि ऑपरेशन कराने वालों को नि:शुल्क चश्मा और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नेत्र चिकित्सक ने बताया कि ऐसे शिविरों का उद्देश्य ग्रामीण और जरूरतमंद मरीजों को नेत्र उपचार की बेहतर सुविधा प्रदान करना है।

यज्ञ मे आहुतियां डालते श्रद्धालु।

गायत्री शक्तिपीठ में विश्व कल्याण के लिए डाली गई आहुतियां

उन्नाव। गायत्री शक्तिपीठ कॉलेज रोड पर आयोजित सत्संग में व्यवस्थापक सिद्धनाथ श्रीवास्तव (एडवोकेट) ने कहा कि उपासना, साधना और आराधना के निरंतर अभ्यास से आत्मबल प्राप्त होता है, जो जीवन की सर्वोपरि संपदा है। भगवान की पूजा सर्वश्रेष्ठ और प्रभावशाली होती है। उन्होंने कहा कि गायत्री विश्व धर्म है, चारों वेदों में तौले जाने पर भी गायत्री का पलड़ा भारी है। जीवन में गायत्री उपासना और यज्ञ को एक अंग मानना चाहिए। गायत्री माता की उपासना से दुख दूर होते हैं और जीवन में सुख-शांति आती है। उन्होंने कहा कि गायत्री भारतीय संस्कृति की जननी और यज्ञ भारतीय धर्म का पिता है।

जाम में फंसे वाहन। अमृत विचार

फोरलेन पर ई-रिक्शों के कारण एक घंटे तक लगा जाम

शुक्लागंज। रविवार दोपहर पोनी रोड तिराहे के पास ई-रिक्शों के आड़े तिरछे खड़े रहने से फोरलेन मार्ग पर करीब एक घंटे तक जाम लग गया। इस दौरान कानपुर जाने वाले लोगों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ा। ई-रिक्शों की वजह से यह समस्या रोजाना देखने को मिल रही है, बावजूद इसके जिम्मेदार अभी तक इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। बालूघाट मोड़ के पास पालिका द्वारा टेंपो स्टैंड का निर्माण कराया गया है, लेकिन यह अभी तक संचालित नहीं हो सका है। लोग अपील कर रहे हैं कि ई-रिक्शा और टेंपो स्टैंड की उचित व्यवस्था कराई जाए।

डीएसएन कॉलेज में चित्र पर माल्यार्पण के बाद खड़े अतिथि।

डीएसएन कॉलेज में मनी जयंती

उन्नाव। डीएसएन महाविद्यालय में संस्थापक पंडित विशंभर दयालु त्रिपाठी की जयंती का भव्य आयोजन किया गया। समारोह की शुरुआत महाविद्यालय परिसर में पंडित त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई। मुख्य अतिथि पंडित विशंभर दयालु त्रिपाठी की नातिन डॉ आस्था दीक्षित मिश्रा एवं उनके पति इंजीनियर आनंद मिश्रा रहे। डॉ आस्था ने अपने संबोधन में बताया कि त्रिपाठी जी भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर वकील और उन्नाव के पहले सांसद थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि पंडित त्रिपाठी ने अपने शानदार वकालत करियर को छोड़कर स्वतंत्रता संग्राम में भाग लिया।

स्मृति | स्वतंत्रता संग्राम सेनानी की 126वीं जयंती और डीवीडीटी इंटर कॉलेज के 80वें संस्थापक दिवस पर कार्यक्रम

जयंती पर याद किए गए सांसद पं. विशंभर दयालु त्रिपाठी

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

अमृत विचार। जनपद के प्रथम सांसद एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित विश्वम्भर दयालु त्रिपाठी की 126वीं जयंती और डीवीडीटी इंटर कॉलेज के 80वें संस्थापक दिवस पर रविवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल एवं सदर विधायक पंकज गुप्ता द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पंडित त्रिपाठी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई।

मुख्य अतिथि सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि यह दिन जनपद ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणादायक है। उन्होंने विद्यालय के विकास के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि जहां भी मेरी आवश्यकता होगी, मैं तन-मन-धन से विद्यालय के लिए समर्पित रहूंगा। अध्यक्षता कर रहे शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल ने पंडित त्रिपाठी के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने गरीबों, किसानों, शोषितों और वंचितों के अधिकारों के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने 1946 में इस विद्यालय की स्थापना की थी। इस अवसर पर पंडित त्रिपाठी की नातिन डॉ. आस्था मिश्रा, उनके पति इंजीनियर गोपाल मिश्रा, कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कुशवाहा, पूर्व प्रधानाचार्य दिवाकर द्विवेदी, रमाशंकर मिश्रा, हरिहर दीक्षित, बिल्लेश्वर शुक्ला, डॉ. विपिन सिंह, मनीष सेंगर, डॉ. राजेश, डॉ. प्रदीप गुप्ता, डॉ. राम नरेश सहित कई शिक्षकों और गणमान्य नागरिकों ने पंडित त्रिपाठी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. जितेंद्र प्रताप सिंह ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ शिक्षक चंद्र प्रकाश शुक्ल 'छुन्ना' ने किया।

हॉल का लोकार्पण करते शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल एवं विधायक पंकज गुप्ता।

विधायक निधि एवं विद्यालय के सहयोग से बना हाल

विधायक निधि एवं विद्यालय के सहयोग से निर्मित सभागार की लागत 22 लाख रुपये रही। इसमें शिक्षक विधायक राज बहादुर सिंह चंदेल एवं सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पांच-पांच लाख रुपये का सहयोग दिया, जबकि शेष राशि विद्यालय प्रबंधन द्वारा वहन की गई। वाटर कूलर की व्यवस्था पूर्व प्रवक्ता बिल्लेश्वर शुक्ला ने प्रदान की।

अमृत विचार

सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

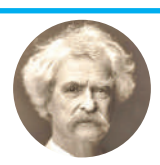

किताबें उन लोगों के लिए हैं, जो चाहते हैं कि वे कहीं और हों।
–मार्क ट्वेन, अमेरिकन राइटर

ताकि दर्द न दे दवा

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कथित तौर पर कफ सिरप पीने से बच्चों की मृत्यु अत्यंत दुखद है। पहली मौत के बाद जांच में देरी और भी त्रासदीपूर्ण रही। इन घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हमारी दवा नियंत्रण प्रणाली में गहरी खामियां हैं, यदि इन्हें समय रहते दुरुस्त नहीं किया गया तो कहीं भी अत्यंत दारुण स्थिति उत्पन्न हो सकती है। घटना के बाद कुछ राज्यों ने संदिग्ध कफ सिरप पर रोक लगाई, तो दवा निर्माण में अग्रणी आधा दर्जन से अधिक राज्यों में दवा उत्पादों की सघन जांच शुरू हो गई। केंद्र सरकार ने भी अपेक्षाकृत त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए सभी राज्यों के स्वास्थ्य सचिवों और ड्रग कंट्रोलर्स की आपात बैठक बुलाई- यह स्वागतयोग्य कदम है, पर दीर्घकालिक सकारात्मक परिणाम तभी मिलेंगे, जब औपचारिक दिशा-निर्देशों पर ईमानदारी से कार्रवाई भी हो। सरकार द्वारा दवा निर्माताओं, वितरकों और विक्रेताओं के काम को सुगम करने के लिए जन विश्वास विधेयक के तहत ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940 की धारा 27D में फेरबदल का प्रस्ताव यदि कानून बना, तो पहले जिन गड़बड़ियों को गंभीर अपराध माना जाता था और जेल की सजा निश्चित थी, वे कृत्य केवल जुर्माने तक सीमित हो सकते हैं। यह बदलाव दवा सुरक्षा पर भारी असर डाल सकता है।

आज भारतीय बाजार में बिकने वाले दवा उत्पादों में से 20 फीसद से ज्यादा नकली हैं। 5 फीसद जेनेरिक दवाएं बेकार। पैरासिटामोल, ओआरएस घोल और सामान्य आई-ड्रॉप्स जैसी सैकड़ों सामान्य उपयोग की दवाएं संदूषित या अमानक हैं। हम दुनिया की 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहलाते हैं। देश में तीन हजार से अधिक दवा कंपनियां और लगभग 10,500 क्रियाशील दवा उत्पादक इकाइयां हैं। हम 185 से अधिक देशों को दवाइयां निर्यात करते हैं और 2030 तक अपने दवा बाजार को 130 अरब डॉलर के पार ले जाने का लक्ष्य रखते हैं। इस प्रतिष्ठा और लक्ष्य को बचाने के लिए नियमों को सरल नहीं, बल्कि कठोर और प्रभावी बनाना होगा।

समस्या केवल उत्पादन स्तर की नहीं है; निगरानी, गुणवत्ता-परीक्षण और लाइसेंसिंग की ढीली व्यवस्थाएं भी जिम्मेदार हैं। कई बार जानलेवा बताई जाने वाली दवाओं को रिकॉल और रैपिड-अलर्ट दिशा-निर्देशों के तहत 24 घंटे के भीतर वापस नहीं लिया जा सका। सरकार के सामने अब दोहरी चुनौती है। दवा उद्योग को राहत देने के साथ उसकी विश्वसनीयता बनाए रखना और आम नागरिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना। ऐसे में सख्त नियमों के साथ प्रत्येक राज्य में आधुनिक प्रयोगशालाएं और त्वरित परीक्षण व्यवस्था स्थापित करने की आवश्यकता है। ड्रग इंस्पेक्टरों की संख्या और प्रशिक्षण स्तर में भी सुधार लाना होगा और दवा-निर्माण से लेकर बिक्री तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल ट्रैकिंग से जोड़कर हर बैच का स्रोत और गुणवत्ता तुरंत जांचने योग्य बनाना होगा, ताकि दर्द न दे दवा, यदि सरकार सख्ती, पारदर्शिता और जवाबदेही को समान रूप से आत्मसात करना, देश की दवाओं तथा भारतीय दवा उद्योग की विश्वसनीयता को बचा लेगा।

प्रसंगवश

सांस्कृतिक परिधान और मानसिकता का प्रश्न

भारतीय समाज में परिधान केवल फैशन या आराम का विषय नहीं रहा, बल्कि पहचान, संस्कृति, धर्म और नैतिकता से जुड़ा प्रतीक माना गया है। विडंबना यह है कि जिन पुरुषों ने स्वयं पश्चिमी जीवनशैली और वस्त्रों को सहज रूप से अपना लिया है, वे ही महिलाओं पर 'भारतीयता' या 'धार्मिकता' के नाम पर पारंपरिक या अरबी पोशाक थोपने की सबसे ज्यादा आवाज उठाते हैं। भारत जैसे बहुलतावादी देश में परिधान सदा से विविध और परिवर्तनशील रहे हैं। मुगल काल में सलवार-कमीज, ब्रिटिश काल में पैंट-शर्ट और कोट, व्यापार और प्रवास के साथ अरब और फारस से आए बहुविध वस्त्र, इन सबने भारतीय परिधान संस्कृति को प्रभावित किया। अगर सदियों से वस्त्र विनिमय होता रहा है, तो महिलाओं के लिए 'शुद्ध भारतीय' या 'विशेष धार्मिक' पहनावे का दबाव ऐतिहासिक चेतना से मेल नहीं खाता।

उपेंद्र चौधरी
वरिष्ठ पत्रकार

आज अधिकांश भारतीय पुरुष ऑफिस, कॉलेज, सार्वजनिक जीवन और विदेश यात्राओं में जीन्स, सूट, टी-शर्ट या शर्ट-पैंट पहनते हैं। वे इसे 'व्यावहारिक' और 'सुविधा जनित' मानते हैं, लेकिन वही पुरुष जब महिलाओं की बात करते हैं, तो उनका स्वर सांस्कृतिक संरक्षक का हो जाता है। वे कहते हैं, "भारतीय नारी को सूट-साड़ी ही पहनना चाहिए।" "मुस्लिम महिला को बुर्का या अबाया पहनना चाहिए।" "लज्जा ही महिला की पहचान है।" यानी वैश्विकता पुरुषों के लिए आधुनिकता और महिलाओं के लिए नियंत्रण का उपकरण बन जाती है।

जब रीति-रिवाजों और धार्मिक मानदंडों की बात आती है, तो भारतीय पुरुष अक्सर धर्म का चयनात्मक सहारा लेते हैं। वे कुरान, वेद, पुराण या धार्मिक परंपराओं का हवाला देकर महिलाओं की पोशाक पर नियम थोपते हैं, जबकि स्वयं धार्मिक पोशाकों में नहीं रहते। सवाल उठता है कि अगर चूड़ीदार-कुर्ता या धोती-कुर्ता भारतीय संस्कृति का प्रतीक है, तो पुरुष सूट-बूट, पैंट-शर्ट और टाई को क्यों अपना लेते हैं? अगर इस्लामी समाज में पर्दा धार्मिक मर्यादा है, तो पुरुषों के लिए कुरानी पोशाक अनिवार्य क्यों नहीं मानी जाती? यह चयनात्मक आस्था वस्त्रों से अधिक सत्ता का मसला है।

महिलाओं के कपड़ों को 'सम्मान', 'शुचिता' या 'इज्जत' से जोड़ देना भारतीय समाज की एक जड़ मानसिकता है, जबकि वस्त्र नैतिकता की कसौटी नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामाजिक, पर्यावरणीय और सांस्कृतिक परिवर्तनों का परिणाम होते हैं। भारत के संविधान ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता, समानता और गरिमा को मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया है। फिर परिधान का प्रश्न महिलाओं की स्वतंत्रता के बजाय पुरुषों की भावनाओं या धर्म की दीवारों से क्यों नापा जाए?

वस्त्र व्यक्तिगत पसंद और सामाजिक व्यवहार से तय हों, न कि लैंगिक नैतिकता से। धर्म का उपयोग आस्था के लिए हो, नियंत्रण के लिए नहीं। पुरुषों को अपनी आधुनिकता और महिलाओं की स्वायत्तता का एक समान सम्मान करना होगा। परंपरा थोपे जाने से नहीं, विकल्प दिए जाने से जीवित रहती है। जिस समाज में पुरुष आधुनिक कपड़े पहनकर 'भारतीय संस्कृति' या 'धर्म' का प्रमाण-पत्र बांटते हों, वहां समस्या वस्त्रों की नहीं, मानसिकता की होती है। वस्त्र कोई धर्मग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन परिस्थितियों और समय का प्रतिबिंब हैं, इसलिए असली सवाल यह नहीं कि महिलाएं भारतीय या अरबी वस्त्र पहनें, बल्कि यह है कि क्या पुरुष वही स्वतंत्रता महिलाओं को दे सकते हैं, जो स्वयं बिना अपराधबोध के भोग रहे हैं? संस्कृति की रक्षा महिलाओं के सीने या सिर पर वस्त्र डालकर नहीं, बल्कि उनके अधिकारों को सम्मान देकर होगी।

यूएन में भारत की सदस्यता व वीटो का पेच

दिग्विजय सिंह
कानपुर

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, ब्राजील, जापान को स्थायी सदस्यता के साथ ही वीटो पावर की ताकत देने पर पेच फंसा हुआ है। भारत को स्थायी सदस्यता देने का विरोध करता आया चीन भी अब उदार नजर आ रहा है। अगर वास्तव में चीन समर्थन करता है, तो भारत स्थायी सदस्य बन जाएगा। अलबत्ता गलवान घाटी में हुए संघर्ष के बाद चीन और भारत के संबंधों में अविश्वास अब भी कायम है, हालांकि दोनों देशों की तरफ से इस अविश्वास को खत्म करने को लेकर लगातार प्रयास हो रहे हैं। सीमा पर विवाद खत्म करने के लिए भी प्रयास हो रहे हैं, लेकिन फिलहाल कोई ठोस परिणाम सामने आता नहीं दिख रहा है। गलवान घाटी में सैनिकों की तैनाती जारी है। इसमें सैनिकों की संख्या में कुछ कमी जरूर आई है। अहम यह है कि दोनों देशों में अविश्वास खत्म हो और पूर्ण भरोसा कायम हो। इसके लिए कूटनीतिक और शीर्ष स्तर पर प्रयास भी हो रहे हैं।

भारत के ज्यादातर प्रधानमंत्री अलग-अलग मंचों पर, यहां तक कि महासभा में भी परिषद में स्थायी सदस्यता का मुद्दा उठा चुके हैं। दुनिया के तमाम देशों ने भारत को स्थायी सदस्य बनाए जाने का समर्थन भी किया है, बावजूद इसके भारत को स्थायी सदस्यता पाने में सफलता नहीं मिल पाई है। भारत न सिर्फ खुद को स्थायी सदस्य बनाए जाने की वकालत कर रहा है, बल्कि ब्राजील, जापान और दक्षिण अफ्रीका के लिए भी स्थायी सदस्यता पर बल दे रहा है। भारत की स्थायी सदस्यता की राह में अब तक सबसे बड़ा रोड़ा चीन रहा है, हालांकि चीन ने भी भारत को यूएन में बड़ी जिम्मेदारी देने की बात कहकर हर किसी को चकित कर दिया है। चीन चाहता रहा है कि भारत को यदि सदस्यता मिले तो पाकिस्तान को भी स्थायी सदस्य बनाया जाए। पहला मौका है जब चीन ने ऐसी शर्त नहीं रखी है।

चीन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में ज्यादा समावेशिता सुनिश्चित करना अंतरराष्ट्रीय शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह बयान तब दिया गया, जब न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक से इतर ब्रिक्स देशों की बैठक हुई। इसमें रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अपने बयान में कहा कि ब्राजील, भारत और अफ्रीकी देशों को सुरक्षा परिषद में स्थायी प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। इसके बाद चीन ने भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य के रूप में भारत और ब्राजील की यूएन में ज्यादा भूमिका निभाने की आकांक्षाओं का समर्थन किया। ऐसा माना जा रहा है कि दुनिया के तमाम देशों पर टैरिफ लगा रहे अमेरिका को अलग-थलग करने के उद्देश्य से ही चीन ने भारत का समर्थन किया है।

चीन का यह बयान बदलते जियो-पॉलिटिक्स को दर्शाता है। साथ ही पाकिस्तान पर भी कूटनीतिक दबाव डालने का तरीका है, क्योंकि पाकिस्तान इस वक्त अमेरिका के करीब जा रहा है और अमेरिका से कई बड़े सौदे करने की तैयारी में है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और सेना प्रमुख तीन बार अमेरिका का दौरा भी कर चुके हैं। चीन द्वारा भारत के समर्थन में दिए गए बयान का यह मतलब नहीं है कि वो भारत को यूएन में स्थायी सदस्य बनाने के लिए तैयार हो गया है। यह सही है कि इस दिशा में उसने कुछ कदम जरूर आगे बढ़ाया है। भारत को स्थायी सदस्यता और वीटो पावर मिलने का मतलब है कि चीन का दबदबा कम होना और भारत का उसके बराबर खड़ा हो जाना। भारत अपनी अर्थव्यवस्था, आबादी, सैन्य ताकत आदि के आधार पर परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग कर रहा है और उसकी मांग वाजिब भी है, लेकिन इस मांग पर भारत का समर्थन करने से पहले चीन को कई बार सोचना पड़ रहा है, क्योंकि पाकिस्तान से उसके रिश्ते प्रभावित होंगे।

खुद को एशिया के सबसे बड़े ताकतवर देश के रूप में मान्यता देने वाला चीन अब तक नहीं चाहता था कि वह सुरक्षा परिषद में भारत को अपने बगल में बैठाए, लेकिन न्यूयार्क में हुई ब्रिक्स देशों की बैठक में रूसी विदेश मंत्री के भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता की मांग का समर्थन करना सबको चकित कर गया। माना जा रहा है कि अब चीन, भारत को खुले दिल से समर्थन दे सकता है, लेकिन अभी यह वक्त की बात है। परिषद के चार स्थायी सदस्य रूस, अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन बहुत पहले से ही भारत को स्थायी सदस्यता देने को तैयार हैं, लेकिन वे नहीं चाहते कि नए स्थायी सदस्यों को वीटो का अधिकार मिले। बिना वीटो के स्थायी सदस्य बनने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। यही वजह है कि भारत लगातार कह रहा है कि ब्राजील, जापान और अफ्रीकी देशों को भी स्थायी सदस्यता के साथ वीटो का अधिकार दिया जाए अन्यथा परिषद लगातार कमजोर होता जाएगा।

चीन वास्तव में खुले मन से यदि परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए समर्थन देता है, तो फिर भारत को इसमें शामिल होने से कोई रोक नहीं सकता है। अब पेच फंसा है, वीटो पावर को लेकर। भारत कूटनीतिक स्तर पर स्थायी देशों को तैयार करने पर लगा है कि वह उनका समर्थन वीटो पावर की ताकत के साथ करे। अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कार्य करने वाले परिषद में 10 अस्थायी सदस्य और पांच स्थायी सदस्य हैं। अस्थायी सदस्यों का कार्यकाल दो साल का होता है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने भी परिषद में भारत की सदस्यता का समर्थन किया है और भारत को बहुपक्षीय व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण आवाज बताया है। इससे यह संकेत मिलता है कि वे भी चाहते हैं कि भारत को स्थायी सदस्यता मिले, पर देखना यह है कि वीटो पावर के साथ स्थायी सदस्य भारत को खुले मन से स्वीकार कर पाते हैं या नहीं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत, ब्राजील, जापान को स्थायी सदस्यता के साथ ही वीटो पावर की ताकत देने पर पेच फंसा हुआ है। भारत को स्थायी सदस्यता देने का विरोध करता आया चीन भी अब उदार नजर आ रहा है।

आमने

मोदी सरकार को बताना चाहिए कि आखिर रूस, जो कभी भारत का सबसे भरोसेमंद रणनीतिक सहयोगी था, अब पाकिस्तान को मदद क्यों दे रहा है। रूस ने पाकिस्तान के चीन निर्मित JF-17 फाइटर जेट्स के लिए एडवांस RD-93MA इंजन देने का फैसला किया है।

–जयराम रमेश
कांग्रेस प्रवक्ता

सामने

रूस ने उन खबरों को खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि मॉस्को पाकिस्तान को RD-93MA इंजन देने जा रहा है। यह सिर्फ अफवाह है और कांग्रेस के कम्युनिकेशन हेड ने फिर से भारत का साथ देने के बजाय दुश्मन का पक्ष ले लिया है।

–अमित मालवीय
बीजेपी प्रवक्ता

सोने की बढ़ती कीमतें और निवेशकों की चिंता

रजत मेहरोत्रा
वित्तीय एवं आर्थिक विशेषज्ञ

भारत में सोना केवल एक धातु नहीं बल्कि संस्कृति, परंपरा और आर्थिक सुरक्षा का प्रतीक है। भारत में सोने का महत्व केवल आभूषणों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सुरक्षित निवेश और परंपरा का प्रतीक भी है। दीपावली जैसे शुभ अवसरों पर सोना खरीदना परंपरा रही है, लेकिन इस बार सोने की कीमतों ने आम निवेशक और खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। दीपावली जैसे शुभ अवसरों पर सोना खरीदना सौभाग्य और समृद्धि का सूचक माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों ने जिस तरह लगातार ऊंचाइयां छुई हैं, उसने आम निवेशक और खरीदारों को उलझन में डाल दिया है। पिछले एक वर्ष में सोना-सितंबर 2024 में 24 कैरट सोने की कीमत लगभग 77,500 प्रति 10 ग्राम थी, जो अप्रैल 2025 में बढ़कर 1,02,000 तक पहुंच गई। अगस्त 2025 में यह दर करीब 1,05,170 हो गई और वर्तमान में (सितंबर 2025) यह 1,11,000 से 1,12,750 प्रति 10 ग्राम के बीच पहुंच चुकी है। यानी, पिछले बारह महीनों में सोने में लगभग 43–45 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़त देखने को मिली है। इतनी तेजी से बढ़ती कीमतों ने सवाल खड़ा किया है कि आखिर निवेशक अब क्या करें और कैसे निवेश करें, ताकि उनकी जेब पर अतिरिक्त बोझ न पड़े।

सोने की कीमतें क्यों बढ़ रही हैं, इसके पीछे कई वैश्विक और घरेलू कारण जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता, अमेरिका और यूरोप में ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव, डॉलर की मजबूती, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और मध्य पूर्व सहित कई क्षेत्रों में भू-राजनीतिक तनाव ने सोने को 'सेफ हेवन एसेट' बना दिया है। निवेशक डॉलर और शेयर बाजार से हटकर सोने में पैसा लगा रहे हैं। त्योहारी सीजन में बढ़ती मांग भी इस तेजी में योगदान दे रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में असुरक्षा का माहौल बना दिया है। ऐसे समय में निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प मानते हैं, जिससे मांग बढ़ जाती है। अमेरिका और अन्य विकसित देशों में ब्याज दरों की अनिश्चितता और डॉलर इंडेक्स में उतार-चढ़ाव का सीधा असर भी सोने की कीमतों पर पड़ता है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा सोना उपभोक्ता देश है और त्योहारों व शादी के सीजन में घरेलू मांग अचानक बढ़ने से दाम और ऊपर चले जाते हैं। महंगाई बढ़ने की स्थिति में सोना मुद्रास्फीति से सुरक्षा के रूप में काम करता है और यही कारण है कि निवेशक इसे और प्राथमिकता देते हैं।

ऐसे हालात में आम भारतीय निवेशक के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि वह सोने में निवेश कैसे करे? क्या महंगे आभूषण खरीदना ही एकमात्र विकल्प है या ऐसे अन्य रास्ते भी हैं, जिनसे सोने में निवेश सुरक्षित और किफायती ढंग से किया जा सकता है? विशेषज्ञों का मानना है कि आज के समय में निवेशकों को परंपरागत सोने की खरीदारी से हटकर आधुनिक विकल्पों पर ध्यान देना चाहिए।

इस स्थिति में लझन समझ में आती है। सीधे आभूषणों में निवेश करने से न केवल जेब पर भारी बोझ पड़ता है, बल्कि मेकिंग चार्ज और शुद्धता की समस्या भी बनी रहती है। ऐसे में समझदारी इसी में है कि निवेशक सोने में नए विकल्पों को अपनाएं। सबसे बेहतर विकल्पों में गोल्ड ईटीएफ शामिल है, जिसमें आप छोटे-छोटे यूनिट्स खरीद सकते हैं और भौतिक सोने की सुरक्षा या चोरी की चिंता नहीं रहती। छोटे निवेशक डिजिटल गोल्ड का विकल्प चुन सकते हैं, जिसे सौ से भी खरीदा जा सकता है। वहीं गोल्ड म्यूचुअल फंड्स उन लोगों के लिए बेहतर हैं जो शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड्स से जुड़े हैं और विशेषज्ञों द्वारा प्रबंधित पोर्टफोलियो में निवेश करना चाहते हैं।

जिन्हें त्योहार पर शगुन या परंपरा निभानी है, वे छोटे सिक्कों या हल्के आभूषणों का विकल्प चुन सकते हैं, ताकि परंपरा भी निभ जाए और जेब पर अतिरिक्त बोझ भी न पड़े। निवेशकों को इस समय लालच से बचना चाहिए और अपनी कुल बचत का केवल 10–15 प्रतिशत हिस्सा ही सोने में लगाना चाहिए। इसे कम से कम 5–7 साल की लंबी अवधि के लिए रखना चाहिए, ताकि अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का असर न हो। केवल सोने पर निर्भर रहने के बजाय इक्विटी, फिक्स्ड डिपॉजिट और बॉन्ड्स जैसे विविध निवेश विकल्प भी अपनाने चाहिए। साथ ही, यदि आपको लगता है कि कीमतें और बढ़ सकती हैं तो आंशिक खरीद अभी करें और बाकी निवेश धीरे-धीरे किस्तों में करें।

दीपावली पर सोने की बढ़ती कीमतें भले ही चिंता बढ़ा रही हों, लेकिन निवेशकों के पास कई समझदारी भरे विकल्प मौजूद हैं। भौतिक सोने की जगह ईटीएफ, डिजिटल गोल्ड चुनना ज्यादा सुरक्षित और किफायती है। पिछले एक साल में सोने की कीमतों में लगभग 45 प्रतिशत की तेजी यह संकेत देती है कि आने वाले समय में यह संपत्ति महंगी होती जाएगी। ऐसे में निवेशकों को चाहिए कि वे सोने को केवल आभूषण नहीं, बल्कि दीर्घकालिक सुरक्षा कवच मानें और छोटे-छोटे कदमों में निवेश कर अपनी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में बढ़ती कीमतों से प्रभावित हुए बिना लाभ भी कमा सकें और परंपरा भी निभा सकें।

पिछले कुछ महीनों में सोने की कीमतों ने जिस तरह लगातार ऊंचाइयां छुई हैं, उसने आम निवेशक और खरीदारों को उलझन में डाल दिया है।

सोशल फोरम

10 पन्नों की किताब, पढ़ने को चाहिए 20 करोड़ साल

ट्रवल प्वाइंट
फेसबुक

क्या आप जानते हैं कि एक ऐसी किताब भी है, जिसे कोई भी इंसान अपनी पूरी जिंदगी में कभी पूरा नहीं पढ़ सकता और उसमें सिर्फ 10 पन्ने हैं? 1960 में, फ्रेंच लेखक रेयमों क्वेनो (Raymond Queneau) ने शायद दुनिया की सबसे लंबी किताब पेश की थी। इसका नाम है Cent mille milliards de pomes यानी एक लाख अरब कविताएं। यह किताब मात्र दस पन्नों की है और हर पन्ने पर एक सॉनेट (Sonnet) छपा हुआ है। इन कविताओं की पंक्तियां एक ही तुकबंदी पैटर्न को साझा करती हैं और इन्हें स्ट्रिप्स (पट्टियों) पर छापा गया है, जिससे पाठक अलग-अलग सॉनेट की पंक्तियों को आपस में मिलाकर नई कविताएँ बना सकते हैं।

इस अनोखी संरचना की वजह से कुल संभावित संयोजनों की संख्या 10 यानी सौ लाख करोड़ (100 ट्रिलियन) बनती है। इसका मतलब यह है कि इस किताब में सौ लाख करोड़ अलग-अलग कविताएं हैं और इतनी सारी संभावनाओं को पढ़ना किसी भी इंसान के लिए नामुमकिन है। अगर कोई लगातार, बिना खाए-पिए, सोए या कुछ और पढ़े बिना, केवल यही किताब पढ़ता रहे, तब भी उसे सारी कविताएं पढ़ने में लाखों साल लग जाएंगे और यह सब केवल 10 पन्नों से निकलता है।

हर बार जब आप इन स्ट्रिप्स को मिलाते हैं, तो एक नई कविता बनती है, जिसमें सही स्टैंजा, लय और तुक होती है। सबसे रोचक बात यह है कि बहुत संभव है कि जो कविता आप बनाएंगे, वह इससे पहले किसी ने कभी नहीं पढ़ी होगी।

खुद क्वेनो ने कहा था कि अगर एक कविता पढ़ने में लगभग 45 सेकंड और अगली कविता तैयार करने में 15 सेकंड लगते हैं, तो सारी संभावित कविताएं पढ़ने में लगभग 20 करोड़ साल लगेंगे।

सामयिकी

पेपर लीक प्रकरण और परीक्षार्थियों का दर्द

उत्तराखंड में पेपर लीक मामले के विरोध में सड़कों पर आंदोलन कर रहे छात्रों में उस समय प्रसन्नता की लहर दौड़ गई जब मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वयं छात्रों के बीच पहुंचकर भर्ती परीक्षा रद्द करने के एलान के साथ-साथ मामले की जांच की मांग भी स्वीकार कर ली। राजधानी देहरादून के परेड ग्राउंड से आरंभ हुआ यह आंदोलन धीरे-धीरे उत्तराखंड के सभी तेरह जिलो तक फैल गया था। मामला 21 सितंबर को ग्रेजुएट लेवल की UKSSC की भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र के परीक्षा के दौरान बाहर आने का है, जिससे सालों से तैयारी कर रहे परीक्षार्थियों का सड़कों पर उतरकर परीक्षा रद्द करने और सीबीआई जांच की मांग जायज थी।

बीना नयाल
लेखिका

किसी भी परीक्षण की पहली शर्त इसकी गोपनीयता, वैधता और विश्वसनीयता होती है, जिसे बनाए रखने की जिम्मेदारी परीक्षा आयोजित करने वाले आयोग की होती है। प्रश्न पत्र निर्मित के लिए स्थापित मानदंडों से कहीं ऊपर है शांत, सुचारु, विश्वसनीय और सुरुचिपूर्ण ढंग से सभी आवंटित सेंटरों में परीक्षाओं का आयोजन होना। पेपर लीक मामले ने सिस्टम के प्रति छात्रों में हताशा, निराशा और अविश्वास तो भरा ही है, लेकिन इससे ऊपर परीक्षा को रद्द न करना उनके आक्रोश का मुख्य कारण था।

उत्तराखंड व अन्य राज्यों में रोजगार के हालात किसी से छिपे नहीं है। यहां युवा सरकारी नौकरियों के लिए दुर्गम इलाकों में स्थित अपने घरों से दूर जाकर शहरी इलाकों में महंगे कोचिंग सेंटरों में मोटी फीस देकर रोजाना घंटों मेहनत करते हैं, तब जाकर चुनिंदा युवाओं की भर्ती की विभिन्न कठिन प्रक्रियाओं से गुजरने के पश्चात नौकरी लगती है। उत्तराखंड के अनेक युवा ऐसे भी हैं, जो खराब आर्थिक परिस्थितियों के कारण दिल्ली शहर में अपने संबंधियों के घर पर रहकर 15 से 20 हजार वेतन में नौकरी करने को विवश हैं। वे नौकरी के साथ उत्तराखंड राज्य आयोग के अधीन विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहे हैं और दोगुनी मेहनत करके सरकारी नौकरी का ख्वाब देख रहे हैं, क्योंकि सरकारी नौकरी महज उनके जीविकोपार्जन और भावी जीवन को बेहतर बनाने का ही सपना नहीं है, वरन् उनके माता-पिता व उनके लिए चिकित्सीय व अन्य सुविधाओं की भी गारंटी है।

ऐसे में पेपर लीक होना इन युवाओं के मनोबल को तोड़ने के साथ उन्हें आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए हतोत्साहित भी करता है और कौशलविहीन छात्रों को महानगरों में जाकर कठिन परिस्थितियों में 15 से 20 हजार मासिक वेतन पर जीवन यापन को मजबूर भी करता है। पिछले कुछ वर्षों से वैसे भी सरकारी सेवा क्षेत्र में भर्तियों की संख्या क्रमशः घटती जा रही है, जिसका मुख्य कारण संविदा पर काम लेने की बढ़ती प्रवृत्ति और बड़े-बड़े सेवा प्रदाता क्षेत्रों का निजीकरण होना भी है।

जो चुनिंदा भर्तियां निकलती भी हैं, तो उनमें भी अलग-अलग वर्गों के अनुसार उच्चतम आयु सीमा के कठोर मानदंड है, साथ ही प्रश्न पत्र के पैटर्न पूरी तरह उच्च स्तरीय वैचारिक कौशल और अनुप्रयोग आधारित हैं, जिसे हल करने के लिए गहन तैयारी, उच्च स्तर की एकाग्रता और पठन सामग्री की विविधता के साथ उसे पूर्ण समझ के साथ आत्मसात करना अनिवार्य है। यह अच्छी बात है कि सरकार ने पेपर लीक प्रकरण से उपजे रोष को देखते हुए पूर्व न्यायाधीश के नेतृत्व में कमेटी गठित कर दी है, परंतु अब आयोग को चाहिए की शीघ्रतातीत पूर्ण पारदर्शिता और विश्वसनीयता से रद्द परीक्षा दोबारा आयोजित कराए, जिससे छात्रों का सिस्टम पर विश्वास बना रहे।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

भरोसेमंद एसयूवी टाटा सिएरा का नया अवतार

90 के दशक की मशहूर एसयूवी टाटा सिएरा भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक बार फिर हलचल मचाने को तैयार है। पेट्रोल और डीजल वर्जन केबाद, इलेक्ट्रिक मॉडल, लेवल 2 एडीएएस (एडवांस्ड ड्राइवर-असिस्टेंस सिस्टम) और ट्रिपल स्क्रीन फीचर्स के साथ लौट रही है। टाटा मोटर्स, हमेशा से अपनी मजबूत और भरोसेमंद एसयूवी के लिए जानी जाती है। टाटा अपनी लोकप्रिय कार 'सिएरा' को नए अवतार में वापस लाने की तैयारी में है। कंपनी इस बार इसे केवल एक कॉम्पैक्ट एसयूवी नहीं, बल्कि एक हाईटेक, प्रीमियम इलेक्ट्रिक और एडवांस्ड स्मार्ट मशीन के रूप में पेश करने की योजना बना रही है।

लॉन्चिंग का समय

ऑटोमोबाइल बाजार की खबरों की माने तो टाटा मोटर्स इस नई सिएरा को अगले साल की शुरुआत में भारतीय बाजार में पेश कर सकती है। यह कदम कंपनी के लिए सिर्फ एक नई गाड़ी लॉन्च करने से कहीं अधिक ब्रांड की विरासत को आगे बढ़ाने और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में नेतृत्व दर्ज करने का अवसर है।

क्यों है महत्वपूर्ण

टाटा सिएरा की वापसी भारतीय एसयूवी प्रेमियों के लिए एक भावुक पल होगा, क्योंकि एसयूवी के शौकीन लोगों के लिए यह कार 90 के दशक में बेहद लोकप्रिय थी।

- इलेक्ट्रिक वर्जन भारतीय ईवी मार्केट में एक नई दिशा दे सकता है।
- एडीएएस और ट्रिपल स्क्रीन जैसे फीचर्स इसे प्रीमियम सेगमेंट में सीधे प्रतिस्पर्धी बनाएंगे।

क्या कहना है एक्पर्ट का

टाटा मोटर्स की यह रणनीति उनके ईवी पोर्टफोलियो को मजबूत करेगी और उन्हें ग्लोबल ईवी बाजार में एक मजबूत स्थिति दिलाएगी। नई सिएरा सिर्फ एक एसयूवी नहीं होगी, बल्कि यह भारतीय बाजार में टेक्नोलॉजी, आराम और सुरक्षा का नया मानक सेट करेगी।

ऑटो इंडस्ट्री एनालिस्ट

टाटा सिएरा का रीलॉन्चिंग सिर्फ एक कार का लॉन्च नहीं होना नहीं है, बल्कि यह भारतीय ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में एक नए युग की शुरुआत हो सकती है। इलेक्ट्रिक वर्जन के साथ इसकी शुरुआत और पेट्रोल-डीजल मॉडल के बाद में आगमन, इसे हर तरह के ग्राहकों के लिए आकर्षक और बेहतर विकल्प बना देगा। आने वाला साल एसयूवी और ईवी प्रेमियों के लिए रोमांचक साबित होने वाला है।

सिएरा का इलेक्ट्रिक वर्जन

टाटा मोटर्स का निर्णय है कि यह नई सिएरा पहले इलेक्ट्रिक वर्जन के रूप में लॉन्च होगी। इसका मतलब है कि भारत में यह एसयूवी इलेक्ट्रिक मोबिलिटी की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। पेट्रोल और डीज़ल मॉडल बाद में बाजार में उपलब्ध होंगे। यह रणनीति टाटा मोटर्स को ईवी सेगमेंट में पहले स्थान पर लाने के साथ-साथ पर्यावरण और भविष्य की टेक्नोलॉजी में भी आगे बढ़ाएगी।

हाई-टेक फीचर्स

ट्रिपल स्क्रीन लेआउट

इन्फोटेनमेंट, ड्राइव डेटा और नेविगेशन के लिए तीन अलग स्क्रीन, जिससे इंटरफेस और राइड एक्सपीरियंस बेहतरीन होगा।

लेवल 2 एडीएएस

इसमें लेन कीपिंग, ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, अडैप्टिव क्रूज कंट्रोल और ब्लाइंड-स्पॉट डिटेक्शन जैसे फीचर्स शामिल हो सकते हैं।

मॉडर्न डिजाइन : एयरोडायनामिक बॉडी, एलईडी लाइट्स, प्रीमियम इंटीरियर्स और स्मार्ट कनेक्टिविटी के साथ मॉडर्न डिजाइन में उपलब्ध रहेगी।

इंजन और परफॉर्मेंस

इलेक्ट्रिक वर्जन (ईवी) में हैरियर ईवी जैसा ड्यूल-मोटर सेटअप मिलने की उम्मीद है, जिससे इसे ऑल-व्हील ड्राइव (एडब्ल्यूडी) क्षमता मिल सकती है। इसकी रेंज 500 किमी से ज्यादा होने की भी उम्मीद है।

पेट्रोल वेरिएंट

इसमें नया डेवलप किया गया 1.5-लीटर टर्बोचार्ज्ड इंजन मिल सकता है, जो लगभग 168 पीएस की पावर और 280 एनएम का टॉर्क देगा।

टाट की नई सिएरा में ग्राहकों को मिलने वाले फीचर्स इसे बाजार में एक अलग पहचान देने वाले साबित होंगे।

डीजल वेरिएंट

डीजल वेरिएंट में 2.0-लीटर डीजल इंजन मिलने की उम्मीद है, जो लगभग 170 पीएस की पावर और 350 एनएम का टॉर्क देगा।

ट्रांसमिशन

ग्राहकों को 6-स्पीड मैनुअल और 6-स्पीड टॉर्क कन्वर्टर ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का विकल्प मिल सकता है।

टिप्स

बाइक सिर्फ सवारी नहीं, एक एहसास है... रखें इसका भी ख्याल

बहुत से लोगों के लिए 'बाइक' सिर्फ एक जगह से दूसरी जगह जाने का जरिया नहीं होती, बल्कि एक इमोशनल अटैचमेंट होता है। दोस्तों के साथ शाम की सैर हो या किसी शादी-ब्याह में स्टेशन से मेहमानों को लाना हो। हर वक्त बाइक साथ निभाती है। यहां तक कि अगर मूड खराब हो, तो ठंडी हवा खाने के लिए भी यही साथी बन जाती है। क्या कभी सोचा है कि जितनी वफादारी से बाइक आपका साथ देती है, क्या आप उतनी ही ईमानदारी से उसकी देखभाल करते हैं? क्योंकि थोड़ी सी लापरवाही उसके इंजन को नुकसान पहुंचा सकती है। इंजन को बाइक का दिल माना जाता है। अगर ये ठीक न रहे, तो पूरी मशीनरी पर असर पड़ता है और मरम्मत में जेब भी हल्की हो जाती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि इंजन ऑयल कब बदलना चाहिए, ताकि आपकी बाइक हमेशा फिट और फास्ट बनी रहे।

■ इंजन से तेज आवाज आना

आपकी बाइक का इंजन पहले से ज्यादा आवाज करने लगे, तो यह संकेत हैं कि बाइक का इंजन ऑयल बदलने का समय आ गया है, क्योंकि नया ऑयल इंजन के पाट्र्स पर सेफ्टी लेयर बनाता है, जिससे धातु के पुर्जे आसानी से चल सकें। जब यह लेयर कमजोर हो जाती है, तो पुर्जों में घर्षण बढ़ जाता है और इंजन की आवाज तेज हो जाती है।

■ इंजन का जल्दी गर्म होना

आपकी बाइक थोड़ी देर चलाने पर ही गरम होने लग जाती है, तो यह संकेत है कि इंजन ऑयल या तो कम हो गया है या खराब हो चुका है। खराब ऑयल इंजन को पर्याप्त लुब्रिकेशन नहीं देता, जिससे इंजन पर ज़ोर पड़ता है और डैमेज का खतरा बढ़ जाता है। यह बाइक की इंजन की लाइफ पर भी असर डालता है।

■ बाइक की स्पीड कम होना

अगर आपकी बाइक पहले जैसा स्पीड और जैसी स्मूद राइड नहीं दे पा रही है और ज्यादा एक्सीलरेटर देने पर भी स्पीड नहीं बढ़ रही? यह संकेत है कि इंजन ऑयल अपना असर खो चुका है। कम लुब्रिकेशन से पावर आउटपुट घट जाता है, जिससे बाइक की परफॉर्मेंस डाउन हो जाती है।

■ ऑयल लेवल कम दिखना

बाइक के इंजन ब्लॉक के साइड में बनी छोटी सी खिड़की से ऑयल लेवल देखा जा सकता है। अगर तेल का स्तर मिनिमम मार्क से नीचे चला गया है तो बिना देरी किए बाइक के इंजन का ऑयल चेंज करवा लें। इंजन की सेहत जांचने का यह सबसे आसान और भरोसेमंद तरीका है।

■ ऑयल का रंग बदल जाना

नए इंजन ऑयल का रंग हल्का भूरा होता है, जबकि पुराना ऑयल काला और गाढ़ा हो जाता है। अगर डिपस्टिक या उंगली से जांचने पर ऑयल खुरदुरा लगे या उसमें छोटे-छोटे कण दिखाई दें, तो ये साफ संकेत है कि अब ऑयल बदलने का वक्त आ गया है।

सफर में कार की बैटरी डेड होने पर अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

कार किसी भी सफर को आरामदायक और यादगार बनाती है, लेकिन अगर बीच रास्ते में इंजन अचानक बंद पड़ जाए और कार स्टार्ट न हो, तो यह किसी भी ड्राइवर के लिए तनाव भरा पल बन जाता है। खासकर तब, जब आप किसी सुनसान जगह पर हों और मदद के लिए आसपास कोई भी इंसान न दिखे। अक्सर यह परेशानी कार की बैटरी डेड होने की वजह से होती है। बैटरी खत्म हो जाने पर गाड़ी स्टार्ट नहीं होती और लोग घबरा जाते हैं। यह हमेशा हमारी जरा सी लापरवाही की वजह से हमको इस स्थिति से दो-चार होना पड़ता है। सफर में गाड़ी जब भी बंद हो जाए या बैटरी डेड हो जाए तो हमको घबराने या चिंता करने की जरूरत नहीं है। ऐसे में कुछ आसान और कारगर उपाय अपनाकर आप अपनी कार को खुद स्टार्ट कर सकते हैं और इस मुश्किल हालात से आसानी से बाहर निकल सकते हैं। आज हम आपको वह टिप्स बताते हैं, जिनको अपनाकर आप डेड बैटरी के कारण सफर के बीच में बंद हुई कार को स्टार्ट कर सकते हैं। आइए जानते हैं वो ट्रिक्स-

■ धक्का देकर करें स्टार्ट

कार को धक्का देकर स्टार्ट करना सबसे पुराना, लेकिन आज भी असरदार तरीका है। सबसे पहले गाड़ी को न्यूट्रल गियर में डालें और इग्निशन ऑन करें। अब किसी साथी से कहें कि वो कार को पीछे से धक्का लगाए। जैसे ही कार थोड़ी रफ्तार पकड़ ले, क्लच दबाएं, दूसरे या तीसरे गियर में डालें और धीरे-धीरे क्लच छोड़ दें। अक्सर पहली या दूसरी कोशिश में ही इंजन चालू हो जाता है। यह तरीका खासतौर पर मैनुअल ट्रांसमिशन वाली कारों में काम करता है।

■ जंपर केबल का करें प्रयोग

अगर आपके पास जंपर केबल है और आसपास कोई दूसरी गाड़ी मौजूद है तो यह सबसे आसान समाधान है। दोनों गाड़ियों को पास-पास खड़ा करें और ध्यान रखें कि दोनों के इंजन बंद हों। अब जंपर केबल को दूसरी कार की बैटरी से जोड़कर अपनी गाड़ी की बैटरी में लगाएं। इसके बाद कार को स्टार्ट करने की कोशिश करें। ज्यादातर मामलों में इंजन तुरंत चालू हो जाता है। इसलिए एक्सपर्ट्स सलाह देते हैं कि कार में हमेशा जंपर केबल रखना चाहिए, ताकि ऐसी स्थिति में परेशानी न हो।

एक्सपर्ट की सलाह

ऑटो एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगर आपकी कार लंबे समय तक पार्क रहती है या रोजाना इस्तेमाल में नहीं आती, तो बैटरी जल्दी कमजोर हो जाती है। ऐसे में समय-समय पर इंजन चालू कर बैटरी को एक्टिव रखना जरूरी है। इसके अलावा, लाइट, म्यूजिक सिस्टम या एसी चालू छोड़कर इंजन बंद न करें, क्योंकि इससे बैटरी पर अतिरिक्त लोड पड़ता है।

कार स्टार्ट होने के बाद करें ये काम

अगर आपकी कार धक्का देकर या जंपर केबल से स्टार्ट हो गई है, तो उसे तुरंत बंद न करें। कम से कम 20 से 30 मिनट तक चलाएं या थोड़ी दूरी तक ड्राइव करें। इससे बैटरी दोबारा चार्ज हो जाएगी। इसके बाद बैटरी की स्थिति जांच लें। अगर वोल्टेज कम है या चार्ज जल्दी खत्म हो रहा है, तो नई बैटरी लगवाना ही बेहतर विकल्प रहेगा। इससे आगे ऐसी समस्या दोबारा नहीं होगी।

अगले सप्ताह टीसीएल व एलजी का आईपीओ

नई दिल्ली। दो प्रमुख कंपनियां टाटा कैपिटल लिमिटेड (टीसीएल) और एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया लिमिटेड अपने आईपीओ पेश करने की तैयारी में हैं, जिनका मूल्य 27,000 करोड़ से अधिक है। ये आईपीओ ऐसे समय आ रहे हैं, जब व्यापक इक्विटी बाजार में तनाव के बावजूद, भारतीय प्राथमिक बाजार में तेजी है। वर्ष 2025 में कुल 78 कंपनियां पहले ही आईपीओ के जरिये मुख्य बाजार में प्रवेश कर चुकी हैं, और इस महीने कई निर्गम आने की योजना है।

अमृत विचार

लखनऊ, सोमवार, 6 अक्टूबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वेदांता 13,226 करोड़ निवेश से करेगा विस्तार

नई दिल्ली। अनिल अग्रवाल के नेतृत्व वाली वेदांता लिमिटेड वित्त वर्ष 2027-28 तक अपनी एल्युमीनियम क्षमता को 31 लाख टन प्रति वर्ष (एमटीपीए) तक बढ़ाने के लिए 13,226 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी की वर्तमान क्षमता 24 लाख टन प्रति वर्ष है। सूत्रों ने कहा कि वेदांता एल्युमीनियम को अपनी वृद्धि रणनीति के केंद्र में रख रही है और एक विस्तार योजना के तहत वित्त वर्ष 2027-28 तक इसकी क्षमता 31 लाख टन प्रति वर्ष हो जाएगी। कंपनी इस विस्तार के लिए अगले कुछ वर्षों में 13,226 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है। वेदांता घरेलू बाजार में 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी के साथ देश की अग्रणी एल्युमीनियम उत्पादक है।

एडब्ल्यूएल चाहता है 10% से अधिक राजस्व वृद्धि

नई दिल्ली। खाद्य तेल और अन्य खाद्य पदार्थ बेचने वाली एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड को बेहतर उपभोक्ता मांग के चलते चालू वित्त वर्ष में राजस्व सालाना आधार पर 10% से अधिक बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी का राजस्व 2025-26 में 63,672.24 करोड़ रुपये था। एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड, जिसे पहले अडाणी विल्मर लिमिटेड के नाम से जाना जाता था, फॉर्च्यून ब्रांड के तहत खाद्य तेल और खाद्य उत्पाद बेचती है। कंपनी ने हाल में दो बड़े ब्रांड कोहिनूर और टॉप्स का अधिग्रहण किया है। एडब्ल्यूएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंशु मलिक ने बताया कि खाद्य तेल व्यवसाय और एफएमसीजी का राजस्व चालू वित्त वर्ष 2025-26 में बढ़ेगा। हमने पिछले वित्त वर्ष में 63,000 करोड़ रुपये का कारोबार किया। हम मूल्य के लिहाज से 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक घटक से मूल्यवर्धन होगा दोगुना

नई दिल्ली। गैर-अर्धचालक इलेक्ट्रॉनिक घटकों के लिए भारत की पहली योजना के तहत मिले रिकॉर्ड प्रस्तावों से अगले पांच वर्षों में स्थानीय मूल्यवर्धन दोगुना होकर 40% तक हो सकता है। उद्योग निकाय एल्सीना ने यह अनुमान जताया। इलेक्ट्रॉनिक्स घटक निर्माताओं के निकाय ने राज्य सरकारों से केंद्र की इलेक्ट्रॉनिक्स घटक विनिर्माण योजना (ईसीएमएस) का समर्थन करने के लिए कारोबारी सुगमता को बढ़ाने का आग्रह किया है। ईसीएमएस को 1.15 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं, जो योजना के तहत 59,000 करोड़ रुपये के लक्ष्य से दोगुने से भी अधिक है।

आर्थिक आंकड़े शेयर बाजार को करेंगे प्रभावित

वैश्विक रुझानों और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस के तिमाही नतीजों पर होगी निवेशकों की नजर

- निफ्टी में 239.55 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी आई

नई दिल्ली, एजेंसी

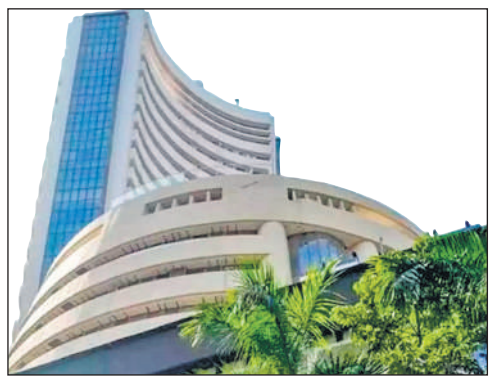

विश्लेषकों के मुताबिक इस सप्ताह शेयर बाजार में कारोबारी धारणा व्यापक आर्थिक आंकड़ों, वैश्विक रुझानों और आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस के तिमाही नतीजों से तय होगी। कारोबारी विदेशी निवेशकों की गतिविधियों पर भी नजर रखेंगे। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) सितंबर माह में बिकवाल बने रहे। उन्होंने भारतीय इक्विटी से 23,885 करोड़ रुपये बेच दिए हैं, जो अब तक जारी है।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा, ''यह सप्ताह महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही के आय सत्र की शुरुआत हो रही है, और आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस नौ अक्टूबर को अपने नतीजे घोषित करेगी। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर, एचएसबीसी सेवाओं और समग्र पीएमआई के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र के ऋण और जमा वृद्धि के आंकड़ों पर कड़ी नजर रहेगी।'' इस बीच, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। ऑनलाइन कारोबार फर्म एनरिच मनी के सीईओ पोनमुडी आर ने कहा कि व्यापक संकेतों के स्थिर होने के साथ ही बाजार का ध्यान दूसरी तिमाही की आय और प्रबंधन की टिप्पणियों पर जाएगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 780.71 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़ा, और निफ्टी में 239.55 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी आई।

शीर्ष सात कंपनियों की पूंजी 74,573 करोड़ रुपये बढ़ी

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में सात का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 74,573.63 करोड़ रुपये बढ़ गया। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 780.71 अंक या 0.97 प्रतिशत चढ़ा, और निफ्टी में 239.55 अंक या 0.97 प्रतिशत की तेजी आई। एचडीएफसी बैंक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को फायदा हुआ, जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल और इंफोसिस के मूल्यांकन में गिरावट आई। देश में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी रही। इसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर और एलआईसी का स्थान रहा।

एफपीआई ने सितंबर माह में 23,885 करोड़ रुपये के शेयर बेचे

नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) सितंबर में भारतीय इक्विटी के शुद्ध विक्रेता बने रहे। इस दौरान उन्होंने 23,885 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, और इस साल अब तक उन्होंने कुल 1.58 लाख करोड़ रुपये की बिकवाली की है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक अगस्त में 34,990 करोड़ रुपये और जुलाई में 17,700 करोड़ रुपये की भारी बिकवाली के बाद यह निकासी का लगातार तीसरा महीना है। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के प्रमुख, प्रबंधक अनुसंधान हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि हालिया बिकवाली कई कारकों से प्रेरित थी, जैसे अमेरिका का भारत पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाना और एच-1बी वीजा पर एकमुश्त एक लाख अमेरिकी डॉलर की शुल्क वृद्धि। रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिरने से मुद्रा जोखिम भी बढ़ा, जबकि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की 2025 में कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये की निकासी

- विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने की 2025 में कुल 1.6 लाख करोड़ रुपये की निकासी

गिरने से मुद्रा जोखिम भी बढ़ा, जबकि विदेशी इक्विटी के अपेक्षाकृत उच्च मूल्यांकन के चलते एफपीआई ने दूसरी एशियाई बाजारों की ओर रुख किया। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि मौजूदा बिकवाली के बावजूद स्थितियां धीरे-धीरे भारत के पक्ष में हो सकती हैं। एंजेल वन के वरिष्ठ फंडामेंटल विश्लेषक वकारजावेद खान ने कहा कि मूल्यांकन अब अधिक उचित हो गए हैं और जीएसटी दरों में कटौती तथा वृद्धि समर्थक मौद्रिक नीति जैसे कारक विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी को एक बार फिर जगा सकते हैं।

कई कारकों से सोने के दाम अस्थिर रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- अमेरिका के वित्त पोषण विधेयक श्रम बाजार के आंकड़ों व फेडरल रिजर्व के बयानों पर रहेगा ध्यान

आगामी सप्ताह में सोने के दाम अस्थिर रह सकते हैं, क्योंकि निवेशक अमेरिकी सरकार के वित्त पोषण विधेयक, श्रम बाजार के आंकड़ों और फेडरल रिजर्व के बयानों पर नजर रखेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि गुरुवार को फेडरल ओपन मार्केट कमेटी की बैठक के विवरण जारी होने से भी सर्राफा बाजार की धारणा प्रभावित होने की संभावना है।

जेपीएम फाइनेंशियल सर्विसेज के उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा कि आगामी सप्ताह अपेक्षाकृत कम आंकड़ों वाला है, लेकिन अस्थिरता ज्यादा रहने की उम्मीद है। मुनाफावसूली बढ़ सकती है, जिसके बाद नए सिरे से खरीदारी भी हो सकती है। आंकड़ों के मोर्चे पर श्रम बाजार व फेडरल रिजर्व की टिप्पणी पर फेड प्रमुख जेरोम पॉवेल के भाषण पर भी ध्यान होगा। मेर ने कहा कि सोने की कीमतों में 3.5 से 4% और वृद्धि हुई है। यह बढ़ोतरी कमजोर अमेरिकी डॉलर और आंशिक अमेरिकी सरकार के बंद होने की चिंताओं से हुई है, जिससे महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों के जारी होने में देरी हुई है। बाजार सहभागी फेड द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावना पर भी विचार कर रहे हैं।

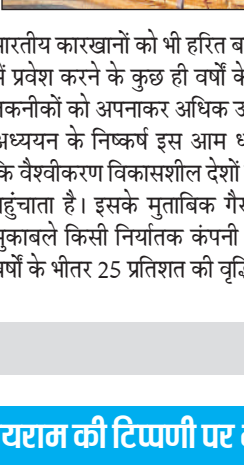

भारत में सोने-चांदी का आयात लगभग दोगुना

शुक्रवार को सोना 1,18,113 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जो इतिहास के सबसे ऊंचे स्तर 1,18,444 रुपये के करीब था। अल्फा मनी में इक्विटी और पीएमएस के प्रबंध साझेदार ज्योति प्रकाश ने कहा कि सोने की कीमतों में 2.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में बढ़ती हिस्सेदारी, केंद्रीय बैंकों की संभावित नई मांग और सट्टेबाजी की मजबूत स्थिति सोने की कीमतों में उछाल को बढ़ावा दे रही है। त्योहारों और शादी के मौसम के कारण भारत में सितंबर में सोने और चांदी का आयात अगस्त की तुलना में लगभग दोगुना हो गया है।

भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना रहेगा रूस

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में सितंबर में मामूली गिरावट देखी गई, लेकिन इसका देश की कुल तेल खरीद में एक-तिहाई से अधिक हिस्सा बना रहा। गौरतलब है कि रूस से तेल खरीदने के कारण अमेरिका ने भारत पर दंडात्मक शुल्क लगाया है।

सितंबर में भारत का कच्चा तेल आयात लगभग 47 लाख बैरल प्रतिदिन था, जो मासिक आधार पर 2.2 लाख बैरल प्रतिदिन अधिक था और सालाना आधार पर स्थिर रहा। रूसी कच्चे तेल ने भारत के सबसे बड़े एकल आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी स्थिति बनाए रखी। भारत के कुल तेल आयात में इसकी हिस्सेदारी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन या 34 प्रतिशत रही। वैश्विक व्यापार विश्लेषण फर्म केप्लर के प्रारंभिक आंकड़ों से पता चला कि यह 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान आयातित औसत रूसी तेल से लगभग 1.6 लाख बैरल प्रतिदिन कम था।

- भारत के कच्चे तेल के आयात में आई मामूली गिरावट, देश के कुल तेल खरीद में एक-तिहाई से अधिक हिस्सेदारी

गिरावट के बावजूद रिफाइनरों के लिए किफायती विकल्प

केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक (रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग) सुमित रिटोलिया ने कहा कि गिरावट के बावजूद, रूसी कच्चा तेल भारतीय रिफाइनरों के लिए सबसे किफायती विकल्पों में से एक बना हुआ है। इराक भारत का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता था, उसके बाद सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात का स्थान रहा। अमेरिका 2.06 लाख बैरल प्रतिदिन के साथ भारत का पांचवां सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता था। रिटोलिया ने कहा कि रिफाइनरी स्पष्ट रूप से पश्चिम एशिया, अमेरिका और अफ्रीका में विविधीकरण पर जोर दे रही हैं, लेकिन रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बना रहेगा।

निर्यात से देश के कारखाने 25% तक बन रहे हरित

नई दिल्ली, एजेंसी

निर्यात व्यावसायिक वृद्धि में सहायक होने के साथ ही भारतीय कारखानों को हरित भी बना रहा है। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), लखनऊ ने दो दशकों के आंकड़ों का विश्लेषण करने के बाद किए अध्ययन में यह पाया।

अध्ययन में जांच की गई कि क्या निर्यात से भारतीय विनिर्माण कंपनियां हरित प्रथाओं को अपनाने को प्रोत्साहित हो रही हैं। आईआईएम-लखनऊ में अर्थशास्त्र और व्यावसायिक पर्यावरण के प्रो. चंदन शर्मा के नेतृत्व में किया गया अध्ययन प्रतिष्ठित एनर्जी इकोनॉमिक्स (एल्सेवियर) पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। विकासशील देशों में पर्यावरणीय दबाव बढ़ाने के लिए अक्सर व्यापार की आलोचना की जाती है, लेकिन इस बात के सीमित प्रमाण हैं कि निर्यात आधारित कंपनियां हरित प्रथाओं को अपनाती हैं। खासकर ऊर्जा उपयोग के मामले में ऐसा देखा गया। शर्मा ने बताया कि निर्यात न केवल वृद्धि को बढ़ावा देता है, बल्कि भारतीय कारखानों को भी हरित बनाता है। वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने के कुछ ही वर्षों के भीतर, कंपनियां उन्नत तकनीकों को अपनाकर अधिक ऊर्जा कुशल बन जाती हैं। अध्ययन के निष्कर्ष इस आम धारणा को चुनौती देते हैं कि वैश्वीकरण विकासशील देशों में पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। इसके मुताबिक गैर-निर्यातक कंपनियों के मुकाबले किसी निर्यातक कंपनी की ऊर्जा दक्षता में तीन वर्षों के भीतर 25 प्रतिशत की वृद्धि होती है।

राष्ट्रीय

पीओके भारत का एक कमरा, उसे वापस लेकर रहेंगे

आरएसएस प्रमुख भागवत बोले- भाषा या संप्रदाय कुछ भी हो पर 'हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं'

सतना (मध्यप्रदेश), एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का अभिन्न हिस्सा बताते हुए कहा कि यह भारत के घर का एक कमरा है, जिस पर अजनबियों ने कब्जा कर रखा है। उन्होंने कहा कि पीओके को एक दिन भारत में वापस लाया जाएगा। भागवत ने कहा कि चाहे कोई खुद को किसी भी भाषा या संप्रदाय का माने, लेकिन सच्चाई यह है कि हम सब एक हैं, हम सब हिन्दू हैं।

भागवत ने सिंधी कैंप स्थित गुरुद्वारा का उद्घाटन करने के बाद बीटीआई मैदान में आयोजित सभा में अखंड भारत की अवधारणा का उल्लेख करते हुए कहा कि जो लोग अपना घर वहां छोड़कर आए हैं, कल वापस लेकर फिर से डेरा डालना है। आज हम लोगों की स्थिति ऐसी है कि हम टूटा हुआ आईना देखकर अपने आपको अलग मान रहे हैं। एकता चाहिए, झगड़ा क्यों है? चाहे हम अपने आप को किसी भी भाषा या संप्रदाय का कहें लेकिन यह सत्य है कि हम सब एक हैं। भागवत ने कहा कि एक चतुर अंग्रेज आया, हमसे लड़ाई की, हमें हराकर हम पर राज किया। उसने हमसे आध्यात्मिकता का दर्पण छीन लिया और भौतिकवाद का टूटा हुआ दर्पण थमा दिया। तब से हम खुद को अलग मानने लगे और छोटी-छोटी बातों पर झगड़ने लगे।

उन्होंने कहा कि यह प्रसन्नता की बात है कि बंटवारे के समय सिंधी समुदाय के लोग पाकिस्तान नहीं गए। जो लोग अपना घर छोड़कर आए हैं, जिनको हड़प लिया गया, उन्हें कल वापस लेकर फिर से वहीं डेरा डालना है। भागवत ने कहा कि पूरा भारत एक घर है। हमारे घर का एक कमरा, जहां हमारी मेज, कुर्सी और कपड़े रखे थे, उसे किसी ने कब्जा लिया है। एक दिन हमें उसे वापस लेना होगा। भागवत का बयान पीओके पर भारत के रुख को और सशक्त करता है। उन्होंने कहा कि यह भौगोलिक हिस्सा नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का हिस्सा है। भागवत ने कहा कि नयी पीढ़ी को इस दिशा में विचार करना चाहिए।

पाकिस्तान को चेतावनी दी- भारत चुप नहीं बैठेगा

सिंधी समाज का जिक्र करते हुए भागवत ने भावुक अंदाज में कहा कि यहां बहुत से सिंधी भाई-बहन बैठे हैं, मुझे बहुत खुशी है। वे पाकिस्तान नहीं गए, बल्कि अखंड भारत में ही थे। हालात ने हमें यहां लाकर बैठा दिया, वरना हमारा वह घर और यह घर अलग नहीं है। उन्होंने सिंधी समुदाय को आश्वासन दिया कि उनका दर्द और उनकी भावनाएं भारत के साथ हैं। भागवत के बयान को भारत की नीति और दृष्टिकोण के रूप में देखा जा रहा है। पीओके को लेकर भारत हमेशा से कहता रहा कि यह उसका अभिन्न हिस्सा है। भागवत ने स्पष्ट किया कि भारत अपनी धरोहर को वापस लेने के लिए प्रतिबद्ध है। उनके बयान ने न केवल देशभक्ति की भावना को प्रबल किया, बल्कि पाकिस्तान को चेतावनी भी दी कि भारत अपने हक के लिए चुप नहीं बैठेगा।

भारत में अनेक भाषाएं सबका भाव एक

भागवत ने भाषा विवाद पर कहा कि भारत में भाषाएं अनेक हैं, लेकिन भाव सबका एक ही होता है। उन्होंने कहा कि सारी भाषाएं भारत की राष्ट्रभाषाएं हैं। प्रत्येक नागरिक को कम से कम तीन भाषाएं आनी चाहिए, स्थानीय भाषा, जिस राज्य में रह रहे हैं उसकी भाषा और राष्ट्र की भाषा।

पाक को रूसी जेएफ-17 इंजन देने की जयराम की टिप्पणी पर भाजपा ने कहा

कांग्रेस ने देश के दुश्मन का साथ चुना

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने पाकिस्तान को जेएफ-17 जेट इंजन की आपूर्ति पर रूस के आगे बढ़ने की खबरों को रविवार को गैरजिम्मेदाराना सूचना युद्ध करार दिया और इसे सोशल मीडिया पर उठाने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। भाजपा ने कांग्रेस पर भारत के बजाय 'देश के दुश्मन का पक्ष लेने' का आरोप लगाया।

कांग्रेस ने पाकिस्तानी लड़ाकू विमान जेएफ-17 के लिए रूस द्वारा इंजन की आपूर्ति किए जाने संबंधी मीडिया खबरों का हवाला देते हुए कहा था कि यह मोदी सरकार की कूटनीति की विफलता है और उसे देश को बताना चाहिए कि भारत का भरोसेमंद साथी रूस, पाकिस्तान को सैन्य सहयोग क्यों दे रहा है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने उन खबरों का हवाला दिया था जिनमें कहा गया है कि रूस जेएफ-17 लड़ाकू विमानों के लिए उन्नत आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति कर रहा है। रमेश ने 'एक्स' पर दावा किया कि यह घटनाक्रम प्रधानमंत्री मोदी की उस व्यक्तिगत कूटनीति की एक और नाकामी को उजागर करता है, जो राष्ट्रीय हितों से अधिक छवि निर्माण और वैश्विक तमाशे को प्राथमिकता देती रही है।

रूस ने सभी दावों को किया खारिज : मालवीय

भाजपा आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने पलटवार करते हुए मीडिया की एक अन्य खबर का हवाला दिया और कहा कि रूस ने उन दावों को खारिज किया है कि मॉस्को जेएफ-17 थंडर ब्लॉक-3 लड़ाकू विमानों के लिए पाकिस्तान को आरडी-93एमए इंजन की आपूर्ति पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि रमेश ने एक अखबार में छपी खबर पर भरोसा किया, जिसमें पाकिस्तान समर्थक दुष्प्रचार के लिए कुख्यात एक कम-ज्ञात वेबसाइट का हवाला दिया गया है। मालवीय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं। कोई विश्वसनीय स्रोत नहीं। बस गैरजिम्मेदाराना सूचना युद्ध का एक और दौर तथा कांग्रेस के संचार प्रमुख ने एक बार फिर भारत के साथ खड़े होने के बजाय दुश्मन का पक्ष लेने का फैसला किया।

हथियार, नशीले पदार्थ मॉड्यूल का भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने पाकिस्तान से जुड़े सीमापार हथियार और मादक पदार्थ तस्करी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने गिरफ्तार दोनों लोगों की पहचान गुरजंत सिंह और गुरवेल सिंह के रूप में की है, जो तरनतारन के निवासी हैं।

पुलिस ने बताया कि उनके पास से 2.5 किग्रा हेरोइन और 5 अत्याधुनिक पिस्तौल तथा मैगजीन बरामद की गईं। उनकी कार भी जब्त कर ली गई है, जिसका प्रयोग खेप ले जाने में हुआ था। जांच से पता चला कि आरोपी सीमापार से पाकिस्तानी तस्कर के निर्देश पर काम कर रहे थे। हथियार गैंगस्टर और अन्य अपराधियों को आपूर्ति किए जाने थे।

त्योहारों पर हवाई किरायों व उड़ान क्षमताओं पर डीजीसीए की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

- डीजीसीए को कीमतों में वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार

विमानन नियामक नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) त्योहारों के दौरान हवाई किरायों और उड़ान क्षमताओं पर कड़ी नजर रख रहा है ताकि यह टिकटों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी न हो। त्योहारी सीजन और बढ़ती मांग के दौरान घरेलू हवाई किराए में वृद्धि होती है विशेष रूप से उन मार्गों में जिधर के लिए अधिक उड़ानें हैं। हालांकि हवाई किराये को नियंत्रण मुक्त किया गया है लेकिन डीजीसीए को कीमतों पर नजर रखने तथा वृद्धि होने पर उचित कदम उठाने का अधिकार है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने रविवार को कहा कि डीजीसीए ने त्योहारी पर होने वाली भीड़ से पहले हवाई किराए की समीक्षा की है और विमानन कंपनियों से उड़ान क्षमता बढ़ाने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि डीजीसीए यात्री हितों के लिए विमानन कंपनियों के किराये और उड़ान क्षमताओं पर नजर रखेगा। इंडिगो 42 सेक्टरों में 730 अतिरिक्त सेवाएं, एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस 20 सेक्टरों में 486, स्पाइसजेट 38 सेक्टरों में 546 अतिरिक्त उड़ानें संचालित करेगी। हालांकि यह नहीं बताया गया कि इन अतिरिक्त उड़ानों का संचालन कब से और कब तक होगा।

लद्दाख हिंसा में हुई मौतों की हो स्वतंत्र न्यायिक जांच : वांगचुक

श्रीनगर। राजस्थान के जोधपुर केंद्रीय कारागार में बंद पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक ने जारी संदेश में कहा कि वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ हैं और वह लद्दाख के संवैधानिक हक के लिए शांतिपूर्ण तरीके से लड़ते रहेंगे। वांगचुक ने लद्दाख में हुए हिंसक प्रदर्शन में हुई मौतों की स्वतंत्र न्यायिक जांच की मांग की। उन्होंने कहा कि जबतक जांच का आदेश जारी नहीं होता तब तक वह कारागार में रहने को तैयार हैं। उन्होंने अपना यह संदेश वकील मुस्तफा हाजी और उनके बड़े भाई कात्सेतन दोरजे ले के जरिये भेजा, जो शनिवार को उनसे कारागार में मिलने गए थे। वांगचुक ने के लोगों की प्रार्थनाओं और चिंताओं के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने लद्दाख के लोगों से शांति बनाये रखने की अपील भी की।

बाढ़ प्रभावित किसानों को देंगे हर संभव मदद : शाह

अहिल्यानगर (महाराष्ट्र),एजेंसी

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भारत के चीनी सहकारी क्षेत्र को काफी लाभ हुआ है। वह अहिल्यानगर जिले में डॉ. विट्ठलराव विखे पाटिल सहकारी चीनी कारखाने की विस्तारित क्षमता का उद्घाटन करने के बाद एक किसान रैली को संबोधित कर रहे थे।

शाह ने चीनी सहकारी समितियों से गैर पेराई सत्र में भी मल्टी-फीड एथनॉल का उत्पादन करने की अपील की। मंत्री ने कहा कि एथनॉल मिश्रण से चीनी सहकारी समितियों की आर्थिक स्थिति बदल गई है, मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद इस क्षेत्र को लाभ हुआ है। शाह ने कहा कि केंद्र सरकार हाल ही में भारी बारिश से प्रभावित महाराष्ट्र के किसानों को हर संभव सहायता देगी। उन्होंने राज्य के किसानों के लिए केंद्रीय सहायता हासिल करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्रियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार की सराहना की। शाह ने सहकारिता आंदोलन की प्रमुख हस्ती विट्ठलराव विखे पाटिल और उनके बेटे तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री बालासाहेब विखे पाटिल की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया।

महाराष्ट्र में किसानों की रैली में लोगों का अभिवादन करते हुए गृह मंत्री अमित शाह और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस।

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद चीनी सहकारी क्षेत्र को हुआ लाभ

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार महाराष्ट्र में भारी बारिश से नुकसान झेलने वाले किसानों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। महाराष्ट्र के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश और बाढ़ से व्यापक नुकसान हुआ है। शाह ने कहा कि मैंने मुख्यमंत्री और दोनों उपमुख्यमंत्रियों के साथ विस्तृत बैठक की। प्रधानमंत्री की ओर से मैंने उन्हें आश्वासन दिया कि एक बार विस्तृत रिपोर्ट हमें सौंप दिए जाने के बाद, प्रधानमंत्री महाराष्ट्र के किसानों को कोई भी मदद देने में देरी नहीं करेंगे। केंद्र सरकार पिछले वर्ष की सहायता में से 3,132 करोड़ रुपये पहले ही जारी कर चुकी है, जिसमें इस वर्ष अप्रैल में दी गई 1,631 करोड़ रुपये की सहायता भी शामिल है। महाराष्ट्र सरकार ने भी 2,215 करोड़ रुपये की राहत राशि प्रदान की है, जिससे 31 लाख से ज्यादा किसानों को लाभ हुआ है।

गृह मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने किसानों की परेशानी कम करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार को 10,000 रुपये की नकद सहायता और 35 किग्रा अनाज दिया गया। ऋण वसूली रोक दी गई है, ई-केवाईसी मानदंडों में एक बार के लिए ढील दी गई है और राजस्व कर और स्कूल फीस में राहत दी गई है।

वर्ल्ड ब्रीफ

हैदराबाद में रविवार को गाजा में तत्काल युद्धविराम के लिए प्रदर्शन किया गया।

टेक्सास में गिरफ्तार हुआ भारतीय कनाडा प्रत्यर्पित

ओंटारियो। हमले के एक मामले में अमेरिका के टेक्सास में गिरफ्तार किए गए भारतीय मूल के एक व्यक्ति को कनाडा प्रत्यर्पित किया गया है। 'सीटीवी न्यूज' ने शुक्रवार को बताया कि 25 वर्षीय सुखप्रीत सिंह 2021 में कनाडा में एलनाज हजतमिरी नाम की महिला पर हुए हमले के सिलसिले में वांछित कई संदिग्धों में से एक है। सिंह को इस साल जून में 'यूनाइटेड स्टेट्स मार्शल्स सर्विस' के सदस्यों ने गिरफ्तार किया था और अगस्त में उस पर आरोप लगाए गए थे। खबर में कहा गया है कि सिंह को प्रत्यर्पित कर मंगलवार को 'यॉर्क रीजन' भेजा गया था।

चरमपंथी बने लेबनानी पॉप स्टार का आत्मसमर्पण

बेरूत। पॉप स्टार से वांछित इस्लामी चरमपंथी बने लेबनान के एक व्यक्ति ने 12 साल बाद शनिवार को खुद को देश की सैन्य खुफिया सेवा के हवाले कर दिया। लेबनान के शहर सिडोन में जून 2013 में सुन्नी मुस्लिम चरमपंथियों और लेबनानी सेना के बीच सड़क पर हुए खूनी संघर्ष के बाद से फदल शकर फरार था। उसकी गैरमौजूदगी में मुकदमा चलाया गया और 2020 में एक आतंकवादी समूह को समर्थन देने के आरोप में 22 साल जेल की सजा सुनाई गई। शनिवार रात एक लेबनानी सैन्य खुफिया बल सिडोन के पास ऐन अल-हिल्वेह के फिलस्तीनी शरणार्थी शिविर में पहुंचा और शकर को हिरासत में ले लिया, जो 12 साल से इसी शिविर में छिपा हुआ था।

स्कूल इमारत ढहने से अब तक 40 की मौत

सिदोअर्जो। इंडोनेशिया के एक इस्लामिक बोर्डिंग स्कूल में मंगलवार को प्रार्थना कक्ष के ढह जाने के बाद लापता छात्रों की तलाश कर रहे बचावकर्मियों ने सप्ताहांत में दो दर्जन से अधिक शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 40 हो गई। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण एजेंसी के अनुसार, बचावकर्मियों को केवल सप्ताहांत में 26 शव मिले। इंडोनेशिया के जावा द्वीप के पूर्वी हिस्से में सिदोअर्जो में स्थित सौ साल पुराने अल खोजिनी स्कूल में 30 सितंबर को एक इमारत ढह गई और सैकड़ों छात्र उसके नीचे दब गए।

चीन के गुआंगडोंग क्षेत्र में तूफान के कारण डेढ़ लाख लोग विस्थापित

गुआंगडोंग, एजेंसी

चीन के दक्षिणी प्रांत गुआंगडोंग में प्रशासन ने मैटमो तूफान की तीव्रता को देखते हुए आपातकालीन प्रतिक्रिया को उच्चतम स्तर पर बढ़ा दिया है और 150,000 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है।

प्रांतीय बाढ़ नियंत्रण मुख्यालय ने रविवार सुबह प्रतिक्रिया स्तर में बढ़ोत्तरी की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार शाम तक, कुल 151,352 निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचा दिया गया। तूफान मैटमो लगभग 25 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है जिससे तटीय शहरों में भारी बारिश और तूफान की आशंका है। एहतियात के तौर पर झानजियांग शहर में शनिवार शाम से ही कक्षाएं, काम, उत्पादन, परिवहन और व्यवसायों को पूरी तरह से बंद कर दिया है और रविवार सुबह से सभी राजमार्गों को बंद कर दिया है। समुद्री प्राधिकारियों ने प्रभावित जलक्षेत्र में परिचालन स्थगित कर दिया है तथा पूरे क्षेत्र में बचाव दल तैनात कर दिए हैं।

- झानजियांग में कक्षाओं और सभी व्यवसायों को किया गया बंद

नियम सख्त नहीं, निगरानी में भी ढील

जब दवाएं बन जाती हैं जहर

भारत में दवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 और उसके तहत बनाए गए नियम खासकर औषधि नियम 1945 की अनुसूची एम (जीएमपी) लागू हैं, जिन्हें केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन और राज्य विनियामक प्राधिकरण लागू करते हैं। निगरानी के लिए राज्य प्राधिकरण भी हैं जो लाइसेंसिंग की जिम्मेदारी निभाने के साथ निरीक्षण कर नकली और घटिया दवाओं पर कार्रवाई करते हैं। दवाओं की खराब गुणवत्ता से देश में कई बड़े हादसे हो चुके हैं, जिसके बाद सरकार ने जीएमपी नियमों को संशोधित करने के साथ निरीक्षण प्रणाली को मजबूत करने के लिए निर्देश जारी किए थे। हालांकि नियमों और निर्देशों का पालन न होना भी आम है, मध्यप्रदेश और राजस्थान में खराब कफ सिरप की वजह से हाल ही में हुई कई बच्चों की मौत इसका ताजा उदाहरण है।

दवा निर्माण: ये हैं कानून

- औषधि अधिनियम 1940 दवाओं के आयात, निर्माण, बिक्री-वितरण को नियंत्रित करता है।
- औषधि नियम 1945 के तहत दवाओं के विनिर्माण और गुणवत्ता के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए हैं।
- निर्माताओं को जीएमपी का पालन करना होता है ताकि मानक अनुसार दवा निर्माण सुनिश्चित किया जा सके।
- केंद्रीय प्राधिकरण सीडीएससीओ दवा, चिकित्सा उपकरण, प्रसाधन सामग्री की गुणवत्ता विनियमित करता है।
- राज्य औषधि विनियामक प्राधिकरण लाइसेंस देने, नकली दवाओं की बिक्री पर कार्रवाई के लिए जिम्मेदार हैं।

गांबिया से सबक नहीं

पश्चिमी अफ्रीका के देश गांबिया में 2022 में भारत से आयातित कफ सिरप पीने से 66 बच्चों की मौत हुई थी। इसके बाद डब्ल्यूएचओ ने इस दवा के बारे में चेतावनी जारी की थी। भारत की इस घटना से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदनामी हुई थी। इन बच्चों की भी किडनी क्षतिग्रस्त हो गई थी जैसा कि हाल ही में मध्यप्रदेश और राजस्थान में हुआ है।

निगरानी के इंतजाम

- फार्माकोविजिलेंस प्रोग्राम ऑफ इंडिया राष्ट्रीय निगरानी कार्यक्रम है जो दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों को इकट्ठा कर उनका विश्लेषण करता है और उसके आधार पर सिफारिशें देता है।
- नियामक प्राधिकरण नियमित रूप से दवा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण करते हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे निर्धारित मानकों यानी शेड्यूल एम का पालन कर रहे हैं।

दवाएं और नियम

- शेड्यूल एच की दवाएं पंजीकृत चिकित्सक के पर्चे पर ही बेची जा सकती हैं, इनमें कफ सिरप भी शामिल हैं।
- शेड्यूल एक्स की दवाएं अत्यंत शक्तिशाली होती हैं जिनमें नशीले व साइकोट्रोपिक पदार्थ शामिल होते हैं।
- कई एंटीबायोटिक्स, मानसिक स्वास्थ्य की दवाएं और नींद की गोलियां भी पर्चे पर ही बेची जा सकती हैं।
- सभी टीके, खासकर बच्चों के लिए आवश्यक टीके नियमों के तहत योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों ही दे सकते हैं।

डायथाइलीन ग्लाइकॉल से दूषित कफ सिरप से कई बच्चों की मौत हुई थी। जम्मू-कश्मीर में 2019-2020 में कफ सिरप पीने से 11 बच्चों की मौत हो गई थी।

"बच्चों को कोई भी दवा या कफ सिरप डॉक्टर के परामर्श के बगैर देना गलत है। कारण ये है कि यह डॉक्टर की जांच से ही पता लग सकता है कि बच्चे को किस प्रकारण का संक्रमण है। जिस कफ सिरप से हाल ही में बच्चों की मौत हुई है, उन्हें सी श्रेणी की कंपनियों ने बनाया था। अच्छी कंपनियां गुणवत्ता का ध्यान रखती हैं। - **दुर्गेश खटवानी, अध्यक्ष बरेली ड्रग एसोसिएशन**

"प्रदेश सरकार ने कफ सिरप के सेवन से बच्चों की मौत की घटना सामने आने के बाद एडवाइजरी जारी की है इसके तहत दो साल तक के बच्चों को बिना डॉक्टर के परामर्श के कफ सिरप देने पर पाबंदी लगा दी गई है। हालांकि मुख्यालय से अभी गाइड लाइन जारी नहीं हुई है। गाइड लाइन जारी होने के बाद उसका पूरी तरह पालन कराएंगे। - **डॉ. विश्राम सिंह, सीएमओ**

पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड तैनात नहीं कर पाएंगे ट्रंप, कोर्ट ने लगाई रोक

अमेरिकी राष्ट्रपति के एक और आदेश को संघीय न्यायाधीश ने बताया अवैध

पोर्टलैंड, एजेंसी

अमेरिका में ओरेगन राज्य के एक संघीय न्यायाधीश ने राज्य और उसके शहर पोर्टलैंड की ओर से दायर एक मुकदमे में फैसला सुनाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के पोर्टलैंड में नेशनल गार्ड तैनात करने के आदेश पर अस्थाई रूप से रोक लगा दी है। ट्रंप प्रशासन ने केंद्रीय अधिकारियों और संपत्ति की सुरक्षा के लिए नेशनल गार्ड तैनात करने का आदेश दिया था।

अमेरिकी जिला न्यायाधीश करिन इमरगुट ने मुकदमे में बहस लंबित रहने तक यह आदेश जारी किया। वादियों का कहना है कि 'नेशनल गार्ड' की यह तैनाती अमेरिकी संविधान के साथ उस संघीय कानून का भी उल्लंघन है जो आम तौर पर घरेलू कानूनों को लागू करने में सेना के इस्तेमाल पर रोक लगाता है। इमरगुट ने अपने आदेश में लिखा कि यह मामला तीन मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांतों के परस्पर संबंध से जुड़ा है- 'संघीय सरकार और राज्यों के बीच संबंध, सेना और घरेलू कानून प्रवर्तन के बीच संबंध और सरकार की कार्यपालिका, विधानपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का संतुलन।'

न्यायाधीश ने कहा कि आम तौर पर राष्ट्रपति उन परिस्थितियों में 'नेशनल गार्ड' सैनिकों की तैनाती का आदेश दे सकते हैं जब नियमित कानून प्रवर्तन बल अमेरिका के कानूनों का पालन नहीं कर पाते लेकिन पोर्टलैंड में ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि वादियों ने यह साबित किया कि राष्ट्रपति के आदेश से पहले पोर्टलैंड आव्रजन केंद्र में हुए प्रदर्शन अधिक हिंसक या विघटनकारी नहीं थे।

राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश के खिलाफ पोर्टलैंड में लगातार विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

न्यायाधीश ने कहा- ट्रंप के निर्णय तथ्यों से परे

न्यायाधीश ने कहा, राष्ट्रपति का यह निर्णय तथ्यों से बिल्कुल परे है। रक्षा मंत्रालय ने कहा था कि वह ओरेगन के 'नेशनल गार्ड' के 200 सदस्यों को 60 दिनों के लिए संघीय नियंत्रण में रख रहा है ताकि उन जगहों पर संघीय संपत्ति की सुरक्षा की जा सके जहां प्रदर्शन हो रहे हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एवं इलिनोइस के गवर्नर जेबी प्रित्जकर ने शनिवार को कहा कि ट्रंप प्रशासन की इलिनोइस के नेशनल गार्ड के 300 सैनिकों का संघीयकरण करने की योजना है, जो अमेरिकी शहरों में ट्रंप के संघीय हस्तक्षेप की हालिया वृद्धि को दर्शाता है।

ट्रंप का दावा, युद्धग्रस्त क्षेत्र बन चुका है पोर्टलैंड

ट्रंप ने पोर्टलैंड और शिकागो दोनों को अपराध और अशांति से ग्रस्त शहर बताया है। उन्होंने पोर्टलैंड को 'युद्ध क्षेत्र' कहा है और सुझाव दिया है कि पोर्टलैंड में समस्याओं को खत्म करने के लिए यह तैनाती आवश्यक है। राष्ट्रपति के तौर पर अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से उन्होंने मैरीलैंड के बाल्टीमोर, टेनेसी के मेम्फिस, डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया, लुइसियाना के न्यू ऑरलियन्स और कैलिफोर्निया के ओकलैंड, सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिलिस सहित 10 शहरों में सैनिक भेजे हैं या भेजने की बात की है। ओरेगन की गवर्नर टीना कोटेक ने सितंबर के अंत में ट्रंप से कहा था कि यह तैनाती अनावश्यक थी।

अवैध प्रवासी बच्चों को वयस्क केंद्र भेजने के आदेश पर भी रोक

अटलांटा। अवैध रूप से अमेरिका में आए बच्चों के 18 वर्ष की उम्र पूरी करने पर उन्हें वयस्कों के लिए बने हिरासत केंद्रों में स्थानांतरित करने की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की नई नीति पर एक संघीय न्यायाधीश ने अस्थाई रोक लगा दी है। वकीलों के अनुसार, यह स्थानांतरण इस सप्ताहांत होने वाला था। अमेरिकी जिला न्यायाधीश रूडोल्फ कोंट्रेरास ने शनिवार को अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के लिए एक अस्थाई आदेश जारी करते हुए कहा कि वह अकेले एवं बिना अनुमति के देश में आए किसी भी बच्चे को वयस्क होने के बाद आईसीई वयस्क हिरासत केंद्रों में न रखें। वाशिंगटन डीसी के न्यायाधीश ने कहा कि इस तरह की स्वचालित हिरासत 2021 में जारी किए गए उनके उस अदालती आदेश का उल्लंघन है जिसमें इस चलन पर रोक लगाई गई थी। बताया जा रहा है कि अधिकारी 14 साल और उससे ज्यादा उम्र के प्रवासी बच्चों को स्वेच्छा से अपने देश लौटने के लिए 2,500 अमेरिकी डॉलर की पेशकश कर रहे हैं। पिछले महीने एक अन्य संघीय न्यायाधीश ने अकेले अमेरिका आए ग्वाटेमाला के प्रवासी बच्चों को तुरंत उनके देश वापस भेजने के प्रयासों पर रोक लगा दी थी।

वांगचुक को रिहा करो

लद्दाख को राज्य का दर्जा देने और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की रिहाई के लिए देश भर में प्रदर्शन हो रहे हैं। रविवार को नई दिल्ली के जंतरमंतर पर अखिल भारतीय छात्र संघ के सदस्यों ने प्रदर्शन कर लद्दाख के प्रति एकजुटता दिखाई।

अलबामा में भीड़ पर गोलीबारी, दो की मौत, 12 घायल

मोंटगोमेरी। अमेरिकी राज्य अलबामा की राजधानी मोंटगोमेरी के भीड़भाड़ वाले इलाके में शनिवार रात दो प्रतिद्वंद्वी गुटों ने एक-दूसरे पर गोलीबारी की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और 12 घायल हो गए।

मोंटगोमेरी के पुलिस प्रमुख जेम्स ग्रेबॉयज के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर है। ग्रेबॉयज ने कहा, इसमें दो पक्ष शामिल थे जो एक-दूसरे पर गोलियां चला रहे थे और उस दौरान भीड़ थी। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने गोलियां चलाते वक्त वहां मौजूद अन्य लोगों की परवाह नहीं की।

रूस ने यूक्रेन में रेलवे स्टेशन को बनाया निशाना, 30 लोग घायल

कीव, एजेंसी

- जेलेंस्की ने कहा- ये आतंकवाद है दुनिया इसे अनदेखा नहीं करे

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि उत्तर-पूर्वी यूक्रेन में एक रेलवे स्टेशन पर रूसी ड्रोन हमले में 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। जिस जगह हमला किया गया, वहां कई यात्री और कर्मचारी मौजूद थे।

बीबीसी के हवाले से जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा है कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि सुमी क्षेत्र के शोस्तका शहर में हमले वाली जगह पर कई रेल कर्मचारी और यात्री मौजूद थे। उन्होंने कहा कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर हैं और लोगों की मदद शुरू कर दी गई है। घायलों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने एक वीडियो भी पोस्ट किया जिसमें एक क्षतिग्रस्त ट्रेन के डिब्बे में आग लगी दिखाई दे रही है।

जेलेंस्की ने लिखा, रूसी लोग इससे अनजान नहीं थे कि वे नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। ये आतंकवाद है जिसे दुनिया नजरंदाज नहीं कर सकती। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह ह्लीहोरोव के अनुसार दो हमले हुए जिनमें दो यात्री ट्रेनें प्रभावित हुईं।

भूटान में बाढ़ से प्रभावित लोगों को बचाने के लिए पहुंची भारतीय सेना

नई दिल्ली, एजेंसी

- बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में फंसे हुए थे कई मजदूर, भारत से मांगी थी मदद

भूटान प्रशासन और भारतीय सेना द्वारा रविवार को समन्वित बचाव अभियान के जरिये पड़ोसी देश में अमोचू नदी के आसपास अचानक आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की सुरक्षित निकासी की गई।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि बाढ़ के कारण भूटान के अस्थायी आवास और श्रमिक शिविरों में कई परिवार और मजदूर फंस गए थे। सूत्रों ने बताया कि जब भूटान की राष्ट्रीय एयरलाइन 'ड्रुक एयर' का एक हेलीकॉप्टर खराब मौसम के कारण उड़ान नहीं भर सका, तो देश ने भारत से तत्काल सहायता मांगी। सूत्रों ने बताया कि भारतीय सेना ने इस आग्रह पर तुरंत कार्रवाई करते हुए फंसे हुए मजदूरों को सुरक्षित निकालने और उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के लिए दो हेलीकॉप्टर तैनात किए।

भूटान की शाही सरकार ने तत्काल जीवन रक्षक सहायता प्रदान करने के लिए भारतीय सेना के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है।

चेक गणराज्य में विपक्षी एएनओ पार्टी जीती संसदीय चुनाव

प्राग। चेक गणराज्य में पूर्व प्रधानमंत्री आंद्रेज बाबिस के नेतृत्व वाली विपक्षी एएनओ पार्टी ने संसदीय चुनाव में जीत हासिल की।

मतगणना के परिणामों के मुताबिक विपक्षी एएनओ को चुनाव में 99 प्रतिशत से अधिक मतदान क्षेत्रों से 34.5 प्रतिशत वोट मिले, जबकि सत्तारूढ़ मध्य-दक्षिणपंथी एसपीओएलयू गठबंधन 23.3 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। बाबिस ने चुनाव परिणाम को अपने राजनीतिक जीवन का सबसे बड़ा क्षण बताया।

ब्रिटेन : बार-बार होने वाले प्रदर्शनों पर प्रतिबंध की तैयारी

गृह मंत्रालय ने की घोषणा, पुलिस बलों को दिए जाएंगे नए अधिकार

लंदन, एजेंसी

- कहा- विरोध प्रदर्शन का अधिकार मौलिक स्वतंत्रता, पर दूसरों की सुरक्षा भी जरूरी

ब्रिटेन सरकार ने रविवार को कहा कि ब्रिटिश पुलिस बलों को बार-बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने के लिए नए अधिकार दिए जाएंगे। यह घोषणा प्रतिबंधित समूह 'फिलिस्तीन एक्शन' के समर्थन में लंदन में आयोजित मार्च के दौरान लगभग 500 लोगों को गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद की गई।

नए अधिकारों का विवरण आने वाले हफ्तों में दिया जाएगा। ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने कहा कि यदि कोई विरोध प्रदर्शन कई सप्ताह तक एक ही स्थान पर होता रहा है और बार-बार अव्यवस्था फैली है तो पुलिस को आयोजकों को कार्यक्रम कहीं और आयोजित करने का निर्देश देने का अधिकार होगा। ऐसी शर्तों का उल्लंघन करने पर गिरफ्तारी और मामला दर्ज किया जाएगा। ब्रिटेन की गृह मंत्री शबाना महमूद ने कहा, हमारे देश में विरोध प्रदर्शन का अधिकार एक मौलिक स्वतंत्रता है। हालांकि, इस स्वतंत्रता को अपने पड़ोसियों की निडरता से जीने की स्वतंत्रता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, ये परिवर्तन विरोध प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, साथ ही यह भी सुनिश्चित करते हैं कि इस देश में सभी लोग सुरक्षित महसूस करें। महमूद ने कहा, बड़े पैमाने पर, बार-बार होने वाले विरोध प्रदर्शनों से हमारे देश के कई वर्ग, खासकर धार्मिक समुदाय, असुरक्षित, भयभीत और अपने घरों से बाहर निकलने में डर महसूस कर सकते हैं। गृह मंत्रालय ने कहा कि सरकार मौजूदा कानूनों की भी समीक्षा करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि शक्तियां पर्याप्त हैं और उनका लगातार इस्तेमाल हो रहा है। इनमें विरोध प्रदर्शनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की शक्तियां शामिल होंगी।

फिलिस्तान के समर्थन में प्रदर्शन

लिस्बन। पुर्तगाल के लिस्बन शहर में शनिवार को 3,000 से ज्यादा लोग फिलिस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने और गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने की कोशिश करने पर इजराइल द्वारा हिरासत में लिए गए तीन पुर्तगाली नागरिकों की रिहाई की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने कहा कि रैली में उम्मीदों से कहीं ज्यादा लोग इकट्ठा हुए। रैली में भाग लेने वालों में पूर्व वामपंथी ब्लॉक नेता फ्रांसिस्को लौका और कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार एंटोनियो फिलिप भी शामिल थे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 अक्टूबर, सोमवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, चतुर्दशी 12.23 तक तत्पश्चात पूर्णिमा।

आज का पंचांग

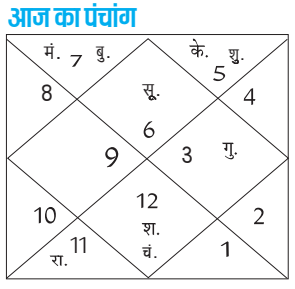

दिशाशूल-पूर्व, **ऋतु**- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- पूर्व भाद्रपद 06.16 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद 7 अक्टूबर 04.01 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज शाम के समय मूड में बदलाव करने के लिए कहीं घूमने जा सकते हैं। साझेदारी वाले व्यापार में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। कोई भी महत्वपूर्ण कार्य न करें। बच्चों के प्रति अपना व्यवहार अच्छा रखें। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है।

वृष — आज आपके आत्मबल में वृद्धि होगी। उच्चाधिकारी आपसे अत्यंत प्रसन्न रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा फोकस करेंगे। पुराने मित्रों के साथ मुलाकात होने से तरोताजा हो जाएंगे। घर के नवीनीकरण की योजना बना सकते हैं।

मिथुन — आज पारिवारिक मामलों को शांतिपूर्वक निपटाएं। शाम का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा। व्यापार में आपको बड़ा धन लाभ होगा। घर में उत्सव का वातावरण रहेगा। आप नए विचारों के प्रभाव में रहेंगे। योजनाओं के अनुसार कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कर्क — आज कम मेहनत के बावजूद आपको अच्छी सफलता मिलेगी। किसी अनावश्यक बहसबाजी पर अधिक ध्यान न दें। सभी कार्यों को योजनाबद्ध रूप से करें। आपके निजी संबंध काफी रोमांटिक हो सकते हैं।

सिंह — आज अपनी दिनचर्या को सदैव व्यवस्थित रखें। आपकी बातों से आपके अपने नाराज हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी कारण विवाद होने की संभावना है। आपको किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर दुविधा की स्थिति उत्पन्न होगी।

कन्या — आज आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा, जिसके कारण आप इसका प्रयोग कर अपनी कार्यशैली में सुधार कर सकते हैं। आपका आर्थिक पक्ष कुछ कमजोर रहने वाला है। अतिरिक्त जिम्मेदारियों को अपने ऊपर न लें। इससे आपके ऊपर काम का दबाव बढ़ सकता है।

तुला — आज दिन का उत्तरार्ध थोड़ा कमजोर रहेगा। कार्यक्षेत्र में कर्मचारियों से झगड़ा हो सकता है। लेन-देन में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। भावनात्मक संबंधों को लेकर अत्यंत सतर्क रहें। घर के बुजुर्गों के साथ किसी मांगलिक कार्यक्रम की रूपरेखा बना सकते हैं।

वृश्चिक — आज नया व्यापार शुरू करने में मित्र आपको सहयोग कर सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई को लेकर लापरवाह रहेंगे। लोहे के उपकरणों का प्रयोग सावधानी पूर्वक करें वरना चोट लग सकती है। प्रेम-संबंधों के लिए दिन अनुकूल है।

धनु — आज अधिकारियों की किसी भी बात को न टालें। अपनी बातों को जीवनसाथी के साथ शेयर करें। प्रेम-संबंधों को लेकर कुछ तनाव रहने की संभावना है। जीवन में आ रही परेशानियों का हल मिलेगा। हृदय रोगियों को अधिक तनाव लेने से बचना चाहिए।

मकर — आज कारोबार में बड़ा धन निवेश कर सकते हैं। वैवाहिक जीवन कमजोर रहेगा। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पेट में दर्द की शिकायत हो सकती है। शाम के समय किसी भी तरह की वैचारिक बहस और चर्चाओं से बचें।

कुंभ — आज सुबह आपकी मन:स्थिति थोड़ी नकारात्मक रहने वाली है। आपकी आर्थिक स्थिति बढ़िया रहेगी। परिवार का पूर्ण सहयोग मिलने से आप अत्यंत सुरक्षित महसूस करेंगे। आईटी फील्ड से जुड़े लोगों को नई कंपनी में जॉब मिल सकती है।

मीन — आज आपको व्यवसाय में बड़े ऑर्डर मिल सकते हैं। भावनाओं के बजाय व्यवहारिकता को अपनाएं। पैतृक संपत्ति को लेकर आ रही बाधा दूर होगी। छात्रों को करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलने की संभावना बन रही है।

सुडोकू -121

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	3				5			9
		7		4			8	
2					6			
		5			8			1
	1						2	
4			9			5		
			2			6		3
	4			5				
9			3				4	7

सुडोकू - 120 का हल

5	7	3	6	8	1	9	4	2
4	8	6	3	2	9	1	5	7
2	1	9	5	7	4	6	3	8
6	4	2	8	1	5	3	7	9
7	3	5	9	4	6	2	8	1
1	9	8	2	3	7	5	6	4
9	5	7	4	6	2	8	1	3
3	6	4	1	9	8	7	2	5
8	2	1	7	5	3	4	9	6

हमें साउथ अफ्रीका में होने वाले वनडे वर्ल्ड कप से पहले लगभग 20 मैच खेलने का मौका मिलेगा, ऐसे में हमारी कोशिश हर सीरीज को उसी दिशा में खेलते हुए अपनी तैयारियों को आगे बढ़ाएं। मेरे लिए भारतीय टीम को वनडे में लीड करना एक सम्मान की बात है। -शुभमन गिल

स्टेडियम

लखनऊ, सोमवार 6 अक्टूबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

मणिपुर ने हरियाणा को 3-0 से हराया

नारायणपुर : ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की 30वीं राष्ट्रीय सीनियर महिला फुटबॉल प्रतियोगिता राजमाता जीजाबाई ट्रॉफी में 23 बार की चैंपियन मणिपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा को 3-0 से हरा दिया। रामकृष्ण मिशन मैदान पर शनिवार को खेले गए इस मैच में मणिपुर ने अपने अनुभव और कौशल का प्रभावी प्रदर्शन किया। मणिपुर की जीत में दांगमेई ग्रेस (जर्सी नंबर-8) का प्रदर्शन सर्वाधिक चमकदार रहा, जिन्होंने 25वें और 53वें मिनट में दो गोल दागे। टीम को जीत तक पहुंचाने में कुमुकचाम भूमिकादेवी (जर्सी नंबर-11) ने भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 63वें मिनट में तीसरा गोल किया। दूसरे मैच में असम ने पंजाब को 2-1 से हराकर प्रतियोगिता में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। पंजाब ने शोएब तेजीबाला देवी के 10वें मिनट के गोल से बढ़त बनाई, लेकिन असम की निनगाधुचाम रोनीअ देवी (63वें मिनट) और यानगोइजाम किरणबाला चानू (80वें मिनट) के गोलों ने मैच का पलड़ा पलट दिया।

श्रेयांशी ने अल ऐन मास्टर्स में पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर खिताब जीता

अल ऐन (यूएई) : भारत की युवा शटलर श्रेयांशी वालीशेट्टी ने रविवार को यहां तीन गेम तक चले रोमांचक फाइनल में हमवतन तस्नीम मीर को हराकर 120,000 डॉलर इनामी राशि के अल ऐन मास्टर्स में महिला एकल वर्ग का अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 100 खिताब जीता। श्रेयांशी ने एक गेम से पिछड़ने के बाद शानदार संयम दिखाया और 49 मिनट तक चले फाइनल मुकाबले में 15-21, 22-20, 21-7 से जीत हासिल की। शुरुआती गेम में श्रेयांशी ने चार अंक की बढ़त गंवा दी, जबकि तस्नीम ने 14-9 की बढ़त हासिल करने के बाद पहला गेम अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम कांटे की टक्कर में बदल गया। श्रेयांशी ने 1-4 से वापसी करते हुए 17-14 की बढ़त बना ली। श्रेयांशी ने तीसरे गेम में बढ़त बना ली। तस्नीम ने कुछ देर के लिए 6-5 की बढ़त बना ली थी लेकिन इसके बाद वह पिछड़ गईं और श्रेयांशी ने 15 अंक की बढ़त बनाकर शानदार अंदाज में खिताब अपने नाम कर लिया।

एशिया कप ट्रॉफी चोरी की पुलिस से शिकायत

लखनऊ : दुबई में 27 सितंबर को हुए एशिया कप 2025 के फाइनल के दौरान हुई ट्रॉफी चोरी के गंभीर मामले पर लखनऊ निवासी क्रिकेट प्रेमी संजय शर्मा ने दुबई पुलिस को औपचारिक शिकायत की है। 30 सितम्बर को भेजी गई शिकायत में बताया गया है कि एशियाई क्रिकेट परिषद के अध्यक्ष एवं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने ट्रॉफी को कानूनी तरीके से विजेता भारतीय टीम को सौंपने के बजाय अपने कब्जे में ले लिया। दुबई पुलिस ने प्राप्त शिकायत का शीघ्र उत्तर देते हुए 48 घंटों में वापसी का भरोसा दिया है। शिकायत में इस गैरकानूनी कृत्य को क्रिकेट समुदाय के लिए गहरा आघात बताया गया है, जिससे भारतीय क्रिकेट प्रेमियों में व्यापक रोष व्याप्त है। शिकायतकर्ता ने दुबई पुलिस विभाग से मामले की त्वरित और निष्पक्ष जांच करने, दोषी व्यक्तियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने तथा ट्रॉफी की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। इस शिकायत की सूचना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद, बीसीसीआई और संबंधित अन्य क्रिकेट संस्थाओं को भी दी गई है।

शंघाई मास्टर्स में पेरीकार्ड ने फ्रिट्ज को किया पराजित

शंघाई : फ्रांस के जियोवानी म्पेत्शी पेरीकार्ड ने चौथी रैंकिंग के खिलाड़ी टेलर फ्रिट्ज को 6-4, 7-5 से हराकर रविवार को शंघाई मास्टर्स के चौथे दौर में प्रवेश किया। लंबे कद के पेरीकार्ड ने अमेरिका के खिलाड़ी के खिलाफ एक घंटे 25 मिनट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पेरीकार्ड के सामने अंतिम 16 दौर में 10वें वरीय होल्गर रूने की चुनौती होगी। अन्य मैचों में रूने ने 21वें वरीय यूगो हम्बर्ट को 6-4, 6-4 से हराया जबकि जिजोयू बर्ग्स ने 19वें वरीय फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 7-6, 6-3 से मात दी।

भारत ने एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रनों से हराया

ऋचा ने 20 गेंदों पर तीन चौकों व दो छक्कों की मदद से बनाए नाबाद 35 रन

महिला विश्व कप क्रिकेट

कोलंबो, एजेंसी

भारतीय महिला टीम ने आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप मुकाबले में पाकिस्तान को 88 रनों से हरा दिया। भारत के 248 रनों के लक्ष्य के आगे पाकिस्तान की टीम भारतीय गेंदबाजी के आगे 43 ओवर में सभी विकेट गवांकर महज 159 रन ही बना सकी। इससे पूर्व आठवें नंबर की बल्लेबाज ऋचा घोष की 20 गेंदों पर नाबाद 35 रन की तूफानी पारी की बदौलत भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ महिला विश्व कप मुकाबले में रविवार को 50 ओवर में 247 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। भारत का स्कोर 247 रन तक पहुंचाने में ऋचा घोष ने 20 गेंदों में तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से नाबाद 35 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली। हरलीन देओल ने 65 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से सर्वाधिक 46 रन बनाये। भारत एक समय अपने छह विकेट 201 रन पर गंवाकर संघर्ष कर रहा था, लेकिन ऋचा ने आने के बाद ही अपने शॉट खेले और उनकी तेज-तर्रार पारी ने भारत को 247 रनों तक पहुंचा दिया।

मध्य पारी के साक्षात्कार में जेमिमा रोड्रिग्स कहती हैं कि पिच पर काफ़ी नमी थी जिससे उसे थोड़ी पकड़ मिली। वह उन कुछ खिलाड़ियों में से एक थीं जिन्होंने 32 रन बनाते हुए अच्छी स्ट्राइक ली। उस स्कोरकार्ड में भारत के लिए कई 20 और 30 रन बने क्योंकि बल्लेबाजों को पिच पर ज़्यादा सहजता महसूस नहीं हुई। क्या इरादा बेहतर हो सकता था या उन्होंने बस एक ऐसा स्कोर बनाने का लक्ष्य रखा जो उन्हें लगा कि काफ़ी अच्छा होगा? भारतीय बल्लेबाजों ने काफी समय लिया और फिर स्टार्ट को बड़ी पारी में तब्दील भी नहीं कर सकीं। स्मृति मंधाना ने 23 और कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 19 रन बनाये। ओपनर प्रतीका रावल ने 31,दीप्ति शर्मा ने 25 और स्नेह राणा ने 20 रन बनाये।अंत में ऋचा की पारी ने मोमेंटम दिया और भारत को 250 के करीब ले गईं। यह स्कोर भी काफी चैलेंजिंग होने वाला था।

पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त स्ट्रोक खेलती ऋचा घोष। एजेंसी

भारत और पाक कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया

कोलंबो, एजेंसी। पाकिस्तान के खिलाफ अपने मैचों में भारत के हाथ न मिलाने के रुख को जारी रखते हुए, कप्तान हरमनप्रीत कौर और फातिमा सना ने रविवार को कोलंबो में महिला विश्व कप 2025 के अपने मुकाबले में टॉस के समय एक-दूसरे से हाथ न मिलाने का रुख अपनाया। क्रिकबज़ ने पहले बताया था कि आईसीसी मैच अधिकारी मैदान पर किसी भी अवांछित घटना से बचने के लिए मैच के दिन के प्रोटोकॉल के बारे में दोनों टीमों को पहले से ही अलग-अलग जानकारी देने वाले थे।

स्कोर कार्ड:भारतीय पारी

- प्रतिका रावल बो सादिया इकबाल 31
- स्मृति मंधाना पगबाधा बो फातिमा सना 23
- हरलीन देओल का नशरा संधू बो रमीन शमीम 46
- हरमनप्रीत का सिदरा बो डायना 19
- जेमिमा रोड्रिग्स पगबाधा बो नशरा संधू 32
- दीप्ति शर्मा का सिदरा नवाज बो डायना बेग 25
- स्नेह राणा का रियाज बो फातिमा सना 20
- रिचा घोष नाबाद 35
- श्री चरणी का नतालिया परवेज बो सादिया इकबाल 01
- क्रांति गौड़ का रियाज बो डायना बेग 08
- रेणुका सिंह का सिदरा नवाज बो डायना बेग 00
- अतिरिक्त : 07

कुल : 50 ओवर में 247 रन पर सभी आउट

विकेट पतन : 1-48, 2-67, 3-106, 4-151, 5-159, 6-201, 7-203, 8-226, 9-247

पाकिस्तान गेंदबाजी

गेंदबाज	ओवर	मेडेन	रन	विकेट
सादिया	10	0	47	2
डायना बेग	10	1	69	4
फातिमा सना	10	2	38	2
रमीन शमीम	10	0	39	1
नाशरा संधू	10	0	52	1

ऑस्ट्रेलिया ए को हराकर भारत ए ने तीन मैचों की जीती सीरीज

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- प्रभसिमरन के शतक व श्रेयश, रियान के अर्धशतक की बदौलत 46वें ओवर में भारत ए जीता
- ऑस्ट्रेलिया ए ने 317 रनों का दिया था लक्ष्य, 2 विकेट रहते भारत ए ने छू लिया जीत का आंकड़ा

अमृत विचार। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ चार दिवसीय सीरीज के बाद एक दिवसीय सीरीज पर भी भारत ए ने 2-1 से कब्जा किया। रविवार को ग्रीनपार्क मैदान में खेले गए तीसरे व अंतिम एकदिवसीय डे-नाइट मैच में 317 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ए की टीम ने 2 विकेट शेष रहते 46वें ओवर में जीत हासिल कर ली। हालांकि 301 रन पर भारत ए के दो लगातार विकेट गिरने के बाद मैच रोमांचक मोड़ पर चला गया था, लेकिन आखिर के बल्लेबाजों ने मैच को फंसने नहीं दिया। भारत के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने शानदार शतक लगाया। कप्तान श्रेयश अय्यर और रियान पराग ने भी पचासा ठोंका। अभिषेक शर्मा कुछ खास नहीं कर सके। पिछले मैच में 94 रन बनाने वाले तिलक वर्मा भी जल्दी पवेलियन लौट गए। मैच में जीत के बाद ग्रीनपार्क में जमकर आतिशबाजी हुई।

ग्रीनपार्क में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ए ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ए ने शुरुआती 4 विकेट जल्द गिरने के बाद भी भारत ए के खिलाफ मजबूत स्कोर खड़ा किया। कूपर कोनोली, लियाम और कप्तान जैक एडवर्ड ने एक के बाद एक तेज अर्धशतक जड़े। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 49.1 ओवरों में ऑलआउट होने के बाद भारत ए को जीत के लिए 317 रनों का टारगेट दिया। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, हर्षित राना ने 3-3 विकेट झटके वहीं, आयुष बडोनी ने तनवीर सांघा की गेंद पर सदरलैंड को कैच थमा बैठे। प्रभसिमरन ने शतकीय पारी में आठ चौके और सात छक्के लगाए। प्रभसिमरन के आउट होने के बाद रियान पराग ने कप्तान श्रेयस के साथ मिलकर पारी को आगे बढ़ाया। 28.2 ओवरों में भारत ए ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 200 रन बना लिए। श्रेयस ने 7 चौकों और एक छक्के की मदद से 58 गेंदों में 62 रन की पारी खेली। उन्हें तनवीर सांघा ने आउट किया। भारत का स्कोर अभी 275 रन हुआ था कि अच्छा खेल रहे रियान पराग जल्दी रन बनाने के चक्कर में तनवीर सांघा की गेंद पर 62 रन पर कैच आउट हो गए। रियान ने पारी के दौरान 5 चौके और 3 छक्के लगाए। इसके बाद निशांत सिंधु महज 2 रन बनाकर आउट हो गए। 285 रनों पर भारत ए का छठा विकेट गिरा। इसके बाद विप्रज निगम खेलने उतरे। भारत ए का स्कोर जब 301 रन था तब 44वें ओवर में भारत ए को एक के बाद एक 2 बड़े झटके लगे। पहले आयुश बडोनी 21 और फिर हर्षित राना 0 पर चलते बने। विप्रज निगम ने विनिंग शॉट के साथ ही 32 बॉल पर जिताऊ 24 रन बनाए। वहीं अर्शदीप सिंह ने भी 4 बॉल पर एक छक्का लगाते हुए 7 रन बनाए।

ग्रीनपार्क में रविवार को शतक बनाने के बाद जश्न मनाते भारत ए टीम के ओपनर प्रभसिमरन सिंह। एजेंसी

इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में बाल के लिए जद्दोजहद करते आर्सेनल और वेस्ट हम यूनाईटेड के खिलाड़ी। एजेंसी

चेल्सी की जीत, आर्सेनल अंक तालिका में शीर्ष पर

लंदन, एजेंसी

ब्राजील के एस्टेवाओ के इंजरी टाइम में दागे गोल की बदौलत चेल्सी ने शनिवार को यहां इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में लीवरपूल को 2-1 से हरा दिया जो गत चैंपियन टीम की लगातार तीसरी हार है। एस्टेवाओ के गोल के बाद जरूरत से अधिक जश्न मनाने के लिए चेल्सी के कोच एंजो मारेस्को को लाल कार्ड दिखाया गया। इस हार के साथ तय हो गया कि लीवरपूल की टीम अंतरराष्ट्रीय ब्रेक के दौरान अंक तालिका में शीर्ष पर नहीं होगी। आर्सेनल ने वेस्टहैम को 2-0 से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर लीवरपूल पर एक अंक की बढ़त बना ली है। मैनचेस्टर यूनाईअेड ने भी सदरलैंड के खिलाफ महत्वपूर्ण जीत हासिल की। टोटेनहैम ने लीड्स को 2-1 से हराया और अब टीम अर्सेनल और लीवरपूल के बाद तीसरे स्थान पर है।

अनीसीमोवा ने चीन ओपन का खिताब अपने नाम किया

बीजिंग: अमेरिका की अमांडा अनीसीमोवा ने रविवार को चीन ओपन के फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को 6-0, 2-6, 6-2 से शिकस्त देकर इस हार्ड कोर्ट इंडोर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया है। सेमीफाइनल में हमवतन कोको गॉफ को शिकस्त देने वाली अनीसीमोवा ने शानदार बैकहैंड विनर के साथ मैच खत्म किया। उनका चीन ओपन में यह पहला खिताब है।

20 वर्षीय नोस्कोवा ने तीसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी लेकिन एक घंटे 46 मिनट तक चले मुकाबले के आखिरी क्षणों में उन पर थकान हावी हो गई। इस वजह से तीसरा सेट में एकतरफा नजर आने लगा। अनीसीमोवा इस साल यूएस ओपन और विंबलडन दोनों की उपविजेता रही हैं और अब वह विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। यह इस सत्र में उनका दूसरा डब्ल्यूटीए 1000 खिताब है।

नोस्कोवा 2009 में डब्ल्यूटीए 1000 प्रारूप की शुरुआत के बाद से फाइनल में पहुंचने वाली चेक गणराज्य की सबसे युवा खिलाड़ी है।

जिलेइडे ने स्वर्ण और फातमा ने रजत पदक

- विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडियन ऑयल विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप- 2025 में ब्राजील की जिलेइडे कैसियानो दा सिल्वा ने रविवार को स्वर्ण, तुर्किये की फातमा दामला अल्टिन ने रजत पदक व पोलैंड की कैरोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का ने महिला लंबी कूद टी20 स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में हुई प्रतियोगिता में जिलेइडे व फातमा दामला अल्टिन ने गति, लय और उड़ान के साथ 5.88 मीटर और 5.72 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण व रजत पदक जीता।

2024 में भाग न लेने के बाद विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वापसी कर रही दिग्गज कैरोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 5.55 मीटर रहा। 2011 में पदार्पण के बाद से, करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का की किसी वैश्विक प्रतियोगिता में यह केवल तीसरी हार थी। उन्होंने चार विश्व चैंपियनशिप और तीन पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। हालांकि उन्होंने कई बार 6 मीटर की छलांग लगाई है, लेकिन टखने की चोट के कारण उन्हें कांस्य पदक के लिए इस सीजन की सर्वश्रेष्ठ छलांग से ही संतोष करना पड़ा। करोलिना कुचार्जिक-उरबांस्का ने कहा कि कांस्य पदक उन्हें स्वर्ण पदक जैसा लगा क्योंकि वह अपने टखने की चोट से जूझ रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें यह पसंद आया कि कैसे उन्होंने अपरिचित गर्मी और उमस में प्रतिस्पर्धा करने के बावजूद पोडियम पर बने रहने के लिए अंत तक संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि आज मुझे बहुत मज़ा आया। मैंने पोडियम पर पहुंचने के लिए कड़ी मेहनत की। शॉट पुट सर्कल से, नीदरलैंड की लारा बार्स ने महिलाओं के एफ40 वर्ग में लोहे की गेंद को 9.77 मीटर से ऊपर फेंककर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया। 9 मीटर के निशान को पार करने वाली एकमात्र प्रतियोगी, 28 वर्षीय लारा ने अपना ही विश्व रिकॉर्ड दो बार फिर से बनाया, इस प्रकार नई दिल्ली 2025 में 30वां विश्व रिकॉर्ड बनाया। इस बीच, रविवार सुबह, अपील जूरी ने पहले के एक फैसले को पलट दिया और ब्राजीलियाई खिलाड़ी के चार अंक बहाल कर दिए। पॉलिनो डॉस सैंटोस थियागो ने पुरुषों की शॉट पुट एफ57 स्पर्धा के फाइनल में 14.82 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ रजत पदक जीता और भारत के सोमन राणा को कांस्य पदक मिला तथा फिनलैंड के तीजो कोप्पिका को पोडियम से बाहर कर दिया। भारत के पदकों की संख्या 18 बनी हुई है, लेकिन अब उसके पास प्रत्येक रंग के छह पदक हैं और वह तालिका में सातवें स्थान पर है। भारत की आगे बढ़ने की उम्मीदें स्प्रिंटर सिमरन शर्मा के कंधों पर टिकी हैं, क्योंकि वह महिलाओं की 200 मीटर टी12 स्पर्धा के फाइनल में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जहां उनका मुकाबला क्लारा बैरोस दा सिल्वा (ब्राजील) और वेनेजुएला की एलेजांद्रा पाओला पेरेज लोपेज से होगा।

भारत की सिमरन (दाईं ओर) नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में महिलाओं की 200 मीटर फाइनल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहने के बाद अपने गाइड सैफी उमर के साथ जश्न मनाती हुई। एजेंसी

ईरानी कप | यश ढुल की मेहनतकश 92 रनों की पारी के बावजूद शेष भारत की टीम खिताबी मुकाबले में 93 रनों से पराजित

हर्ष और यश की शानदार गेंदबाजी से विदर्भ बना चैंपियन

नागपुर, एजेंसी

यश ढुल की 92 रन की शानदार पारी के बावजूद शेष भारत की टीम को ईरानी कप फाइनल में विदर्भ से रविवार को यहां मैच के पांचवें दिन 93 रन की हार का सामना करना पड़ा। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे (73 रन पर चार विकेट) और तेज गेंदबाज यश ठाकुर (47 रन पर दो विकेट) की अगुवाई में विदर्भ के गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत के लिए 361 रन के लक्ष्य का पीछा कर रही शेष भारत की पारी को दिन के दूसरे सत्र में 267 रन पर समेट दिया। दुबे और ठाकुर दोनों ने इस मैच में छह-छह विकेट चटकाकर विदर्भ को तीसरी बार ईरानी कप का चैंपियन बनाया।

शेष भारत ने मैच के आखिरी दिन दो विकेट पर 30 रन से आगे खेलते हुए 133 रन तक छह विकेट गंवा दिये। ढुल ने इसके बाद मानव सुथार (56) के साथ 104 रन की साझेदारी कर टीम की उम्मीदें जगा दी। ठाकुर ने हालांकि ढुल को पवेलियन की राह दिखाकर मैच में विदर्भ का पूरी तरह से दबदबा कायम कर दिया। ढुल के आक्रामक शॉट पर डीप थर्ड मैन की दिशा में अथर्व तायडे ने शानदार कैच लपका। ठाकुर ने इसके बाद ढुल को बाहर जाने का इशारा किया, जिससे दोनों खिलाड़ियों के बीच मैदान में तनातनी देखने को मिली। दोनों अंपायर और विदर्भ के क्षेत्ररक्षकों ने बीच में आकर स्थिति को शांत करने की कोशिश की। ठाकुर ने अगली ही गेंद पर आकाशदीप को बोल्ड किया और फिर पिछले साल रणजी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दुबे ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच खत्म किया। शेष भारत के कप्तान रजत पाटीदार ने कहा कि विदर्भ की टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया और वे जीत के हकदार थे। हमने परिस्थितियों का बेहतर आकलन नहीं किया। हम अगर ऐसा कर पाते तो उनके स्कोर के करीब पहुंच सकते थे। तायडे को पहली पारी में 143 रन बनाने और ढुल का शानदार कैच लपकने के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए पिछले कुछ सत्र अच्छे नहीं थे। लेकिन इस सत्र मैंने बहुत अच्छी तैयारी की। मैं अपनी टीम के लिए प्रभाव डालना चाहता था और ईरानी कप के साथ सत्र की शुरुआत इससे बेहतर हो नहीं सकती थी। इस मैच से भारतीय गेंदबाज आकाश दीप अपनी फिटनेस साबित करने में सफल रहे। आकाश दीप इंग्लैंड दौरे पर ओवल टेस्ट के दौरान चोटिल हो गये थे। उन्होंने कंधे की चोट से उबरते हुए इस मैच में 29 ओवर गेंदबाजी (पहली पारी में 19 और दूसरी पारी में 10) में तीन विकेट लिये। बल्लेबाजी में अभिमन्यु ईश्वरन बड़े मैचों में लचर प्रदर्शन के तमगे को पीछे छोड़ने में फिर से नाकाम रहे।

उन्होंने पहली पारी में अर्धशतक लगाया, लेकिन दूसरी पारी में 17 रन बनाकर आउट हो गये। वह दोनों पारियों में बायें हाथ के स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करते दिखे और दोनों बार एक ही तरह से बैकफुट पर पगबाधा आउट हुए। वह पहली पारी में पार्थ रेखड़े और दूसरी पारी में हर्ष दुबे की गेंद पर पवेलियन लौटे।

फाइनल में भारत को 93रनों से हराकर ईरानी कप जीतने की खुशी मनाते विदर्भ टीम के खिलाड़ी। एजेंसी

चेकमेट प्रतियोगिता में अमेरिका ने भारत को 5-0 से हराया

नई दिल्ली: हिकारू नाकामूरा ने विश्व चैंपियन डी गुकेश को हरा दिया। अमेरिका के एलिंगटन में चल रही पहली चेकमेट प्रतियोगिता में मेजबान देश अमेरिका ने भारत को 5-0 से हरा दिया। मैच के दौरान कई तनावपूर्ण मौके आए और दोनों टीम के खिलाड़ियों ने जीत के मौके बनाए लेकिन अमेरिका ने मौकों का फायदा उठाते हुए महत्वपूर्ण जीत दर्ज की। ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी को फाबियानो करुआना के खिलाफ शिकस्त झेलनी पड़ी जबकि ग्रैंडमास्टर दिव्या देशमुख को अंतरराष्ट्रीय मास्टर कारिसा यिप ने हराकर उलटफेर किया। अंतरराष्ट्रीय मास्टर लेवी रोजमैन ने इसके बाद सागर शाह को हराया जबकि ईथेन वैज को अंतरराष्ट्रीय मास्टर टेनी एडेवुमी के खिलाफ शिकस्त का सामना करना पड़ा।